खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :34°C
न्यूनतम :20°C

बरेली, शुक्रवार 15 मई 2026 बरेली संस्करण: वर्ष 23 अंक 164 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13 विक्रमी सम्वत् 2083 27 जिल कदा 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जरूरी: राजनाथ सिंह
पेज 2

ऑरेंज कैप टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचे विराट कोहली
खेल टाइम्स

सामाजिकता की सबसे बड़ी कुंजी है परिवार
सम्पादकीय

ताइवान पर चीन की अमेरिका को सख्त चेतावनी
पेज 12

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में हफ्ते में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने ईंधन बचाने के मद्देनजर अपने कर्मचारियों के लिए सप्ताह में दो दिन घर से काम करने की व्यवस्था करने का फैसला लिया है और कुछ उपायों की घोषणा की है। सरकार ने दिल्ली में ईंधन बचत, प्रदूषण कम करने और 'मेड इन इंडिया' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेरा भारत, मेरा योगदान अभियान के तहत व्यापक दिल्ली 'एक्शन प्लान' जारी किया है। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए घर से काम करने, ऑनलाइन बैठकें, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग जैसे कई महत्वपूर्ण कदमों की घोषणा की गई है। इसके साथ ही निजी क्षेत्र को भी कर्मचारियों के सप्ताह में दो दिन घर से काम करने की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। सरकारी कार्यालयों का समय अलग-अलग करने और सोमवार को मेट्रो डे मनाने की बात कही गई है, ताकि लोग अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।

ईरान ने यूएई तट के पास एक जहाज को किया जब्त

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के पूर्वी तट के पास लंगर डाले एक जहाज को अज्ञात लोगों द्वारा जब्त कर ईरान की दिशा में ले जाने की खबर सामने आई है। इस घटना की पुष्टि ब्रिटिश सैन्य संगठन यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने की है। घटना के बाद पूरे होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। यह जहाज फुजैरा बंदरगाह से लगभग 38 समुद्री मील (करीब 70 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में लंगर डाले था, जब उस पर अनधिकृत लोगों ने कब्जा कर लिया।

सबरीमाला मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं की एंट्री और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई गुरुवार को पूरी कर ली है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता में 9 जजों वाली बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने 16 दिन तक केंद्र, धार्मिक संगठनों और याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनीं। कोर्ट धार्मिक स्वतंत्रता, अनुच्छेद 25 और 26 के दायरे, संवैधानिक नैतिकता और धार्मिक प्रथाओं में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा जैसे कई अहम संवैधानिक सवालों पर फैसला देगी। इनमें सबसे अहम मासिक धर्म के उम्र वाली 10 से 50 साल की महिलाओं की सबरीमाला मंदिर में एंट्री का विवाद है।

वैश्विक संकट के बीच भारत का ब्रिक्स एकजुटता का आह्वान

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और कमजोर होती बहुपक्षीय संस्थाएं वैश्विक व्यवस्था को अधिक नाजुक बना रही हैं और ब्रिक्स देशों को स्थिरता तथा वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार के लिए एकजुट होकर कदम उठाने चाहिए।

विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने गुरुवार को यहां हुए ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक असुरक्षा और संस्थागत सुधारों पर केंद्रित संबोधन में कहा कि दुनिया अभूतपूर्व भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता का सामना कर रही है। इसके पीछे सशस्त्र संघर्ष, जलवायु संबंधी आपदाएं और कोविड महामारी के दीर्घकालिक प्रभाव प्रमुख कारण हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि ये संकट अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि

विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में प्रतिबंधों और आतंकवाद पर जताई चिंता

वैश्विक चुनौतियों का ऐसा संगम हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाओं की क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं और जिनका सबसे अधिक असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं तथा विकासशील देशों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिरता, सतत विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक कार्रवाई और दृढ़ संकल्प आवश्यक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्रिक्स देशों को केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रभावी और समन्वित समाधान विकसित करने चाहिए। डा. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति ही संघर्षों के समाधान के टिकाऊ उपाय हैं।

16 राज्यों व 3 केंद्र शासित प्रदेशों में SIR की घोषणा

चुनाव आयोग ने तीसरे चरण का किया ऐलान

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण की घोषणा की है। इसके तहत देश के 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार, जनगणना के तहत चल रही गृह-सूचीकरण प्रक्रिया के साथ साझा जमीनी तंत्र को ध्यान में रखते हुए एसआईआर के तीसरे चरण का कार्यक्रम तय कर लिया गया है।

आयोग के अनुसार, एसआईआर के तीसरे चरण के दौरान 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे। यह पूरा कार्यक्रम मई 2026 से शुरू होकर दिसम्बर 2026 तक चलेगा और अलग-अलग राज्यों में अंतिम मतदाता सूची सितम्बर से दिसम्बर 2026 के बीच प्रकाशित की जाएगी। आयोग ने बताया कि एसआईआर का तीसरा चरण पूरा होने के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर -शेष पृष्ठ दो पर

3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर जाकर करेंगे सर्वेक्षण

सीईसी ने की एसआईआर के तीसरे चरण में पूरे उत्साह से भाग लेने की अपील

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतदाताओं से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पूरे उत्साह से भाग लेने की अपील की है। श्री कुमार ने गुरुवार को 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के तीसरे चरण के शुभारंभ के कार्यक्रम की घोषणा पर कहा कि मैं सभी मतदाताओं से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण में उत्साहपूर्वक भाग लेने और अपने मतदाता-गणना प्रपत्र भरने की अपील करता हूं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि एसआईआर का संचालन यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है कि मतदाता सूची में केवल पात्र मतदाताओं के नाम शामिल हों।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर उठाए सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग में नियुक्तियों को लेकर केंद्र सरकार से सवाल किया। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार को ही फैसला करना है, तो सिलेक्शन कमेटी में विपक्ष के नेता (एलओपी) को रखकर स्वतंत्रता का दिखावा करने की जरूरत क्या है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि सीबीआई डायरेक्टर की सिलेक्शन कमेटी में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) शामिल होते हैं, लेकिन चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाली

कहा: सरकार को ही फैसला लेना है, तो कमेटी में नेता विपक्ष को रखने का दिखावा क्यों

समिति में कोई स्वतंत्र सदस्य नहीं रखा गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए मौजूदा कमेटी में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल हैं। इनमें बहुमत के आधार पर एक नाम का चयन होता है। अभी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हैं। पूरा मामला मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं से जुड़ा है। इस पर कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि नई चयन प्रक्रिया में केंद्र को ज्यादा अधिकार दिए गए हैं, जिससे आयोग की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह चुनौती सुप्रीम कोर्ट की 2023 के फैसले 'अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ' के बाद सामने आई है। उस फैसले में कहा गया था कि जब तक संसद कानून नहीं बनाती, तब तक चुनाव आयोग में नियुक्तियां प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सीजेआई वाली समिति के जरिए की जाएंगी।

दिल्ली में चलती स्लीपर बस में गैंगरेप

नई दिल्ली। एक भयावह घटना ने राष्ट्रीय राजधानी को एक बार फिर झकझोर दिया है। सोमवार देर रात दिल्ली के रानी बाग इलाके में एक चलती स्लीपर बस के अंदर 30 वर्षीय महिला का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया गया।

पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई बस को जब्त कर लिया है और पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीतमपुरा की एक झुग्गी बस्ती निवासी पीड़िता मंगोलपुरी की एक फैक्ट्री में काम करती है। रात की शिफ्ट खत्म करने के बाद वह घर जा रही थी, जब वह सरस्वती विहार के बी-ब्लॉक बस स्टैंड पर पहुंची। वहां एक स्लीपर बस खड़ी थी। जब उसने बस के दरवाजे पर खड़े एक युवक -शेष पृष्ठ दो पर

समय पूछने पर महिला को चलती बस में खींचा

वीडी सतीशन केरलम के सीएम होंगे

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन केरलम के नए सीएम होंगे। कांग्रेस ने राज्य के चुनाव नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद गुरुवार को इसका ऐलान किया। 61 साल के सतीशन पारावूर सीट से विधायक हैं। कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने तिरुवनंतपुरम में 7 मई को मीटिंग की थी। पार्टी अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी से चर्चा के बाद तय किया गया कि केरलम सीएम वीडी सतीशन होंगे। नाम का ऐलान होने के बाद सतीशन ने कहा कि मैं इस पद को निजी उपलब्धि नहीं बल्कि दैवीय कृपा मानता हूं।

पश्चिम एशिया संकट का असर: कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से दबाव

अप्रैल में 8.30 % पर पहुंची थोक महंगाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर में भारी उछाल दर्ज किया गया है। मार्च महीने में थोक महंगाई दर 3.88 प्रतिशत के स्तर पर थी, जो अप्रैल में तेजी से बढ़कर 8.30 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इस जबरदस्त वृद्धि के पीछे मुख्य कारण ईंधन, बिजली और कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों में आई बेतहाशा तेजी है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, अप्रैल 2026 में महंगाई की दर मुख्य रूप से खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बुनियादी धातुओं, अन्य विनिर्माण और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है। थोक महंगाई में आया यह तेज उछाल सीधे तौर पर पश्चिम एशिया में चल रहे संकट को दर्शाता है। इसके साथ ही, होर्मुज स्ट्रेट की प्रभावी नाकेबंदी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। यह जलमार्ग भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत अपने आयातित कच्चे तेल का अधिकांश हिस्सा इसी मार्ग से प्राप्त करता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा

Heartiest Congratulations!
To All Passouts of 12th CBSE Board

S.D. GROUP OF COLLEGES
(Under the Aegis of SANATAN DHARM COLLEGE ASSOCIATION)
[Affiliated to Dr. APJ Abdul Kalam Tech. Univ, Lucknow (Formerly UPTU) & Maa Shakumbhari University, Saharanpur, SCERT Prayagraj & Approved by AICTE, NCTE, PCI, BCI, MHRD, New Delhi]

Register Now! for session 2026-27
SUNDAY OPEN

S.D. COLLEGE OF MANAGEMENT STUDIES
MBA MCA BFA B.Sc(Comp. Sc.) BBA BCA D.El.Ed. (BTC)
8937095004 / 06 / 07 / 08 / 14
9027670028 / 8077371392

S.D. COLLEGE OF COMMERCE
M.COM M.Sc(Food & Nutrition) B.Sc(CBZ) B.COM B.Sc(Home Sc.) B.Sc(Microbiology) B.A. B.Sc(PCM) with Computer Science
8937095005/13/15/17

S.D. COLLEGE OF PHARMACY & VOCATIONAL STUDIES
NBA ACCREDITED
M.PHARM B.PHARM D.PHARM
8937095011/ 27

S.D. COLLEGE OF LAW
B.A.; LL.B. B.COM.; LL.B. LL.B.
9837556545 / 9897259855 / 9927275998

REGISTER ONLINE @ www.sdgroupofcolleges.edu.in
Our Partners
NCC / Rover Ranger / Unnat Bharat Abhiyan
आपके अपने शहर मुजफ्फरनगर का पहला रेडियो स्टेशन
RADIO SD 90.8 FM
Campus: Bhopa Road, Muzaffarnagar
Mob.- 8937095012

CMYK

संक्षिप्त समाचार

ईंधन बचाने की पहल विधान परिषद की संसदीय समितियों के भ्रमण कार्यक्रम स्थगित

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने के आह्वान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फ्लीट 50 प्रतिशत कम करने के फैसले के बाद अब उत्तर प्रदेश विधान परिषद ने भी बड़ा कदम उठाया है। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने परिषद की संसदीय समितियों के पूर्व निर्धारित भ्रमण के सभी कार्यक्रमों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। विधान परिषद के प्रमुख सचिव डा. राजेश सिंह ने बताया कि अब संसदीय समितियों की बैठकों में जिला स्तरीय अधिकारी अग्रिम आदेशों तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से प्रतिभाग करेंगे। इससे अधिकारियों का जिलों में आना-जाना कम होगा और ईंधन की बचत होगी।

केरल में सतीशन कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए

नई दिल्ली। केरल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन को पार्टी विधायक दल का नेता घोषित किया गया है। कांग्रेस की केरल प्रदेश प्रभारी दीपादास मुंशी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में में बताया कि सतीशन को केरल में पार्टी विधायक दल का नेता बनाया गया है। इस मौके पर उनके साथ केरल के लिए नियुक्त किए गए केन्द्रीय पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक भी मौजूद थे। श्रीमती दास मुंशी ने बताया कि गत सात मई को तिरुवनंतपुरम में पार्टी विधायक दल की बैठक में नेता चुनने का अधिकार पार्टी हाईकमान को दे दिया गया था। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, लोस में पार्टी के नेता राहुल गांधी, केन्द्रीय पर्यवेक्षकों तथा केरल के पार्टी सांसदों और अन्य वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श किया।

कई जिलों में आंधी से सैकड़ों पेड़ धराशाई, बिजली के खंभे उखड़े

उप्र में चक्रवाती तूफान व बारिश से 104 मरे

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बुधवार को चक्रवाती तूफान और बारिश ने जम कर कहर बरपाया। मौसम जनित हादसों में पूरे राज्य में 104 से अधिक लोग अकाल मृत्यु का शिकार हुए। प्रयागराज, भदोही, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सीतापुर और बहराइच समेत कई जिलों में आंधी से सैकड़ों पेड़ धराशाई हो गए, जबकि बिजली के खंभे उखड़ने से विद्युत आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई और कई इलाके अंधेरे में डूब गए।

आंधी बारिश से दर्जनों कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचा। आंधी-पानी की चपेट में आने से

■ सीएम ने 24 घंटे में पीड़ितों को मुआवजा देने का दिया निर्देश, बांदा रहा प्रदेश में सर्वाधिक गर्म

अलग-अलग जिलों में 104 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। सबसे ज्यादा वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर मंडल में लोगों की मौत हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान और टीन शेड उड़ गए, वहीं फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बारिश और धूल भरी आंधी के कारण सड़कों पर आवाजाही प्रभावित रही। कई जगह पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। मरने वालों में भदोही में 18, मिर्जापुर में 15, प्रयागराज में 17, प्रतापगढ़ और बरेली में 4-4, फतेहपुर में 10, उन्नाव और बदायूं में 6-6, सीतापुर, रायबरेली, चंदौली, कानपुर देहात, हरदोई और संभल में दो-दो, कौशांबी, शाहजहांपुर, सोनभद्र और लखीमपुरखीरी में एक-एक लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार देर रात बैठक कर आंधी, बेमौसम बारिश, आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं की समीक्षा की और 24 घंटे में पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए। योगी ने प्रभावित क्षेत्रों के जिलाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर जाने के लिए कहा। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है।

आंधी में उड़ा व्यक्ति दूर जाकर खेत में गिरा

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के भमोरा थाना क्षेत्र में बुधवार को तेज आंधी और बारिश के दौरान एक हैरान कर देने वाला हादसा सामने आया, जिसमें बारातघर की उड़ती टीननुमा चादर को पकड़ने का प्रयास कर रहा एक व्यक्ति हवा में उड़कर दूर खेत में जा गिरा। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर में कई फ्रैक्चर बताए जा रहे हैं। ग्राम बबियाना निवासी नन्हे (50) गांव में बने बारातघर के पास खड़े थे। अचानक मौसम खराब हो गया और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज हवाओं के कारण बारातघर की टीन की चादर उड़ने लगी। इसी दौरान नन्हे उसे संभालने के लिए उससे जुड़े लोहे के पाइप को पकड़ लिया, लेकिन हवा का दबाव इतना तेज था कि वह खुद भी चादर के साथ कई फीट ऊपर उठ गए।

रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जरूरी: राजनाथ

नई दिल्ली, वार्ता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया है और कहा है कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा अब पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकती।

सिंह ने गुरुवार को यहां प्रमुख रणनीतिक संवाद 'कलम और कवच' में अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि इस मंच का नाम ही देश के भविष्य के सुरक्षा ढांचे की सशक्त दृष्टि को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कलम विचारों, तर्क और आगे की सोच रखने के साहस का प्रतीक है। कवच शक्ति, सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा करने की क्षमता का प्रतीक है। जो देश स्पष्ट रूप से सोच सकता है और मजबूती से अपनी रक्षा कर सकता है, वही दुनिया में ऊंचा खड़ा होता है। हम ऐसे ही भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं।

वैश्विक संघर्षों के बदलते स्वरूप पर सिंह ने कहा कि दुनिया भर में रणनीतिक परिदृश्य लगातार अधिक अनिश्चित, प्रतिस्पर्धी और प्रौद्योगिकी- आधारित होता जा रहा है। उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव, संघर्ष, साइबर खतरे, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी और हाइब्रिड युद्ध के उभरते स्वरूपों को देशों के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी दुनिया में राष्ट्रीय सुरक्षा पुराने आयामों पर आधारित नहीं रह सकती। इसके लिए हमारी तैयारी, लचीलापन, नवाचार और रणनीतिक आत्मविश्वास आवश्यक है।ष रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि भारत के लिए रणनीतिक आवश्यकता

■ तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकते: रक्षा मंत्री

है। उन्होंने कहा कि जो राष्ट्र महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं के लिए अत्यधिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहता है, वह संकट के समय कमजोर बना रहता है। हमें अपने राष्ट्रीय तंत्र के भीतर ही प्रमुख प्रणालियों का डिजाइन, विकास, उत्पादन, रखरखाव और उन्नयन करना होगा। इसी तरह हम अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को सुरक्षित रख पाएंगे।

रक्षा मंत्री ने विभिन्न हितधारकों के बीच अधिक समन्व्य की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि आधुनिक युद्ध में कई क्षेत्रों के बीच निरंतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध पारंपरिक सीमाओं का सम्मान नहीं करता। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपनी थल, जल, वायु, साइबर और अंतरिक्ष सेनाओं को कितनी दक्षता से एक साथ ला पाते हैं। यह इस पर भी निर्भर करेगा कि हमारी प्रयोगशालाएं, उद्योग, स्टार्टअप, नीति निर्माता और सैन्य संस्थान कितनी निकटता से मिलकर काम करते हैं। रक्षा तैयारियों में तेजी से नवाचार पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में वही देश आगे रहेंगे, जो विचारों को तेजी से परिचालन क्षमता में बदल सकें।

आंधी-तूफान से हुई 104 मौतों पर अखिलेश ने जताया दुख

लखनऊ, वार्ता

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में आए भीषण आंधी-तूफान से हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भदोही, फतेहपुर, सोनभद्र, बदायूं समेत प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी और तूफान के कारण 104 लोगों की मौत हो गई, जबकि घर, पेड़ और दीवारें गिरने से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं।

सपा अध्यक्ष ने सरकार से मांग की कि राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाया जाए। उन्होंने कहा कि घायलों के लिए बेहतर और मुफ्त इलाज की तत्काल व्यवस्था की जाए तथा प्रभावित इलाकों में शीघ्र खाना-पानी उपलब्ध कराया जाए। साथ ही जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं,

उनके लिए अस्थाई रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की। यादव ने कहा कि मृतकों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराया जाए और आपदा में हुए जानमाल, फसल तथा वाहनों के नुकसान का जल्द आकलन कर प्रभावित परिवारों को बीमा राशि और उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने सपा के कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि जो लोग इस आपदा से अप्रभावित हैं, वे पीड़ित परिवारों की हरसंभव सहायता के लिए आगे आएं। सपा प्रमुख ने मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

दिल्ली में फिर चलती बस में दुष्कर्म समाज के लिए कलंक: आप

नई दिल्ली, वार्ता

आम आदमी पार्टी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में दिल्ली की सड़कों पर चलती बस के अंदर एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म ने एक बार फिर निर्भया कांड की यादें ताजा कर दी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि दिल्ली में एक बार फिर चलती बस में दुष्कर्म हुआ। हमने निर्भया से कुछ नहीं सीखा। यह हादसा पूरे समाज के लिए कलंक है।

आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि दिल्ली में निर्भया कांड दोहराया गया है। 30 साल की एक महिला को रात में बस में समय पूछने के बहाने अगवा कर लिया गया और इसके बाद चलती बस में करीब दो घंटे

■ निर्भया कांड की यादें ताजा हुई, केजरीवाल और सौरभ ने उठाए सवाल

तक कई लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। यह बस दिल्ली के रानी बाग इलाके में सात किमी तक घूमती रही। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस से और क्या उम्मीद की जा सकती है, जिसके मुखिया उपराज्यपाल चाहते हैं कि दिल्लीवासी उनकी रील देखें, जिनमें वे छोले-भटूरे और जलेबी खा रहे हैं। श्री भारद्वाज ने कहा कि चलती बस में ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला का सामूहिक दुष्कर्म किया। यह जानकारी दिल्ली पुलिस ने मीडिया को देर से क्यों दी। इसके पीछे क्या कारण था? क्या पुलिस दुष्कर्म की घटना को दबाना चाहती थी? क्या पुलिस पीघ्ता पर दबाव बनाना चाहती थी, मामले को दबाने की कोशिश कर रही थी या फिर आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मीडिया को बताना चाहती थी कि ऐसा हुआ था, मगर पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। उन्होंने कहा कि पूरी सरकार रील्स पर चलती है। हमारी आपत्ति रील्स बनाने पर नहीं है, बल्कि उन्हें अपने हिंसाब से एडिट और पेश करने पर है। दिल्लीवाले सरकार के ऑडियंस नहीं हैं, लेकिन आज भाजपा ने दिल्ली के नागरिकों और मतदाताओं को महज एक ऑडियंस बना दिया है।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

बिज़नेस-टाइम्स

सेंसेक्स 75398.72
निफ्टी 23689.60

सोना 152887 प्रति 10 ग्राम
चांदी 257055 प्रति किलो

शेयर बाजारों में तेजी जारी, प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत चढ़े

मुंबई, वार्ता

बैंकिंग, धातु और फार्मा सेक्टरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी देखी गई और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 789.74 अंक (1.06 प्रतिशत) चढ़कर 75,398.72 अंक पर पहुंच गया। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बाजार में तेजी रही है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 277 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,689.60 अंक पर बंद हुआ। वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.17 प्रतिशत चढ़ा, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.01 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। आईटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में लिवाली रही। निफ्टी आईटी सूचकांक 1.99 प्रतिशत गिर गया। धातु, फार्मा और स्वास्थ्य सेक्टरों के सूचकांक दो से तीन प्रतिशत तक ऊपर रहे। बैंकिंग, वित्त, रसायन, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और मीडिया समूहों की कंपनियों में भी निवेशकों ने

अच्छा पैसा लगाया। सेंसेक्स में भारती एयरटेल का शेयर सबसे अधिक सवा पांच फीसदी से ज्यादा की बढ़त में रहा। कंपनी के अच्छे तिमाही परिणाम के बाद यह तेजी देखी गई। इटरनल का शेयर सवा तीन प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक का ढाई फीसदी और अडानी पोर्ट्स का दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहा। महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईटीसी के शेयर एक से दो प्रतिशत तक चढ़े। भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआई सीआई बैंक, टाटा स्टील, एलएंडटी, इंडिगो और बजाज फिनसर्व के शेयर भी हरे निशान में रहे।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल में 4.37 लाख के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। वाहनों की मांग में पिछले साल सितम्बर के बाद से जारी तेजी इस साल अप्रैल में भी बरकरार रही और घरेलू बाजार में यात्री वाहनों तथा तिपहिया वाहनों की रिकॉर्ड थोक बिक्री दर्ज की गई। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों की बिक्री, जिनमें कार, उपयोगी वाहन और वैन शामिल होते हैं, अप्रैल में सालाना आधार पर 25.4 प्रतिशत बढ़कर 4,37,312 इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल अप्रैल में देश में 3,48,847 यात्री वाहन बिके थे। तिपहिया की बिक्री में 32.8 प्रतिशत का उछाल आया और यह 65,668 इकाई के नए मासिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

गेहूं मजबूत, खाद्य तेलों में नरमी दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल का औसत भाव स्थिर रहा। चावल के साथ चीनी की कीमतों में भी टिकाव रहा। गेहूं महंगा हुआ, जबकि खाद्य तेलों में गिरावट का रुख रहा। दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,859 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही।

गेहूं चार रुपये महंगा हुआ और 2,786 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटे में भी टिकाव देखा गया। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 31 रुपये और तुअर दाल की 26 रुपये प्रति क्विंटल घट गई। मूंग दाल 14

रुपये और मसूर दाल 13 रुपये सस्ती हुई। चना दाल की कीमत तीन रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 42 रिंगिट टूटकर 4,396 रिंगिट प्रति टन रह गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73.31 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 107 रुपये और वनस्पति की 46 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। पाम ऑयल 27 रुपये और सरसों तेल 18 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल 17 रुपये और सोया तेल नौ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।

मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। चीनी की कीमत गत दिवस से स्तर पर ही पड़ी रही। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7666.92 रुपये, मसूर काली 8094.74 रुपये, मूंग दाल 10172.90 रुपये, उड़द दाल 10824.16 रुपये, तुअर दाल 11243.65 रुपये प्रति क्विंटल रही।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मैडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

16 राज्यों... पूरा देश इसमें कवर हो जाएगा। आयोग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मतदाता सूची के कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी, जिसमें बर्फ से ढके क्षेत्रों में मौसम की स्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता सूची के तीसरे चरण में दिल्ली को शामिल किया जाएगा, जहां 7 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण में 16 राज्य आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, झारखंड, महाराष्ट्र, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय, कर्नाटक, तेलंगाना, सिक्किम, नागालैंड और त्रिपुरा और तीन केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली, चंडीगढ़, दादर नगर हवेली और दमन-दीव शामिल होंगे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण- एसआईआर का दूसरा चरण नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 4 नवम्बर 2025 से किया गया था। इस चरण में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एसआईआर किया गया। इनमें से चुनावी राज्य तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। जबकि एसआईआर के पहले चरण में सिर्फ बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था।

दिल्ली में... से समय पूछा, तो आरोपियों ने जवाब देने के बजाय उसे जबरदस्ती बस के अंदर खींच लिया। पीड़िता के अनुसार, जैसे ही उसे बस में घसीटा गया, आरोपियों ने दरवाजा बंद कर दिया और चालक को बस चलाने का निर्देश दिया। चलती बस के अंदर, दो लोगों ने उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। यह त्रासद घटना लगभग 7 किलोमीटर तक नांगलोई मेट्रो स्टेशन तक जारी रही। लगभग दो घंटे तक यौन उत्पीड़न करने के बाद, आरोपियों ने उसे खून से लथपथ हालत में रात करीब 2 बजे सड़क पर फेंक दिया और फरार हो गए। हमले के तुरंत बाद पीड़िता ने पुलिस को फोन किया। पहली कॉल नांगलोई पुलिस स्टेशन को गई, लेकिन चूंकि अपराध स्थल रानी बाग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता था, इसलिए मामला स्थानांतरित कर दिया गया। एक महिला सब-इंस्पेक्टर पीड़िता को बाबासाहेब अंबेडकर अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सा जांच में सामूहिक बलात्कार की पुष्टि हुई। डाक्टरों ने पीड़िता की गंभीर हालत को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, लेकिन उसने इन्कार कर दिया। उसने बताया कि उसके पति को टीबी है और वे घर पर ही रहते हैं। दंपति की तीन बेटियां हैं, जिनकी उम्र 8, 6 और 4 साल है। अस्पताल में भर्ती होने पर बच्चों का पेट कौन भरेगा, इस चिंता में उसने गंभीर चोटों के बावजूद घर पर ही इलाज कराने का विकल्प चुना। पुलिस ने बिहार रजिस्ट्रेशन नंबर वाली बस को जब्त कर लिया है। बस मालिक से संपर्क कर लिया गया है और चालक के साथ-साथ दो मुख्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। बस के रूट और आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की भी समीक्षा की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि बस के अंदर पर्दे लगे हुए थे, जिससे बाहर से कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। बस के अंदर से सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। बस को जब्त कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

होसबले के पाक से बातचीत संबंधी बयान का किया स्वागत

श्रीनगर, वार्ता

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले के पाकिस्तान के साथ बातचीत करने वाले बयान का स्वागत किया है।

अब्दुल्ला ने कहा कि यह इस बढ़ती हुई समझ को दर्शाता है कि अब युद्ध कोई विकल्प नहीं रहा। गौरतलब है कि होसबले ने हाल ही में कहा था कि भारत को सीमा पार आतंकवाद का कड़ाई से जवाब देना चाहिए, लेकिन साथ ही पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे भी खुले रखने चाहिए। अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि यह एक बहुत बड़ा कदम है। होसबले ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत होनी चाहिए और आज

■ नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला बोले- युद्ध कोई विकल्प नहीं है

पूर्व सेना प्रमुख ने भी उनके बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि अब कोई यह सोच रहा है कि युद्ध कोई विकल्प नहीं है। यह बातचीत का मामला है और बातचीत के जरिए ही हमें अपनी समस्याओं का हल निकालना चाहिए। अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के दूसरे ऐसे बड़े राजनीतिक नेता बन गए हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वाले होसबले के बयान का स्वागत किया है। इससे पहले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में स्थाई शांति के लिए दोनों देशों के बीच लगातार संपर्क जरूरी है। होसबले की इस टिप्पणी ने वर्षों से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंधों, सीमा पर तनाव और औपचारिक द्विपक्षीय बातचीत के निलंबन के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर राजनीतिक और रणनीतिक हलकों में एक नई बहस छेड़ दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई है कि आज दिल्ली में शुरू हो रही ब्रिक्स की बैठक पश्चिम एशिया में शांति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि ब्रिक्स की बैठक हो रही है और हमें उम्मीद है कि पश्चिम एशिया में शांति होगी। मुझे उम्मीद है कि ब्रिक्स भी इस पर दबाव डालेगा।ष बड़ी ताकतों से जुड़े चल रहे कूटनीतिक प्रयासों का जक्रि करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चीन में हैं। मुझे यकीन है कि चीन भी अपनी भूमिका निभाएगा, ताकि शांति बनी रहे। जब उनसे प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों के काफिले के आकार में की गई कटौती के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह एक अच्छा कदम है। उन्होंने कहा, ष्मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा है और इससे पता चलता है कि हमारे पास ईंधन की कमी है और जाहिर है, जब कमी है तो हमें उसे पूरा करना होगा। मुझे यकीन है कि हर कोई अपने काफिले का आकार कम करेगा।

बाइस साल में 54 बार विदेश यात्रा पर गए राहुल: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने और वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है तथा सवाल किया है कि उनके विदेश दौरे का खर्च कौन उठाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी के विदेश दौरे का ब्योरा दिया और कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहते हुए गांधी पिछले 22 वर्ष में 54 बार विदेश यात्रा पर गए और इन दौर पर 64 करोड़ रुपये से अधिक खर्च आया, जो एक बड़ी जांच का विषय है। उन्होंने बताया कि गांधी ने जिन देशों के दौरे किए, उनमें इटली, ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी, वियतनाम, कंबोडिया, सिगापुर, बहरीन, मालदीव, कतर, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल है।

CMYK

शादी का सपना दिखाकर युवती से किया दुष्कर्म

दिल्ली में कराया गर्भपात, चार पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

जोया। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने गांव के ही युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, जबरन अपने साथ पश्चिम बंगाल ले जाने और गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी और उसके परिजनों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। गांव निवासी किसान की बेटी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक साल 2024 में गांव के ही मोहम्मद हसीब ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए तथा बाद में घर से भगाकर पश्चिमी बंगाल के जिला बिशनापुर ले गया। वहां हसीब एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। आरोप है कि हसीब ने वहां युवती के हस्ताक्षर एक स्टांप पर करवा लिए तथा कहा कि दोनों की कोर्ट मैरिज हो गई है। इतना ही नहीं बिशनापुर से युवती के परिजनों को कॉल कर बता दिया कि दोनों ने शादी कर ली है। साल 2025 में वह युवती को लेकर जोया निवासी अपने मामा के घर आ गया। यहां हसीब के परिवार के लोग भी रहते हैं। आरोप है कि यहां देवर तौसीफ ने छेड़छाड़ की तथा सास अफरोजा व ससुर इदरीस ने मारपीट की। जिस पर हसीब उसे लेकर दिल्ली चला गया तथा वहां रहने लगा। दिल्ली में युवती ने गर्भवती होने की जानकारी हसीब को दी। आरोप है कि दवा दिला कर उसका गर्भपात करा दिया। जब युवती ने निकाह का दबाव बनाया तो 10 अप्रैल 2026 को मारपीट कर निकाल दिया। पीड़िता ने इस संबंध में कोतवाली में तहरीर दी थी। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र बालियान ने बताया कि मामले में मोहम्मद हसीब, उसके भाई, व माता-पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर चालान किया जाएगा।

जोया में पूरी रात नहीं आयी बिजली

शाह टाइम्स संवाददाता

जोया। लगातार तीन दिनों से आ रही आंधी अब लोगों के लिए मुस. ीबत का सबब बनती जा रही है। बीती रात आयी तेज आंधी के चलते कस्बे में पूरी रात बिजली के दर्शन नहीं हुए। जिससे लोगों का बुरा हाल है। बताते चलें कि पिछले तीन दिनों से लगातार आंधी का सिलसिला जारी है। रोजाना आंधी व तूफान तथा बारिश से बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाती है। बीती रात आयी तेज आंधी ने एक बार फिर बिजली व्यवस्था को चौपट कर दिया। कस्बे में पूरी रात बिजली के दर्शन नहीं हुए। सुबह करीब 13 घंटे बाद बिजली आयी।

हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूटा, शव सड़क पर रखकर लगाया जाम

बारात चढ़त के दौरान गिरा जर्जर खम्भा, किशोर की मौत

मंडी धनौरा। खम्भा गिरने से किशोर की मौत के बाद सड़क जाम करते परिजन।

शाह टाइम्स ब्यूरो

बछरायूं। थाना क्षेत्र के गांव ढयौटी में गुरुवार शाम बारात चढ़त के दौरान जर्जर बिजली का खंभा गिरने से 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि एक अन्य किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। गुस्साए ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लाप. रवाही का आरोप लगाते हुए शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया।

गांव ढयौटी में गुरुवार को एक बारात आई हुई थी। शाम करीब पांच बजे बारात चढ़त के दौरान डीजे की धुन पर बाराती नाच रहे थे। वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीण भी बारात देख रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे लगा बिजली का जर्जर खंभा अचानक भरभराकर भीड़ पर गिर पड़ा। हादसे से मौके पर चीख-पुकार मच गई।

खंभे की चपेट में आने से गांव निवासी लव जाटव (15) पुत्र परमेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विमल (13) पुत्र यशपाल जाटव गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गनीमत रही कि हादसे के समय बिजली आपूर्ति बंद थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश फैल गया। ग्रामीण धर्मपाल प्रधान, मोहित कुमार, तारें सिंह, राहुल, गजराज सिंह, विजय कुमार, अरुण और लोकेंद्र जाटव समेत अन्य लोगों का आरोप है कि खंभा काफी समय से जर्जर हालत में था। इसकी शिकायत कई बार विभागीय अधिकारियों से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के चलते एक मासूम की जान चली गई। हादसे से गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने शेरपुर-बसी मार्ग पर बिजलीघर के सामने शव रखकर जाम लगा दिया और प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर थाना प्रभारी कुलदीप सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। समाचार लिखे जाने तक मौके पर तनावपूर्ण शांति बनी हुई थी।

एआई से किशोरी का फोटो एडिट कर किया वायरल

शिकायत पर दो नाबालिगों पर हमला, एसपी के आदेश पर छह आरोपियों पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। सोशल मीडिया पर 14 वर्षीय किशोरी का एआई से एडिट किया गया आपत्ति. जनक फोटो वायरल करने के मामले ने तूल पकड़ लिया। शिकायत करने गए किशोरी के भाई और चचेरे भाई पर आरोपियों ने साथियों संग मिलकर रास्ते में घेरकर हमला कर दिया। धारदार हथियार से किए गए हमले में दोनों नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर भी मारपीट और कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। एसपी के निर्देश पर अब छह आरोपियों के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मामला नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के ही एक गांव से जुड़ा था। कुछ दिन पूर्व गांव निवासी एक किसान की 14 वर्षीय बेटी का आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। फोटो को एआई से एडिट किया गया था। इस कारस्तानी में गांव के ही एक युवक का नाम सामने आया था। जानकारी पर किशोरी का 15 वर्षीय भाई अपने 16 वर्षीय चचेरे भाई को लेकर शिकायत करने के लिए युवक के घर गया था, जिसके बाद मामला शांत हो गया था लेकिन बीती 11 मई की शाम में दोनों नाबालिग भाई खेत से घर लौट रहे थे। फोटो वायरल करने की परिजनों से शिकायत पर गुस्साए युवक ने साथियों के साथ मिलकर दोनों को रास्ते में घेर लिया था। आरोपियों ने बेरहमी से पीटते हुए धारदार हथियार से हमला कर दोनों को लहूलुहान कर दिया था। एसपी स्तर पर की गई शिकायत में पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया था कि पुलिसकर्मियों ने उल्ट उनके साथ ही मारपीट की, थाने ले जाकर अवैध तरीके से कई घंटे हवालात में बंद रखा। इतना ही नहीं घायलों का मेडिकल कराने के बाद भी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया। शिकायत पर एसपी ने प्रकरण की जांच सीओ को सौंपी थी। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले में पीड़िता के चाचा की ओर से दी गई तहरीर पर आरोपी दीपक, प्रिंस, रामकुमार, संजीव, राजेंद्र व परम सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। घटना की जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर चालान किया जाएगा।

बेबस भिखारी पर जालिम का खूनी वार

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक ऐसी घटना सामने आई है। जिसने रूह को कंपा दिया है। एक तरफ जहां लोग दान-पुण्य की बातें करते हैं। वहीं एक जालिम ने अपनी घटिया मानसिकता का परिचय देते हुए एक बेबस भिखारी पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने भिखारी इकबाल पुत्र इनायत के पेट पर धारदार हथियार से वार कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुता. बिक हमला इतना अचानक और बर्बर था कि मौके पर चीख पुकार मच गई। सेरेाह खुर्द बहता देख लोगों के होश उड़ गये। लहूलुहान भिखारी दर्द से कराह रहा था और हमलावर मौके का फायदा उठाकर फरार होने की फिराक में था। वहां मौजूद बहादुर लोगों ने तुरंत मोर्चा संभाला। घायल को तहपना देख भीड़ ने बिना देर किए उसे कोतवाली पहुंचाया। तत्काल घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। गुस्साये लोगों ने इस हैवानियत के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंप दी है। क्या अब इस समाज में गरीबों की जान की कोई कीमत नहीं है। पुलिस अब आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

कूमल लगाकर घर से पांच लाख का सामान चोरी

ताले तोड़कर उड़ाई नकदी व जेवर

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए अज्ञात चोरों ने गांव पेली तगा में एक मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये का माल समेट लिया। चोर इतने बेखौफ थे कि उन्होंने पहले मकान की दीवार काटी, फिर आराम से घर के अंदर घुसकर एक-एक कमरे के ताले तोड़े और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना के बाद गांव में दहशत और लोगों में आक्रोश का माहौल है।

गांव पेली तगा निवासी जाफर के अनुसार बुधवार रात परिवार के लोग घर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर मकान की दीवार में कूमल काटकर अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने घर के सभी कमरों के ताले तोड़ डाले। इसके बाद अलमारी और संदूकों के लॉक तोड़कर उनमें रखे सोने-चांदी के आभूषण, तांबे-पीतल के बर्तन और करीब 30 हजार रुपये की नगदी चोरी कर ली। सुबह जब परिवार के लोगों को जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए। कमरों का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी-संदूक खुले पड़े थे। घटना का पता चलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पीड़ित ने बताया कि चोरी गए सामान की कीमत करीब पांच लाख रुपये है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस चोरों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। लोगों ने रात में गश्त बढ़ाने की मांग की है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पीड़ित जाफर ने पुलिस को तहरीर देकर जल्द खुलासा करने और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। उधर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

ऋण वसूली के दौरान युवक ने पेट्रोल डालकर लगायी आग

बैंक कर्मियों पर लगाया रिश्वत मांगने का आरोप, गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। बैंक ऋण वसूली की कार्रवाई के दौरान गुरुवार को गांव में उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार ने बैंक कर्मियों पर रिश्वत मांगने और बिना नोटिस कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।

जानकारी के मुताबिक गांव निवासीर अशोक और विपिन सगे भाई हैं। दोनों गांवों में फेरी लगाकर सब्जी बेचते हैं। इसी आमदनी से परिवार का गुजारा चलता है। अशोक के मुताबिक उन्होंने साल 2019 में अमरोहा शहर की पीएनबी शाखा से 15 लाख रुपये का ऋण लिया था, जिसका उन्होंने किस्तों के माध्यम से भुगतान करा दिया। उनका कहना है कि ऋण में उन्हें करीब 8.45 लाख रुपये की सब्सिडी मिली थी। बैंक कर्मी सब्सिडी जारी करने के बदले में उनसे चार लाख रुपये की मांग कर रहे थे। रकम नहीं देने पर तीन जुलाई 2025 को उनके मकान पर

सील लगा दी गई। जिसे लेकर बाद कोर्ट में विच. राधीन चल रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि नोटिस दिए बिना बैंक टीम गुरुवार को पुलिस बल के साथ गांव पहुंची तथा मकान खाली करने का दबाव बनाया। अशोक और विपिन के परिजनों के साथ मिलकर कार्रवाई का विरोध करने पर हंगामा हो गया। देखते ही देखते पूरा गांव मौके पर जमा हो गया। आरोप है कि पुलिस और बैंक कर्मियों ने महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। इसी दौरान गुस्साए अशोक ने खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा ली। उसके इस कदम से मौके पर अफरातफरी के हालात बन गए। बचाओ-बचाओ के शोर के बीच पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई तथा गंभीर रूप से झुलसे अशोक को शहर सीएचसी ले गए। जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं, इस घटना के बाद बैंक कर्मियों समेत प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। बैंक अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से ऋण बकाया होने के कारण नोटिस जारी किए जा रहे थे और नियमानुसार पूरी कार्रवाई की जा रही थी। वहीं, अशोक के भाई विपिन का कहना है कि उन्हें बैंक से अभी तक कोई नोटिस नहीं मिला है, पूर्व में भी बैंक कर्मियों ने 8.45 लाख रुपये की सब्सिडी जारी करने के लिए रिश्वत मांगी थी, अब भी पैसों का दबाव बनाया जा रहा था। इनकार करने पर मकान पर सील लगाकर प्रताड़ित किया जा रहा है। ऋण लेने के बाद कोरोना काल में कारोबार ठप हो गया था, जिसके बदले में सब्सिडी मिली थी।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए , निर्माण कार्यों में देरी पर जताई नाराजगी

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करें : बलकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। आवास आयुक्त उत्तर प्रदेश शासन एवं जनपद के नोडल अधिकारी बलकार सिंह ने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। इसके साथ ही सभी गौ आश्रय

जिले के नोडल अधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

स्थलों में गर्मी से बचाव के लिए छाया, पेयजल, भूसा और हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों और निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। नोडल अधिकारी बलकार सिंह ने जनपद में सभी ग्राउंड वाटर रिचार्ज संरचनाओं को सक्रिय करने, रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने तथा वृक्षारोपण

अभियान को प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने खराब विद्युत ट्रांसफार्मरों को समय पर बदलने और निर्धारित समयानुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को नकली दूध, खोया एवं खाद्य पदार्थों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। वहीं जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने को कहा। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री और फैमिली आईडी बनाने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति पेंशन, कृषि और अन्य योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में जिलाधिकारी डा. नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी श्री अंबरीश कुमार, अपर जिलाधिकारी श्रीमती गरिमा सिंह, एडीएम न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, डीएफओ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पालिका पर करोड़ो के मंडी घोटाले का आरोप

पूर्व चेयरमैन ने डीएम को भेजा पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष कालू उर्फ राकेश बंसल ने वर्तमान पालिका प्रशासन पर भू-माफियाओं के साथ मिलकर पुरानी सब्जी मंडी की बेशकीमती जमीन को खुर्द-बुर्द करने का गंभीर आरोप लगाया है। जिलाधिकारी को भेजे पत्र में श्री बंसल ने दावा किया कि रहरा रोड स्थित पुरानी सब्जी मंडी, जहाँ लगभग 50 वर्षों से कारोबार चल रहा है। उसे हड़पने के लिए 50 करोड़ रुपये का बड़ा षड़यंत्र रचा जा रहा है। पूर्व चेयरमैन का आरोप है कि वर्तमान अध्यक्ष ने अधिशासी अधिकारी के साथ साठगांठ कर कोर्ट में कूटरचित दस्तावेज पेश किए हैं। आरोप है कि यह जमीन गुपचुप तरीके से अध्यक्ष के करीबियों भांजे, भतीजे, साले और घरेलू नौकरों के नाम आवंटित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने डीएम से इस करोड़ों के भूमि घोटाले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।

भानपुर रेलवे फाटक के पास हुई घटना

आसपास खतों में काम कर रहे किसानों ने घटना की सूचना 112 डायल को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

जानकारी के अनुसार हाइवे स्थित

राधा स्वामी सत्संग के पीछे युवक रेलवे लाइन के किनारे मृतावस्था में पड़ा हुआ था। देखने में ऐसा लग रहा था कि जैसे वह ट्रेन की चपेट में आया हो। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने घटना की सूचना 112 डॉयल को दी, वहीं गेटमेन की सूचना पर आरपीएफ भी मौके पर आ पहुंची। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। क्षेत्र सिविल पुलिस के दायरे में होने के कारण सिविल पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मृतक के दायें हाथ पर अर्जुन लिखा हुआ है। शरीर पर नीली शर्ट और काली पैंट पहनीं हैं। आरपीएफ ने शव को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया है, जबकि शिनाख्त के प्रयास भी जारी हैं।

एक नजर

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डिडौली थाना रजबपुर क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर निवासी किसान विजय सिंह बुधवार शाम बैंक से घर लौट रहे थे। जब वह रजबपुर बाईपास स्थित छोटी पुलिया के पास बिजलीघर जाने वाले मार्ग पर पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में विजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।सूचना मिलने पर स्वजन मौके पर पहुंचे और घायल किसान को उपचार के लिए चौधरपुर गांव स्थित जीवन 24 अस्पताल में भर्ती कराया।वह जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और आईसीयू में उपचार चल रहा है।

खेत जोतने के विवाद में किसान को पीटा

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डिडौली थाना क्षेत्र के गांव हसनपुर कलां में खेत जोतने को लेकर हुए विवाद में एक किसान को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया। पीड़ित ने आरोपित के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है।गांव निवासी गंगासरन पुत्र शिवलाल का आरोप है कि वह गांव के ही सुदर्शन की जमीन चौथाई पर बोते हैं। बुधवार शाम वह खेत पर मौजूद थे। इसी दौरान सुदर्शन का भाई करतार सिंह वहां पहुंच गया और खेत न जोतने देने की बात कहने लगा। विरोध करने पर आरोपित ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में गंगासरन लहूलुहान हो गए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया।पीड़ित थाने पहुंचा और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जोया सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जातिसूचक गालियां देकर खिलाड़ी का बल्ला तोड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। खेल का मैदान उस वक्त जंग के अखाड़े में तब्दील हो गया जब मामूली बात पर दर्जनों ने मर्यादा की सारी हदें पार कर दीं। मामला हसनपुर कोतवाली क्षेत्र का है, जहाँ शिवकरौली मिलकर के रहने वाले शिवम वाल्मीकि के साथ मैच खेलकर लौटते वक्त हुआ है। शिवम का आरोप है कि जब वह गांव मंगरौली घेर से मैच खेलकर घर लौट रहा था। तभी रास्ते में घात लगाए बैठे कई दर्जनों ने उसे रोक लिया। दर्जनों ने न सिर्फ शिवम का कीमती बल्ला छीनकर उसे तोड़ डाला। बल्कि उसे जातिसूचक भद्दी गालियाँ देकर अपमानित भी किया। आरोपियों ने शिवम के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लहूलुहान हालत में पीड़ित ने थाने पहुँचकर पुलिस से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। क्या अब क्रिकेट के मैदान पर भी जातिवाद का जहर घुलेगा। पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है।

दस रूपये अधिक लेने पर शराब दुकान पर हंगामा

लाठी-डंडे व पथराव, कई चोटिल

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। थाना क्षेत्र के गांव लाडनपुर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर बुधवार शाम मामूली कहा. सुनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। शराब के दाम को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव होने लगा। अचानक हुए बवाल से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव मोहदीनपुर निवासी सोमदत्त शर्मा गांव लाडनपुर में स्थित कंपोजिट अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन हैं। आरोप है कि बुधवार शाम बिजनौर जनपद के कुछ युवक दुकान पर पहुंचे और रॉयल स्टैग शराब का हाफ मांगा। दुकानदार द्वारा 360 रूपये कीमत बताने पर युवक 350 रूपये देने की बात कहने लगे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो आरोप है कि दबंग युवकों ने लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला बोल दिया। दुकान के बाहर जमकर पथराव हुआ, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। लोग जान बचाकर इधर-उधर भागते नजर आए।

तूफान में दो मंजिला मकान भरभराकर गिरा

युवक घायल, हजारों का नुकसान

शाह टाइम्स ब्यूरो

जोया। डिडौली थाना क्षेत्र के हटव्वा गांव में बुधवार देर रात आए तेज तूफान और बारिश के दौरान दूसरी मंजिल पर बना मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में एक युवक मामूली रूप से घायल हो गयाह जबकि नीचे बंधे मवेशी बाल-बाल बच गए। मकान गिरने से नीचे बने मकान में भी दरारें पड़ गईं।

गांव निवासी किसान बब्बन ने दूसरी मंजिल पर टीन शेड डालकर कमरा बना रखा था। बुधवार रात उनके दोनों बेटे मुहम्मद कैफ और मुहम्मद सुहेल ऊपर सो रहे थे। बारिश शुरू होने पर दोनों कमरे के अंदर चले गए। कुछ देर बाद तेज तूफान के चलते टीन शेड, दो सोलर पैनल हवा में उड़ गए और दीवार अचानक भरभराकर गिर गई।नीचे बरामदे में सो रहे बब्बन और उनकी पत्नी खैरूल निशा को आंगन में ईंटें गिरने की आवाज सुनाई दी। ऊपर मौजूद दोनों बेटों ने शोर मचायाह जिसके बाद परिवार के लोग बाहर निकले। हादसे में मुहम्मद सुहेल मामूली रूप से घायल हो गया।स्वजनों ने उसे निजी

चिकित्सक के यहां भर्ती कराकर उपचार कराया।मकान गिरने से चारपाई, करीब दो कुंतल सरसों, दो सोलर पैनल और खाद की एक बोरी मलबे में दब गई। वहीं नीचे बने मकान की दीवारों में भी दरारें आ गईं।गृहस्वामी बब्बन ने तूफान से करीब 26 हजार रुपये का नुकसान होने की बात कही है।

रजिस्ट्री दफ्तर के बाहर वकील पर जानलेवा हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। तहसील परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब दिनदहाड़े एक अधिवक्ता पर जानलेवा हमला कर उनकी जेब से रुपये भी निकाल लिए गये।

गुरुवार की दोपहर अधिवक्ता सरफराज अली पुत्र गफूर खान निवासी ग्राम जयतोली थाना रहरा ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 14 मई को दोपहर करीब 12:30 बजे, जब वे अपनी पत्नी के साथ रजिस्ट्री दफ्तर से काम निपटाकर दवा लेने जा रहे थे। तभी पीछे से आयी स्कूटी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। विरोध करने पर हमलावरों ने लोहे की रॉड से उन पर जानलेवा प्रहार किया। और उनकी जेब से करीब 7500 रुपये जबरन निकाल लिए गये। बीच-बचाव करने आई अधिवक्ता की पत्नी के साथ भी अभद्रता की गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह पीड़ित को बचाया। जिसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इस घटना के बाद स्थानीय बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और साथी वकीलों में रोष फैल गया। अधिवक्ता एकत्रित होकर कोतवाली पहुंच गये। अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। इस अवसर पर बार अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह, महासचिव बब्बू किशोर, मंगल सेन शर्मा, वीर सिंह, शेर सिंह बढ़ाना, सुरेश चंद सैनी, विजय पाल सिंह, अनुप सिंह, संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

योग और आध्यात्म के बल पर भारत फिर बनेगा विश्वगुरु

वेंक्टेश्वरा संस्थान में योग के महत्व पर कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। श्री वेंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के संस्थापक सुधीर गिरि ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और योग व आध्यात्म के बल पर भारत फिर से दुनिया का सिरमौर बन सकता है।

सामुदायिक चिकित्सा विभाग एवं मनोरोग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योगा फॉर मेंटल एंड फिजिकल वेल बीइंग विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारंभ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुल. पति प्रो. कृष्णकांत दवे ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और योग व आध्यात्म के बल पर भारत फिर से दुनिया का सिरमौर बन सकता है। वहीं डॉ. राजीव त्यागी ने योग को भारत की प्राचीन विरासत बताते हुए स्वस्थ भारत-आरोग्य भारत के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका बताई। इस अवसर पर डा. रामकृष्णन, डा. विवेक, डा. कीर्ति कंवर, डा. उदित, डा. गजल गुप्ता, आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी को देश विरोधी बताने पर भड़की महिलाएं

सपा सांसद अजेन्द्र का पुतला किया दहन

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता एवं सांसद अजेंद्र सिंह लोधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में गुरुवार को नारी शक्ति संगठन की महिलाओं ने प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर सपा सांसद का पुतला फूंककर नाराजगी जताई और जमकर नारेबाजी की। महिलाओं का कहना था कि देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सांसद ने प्रधानमंत्री को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे महिलाओं में आक्रोश है। महिलाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं। ऐसे में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना उचित नहीं है।

प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक दलों और जनप्रति. निधियों से मर्यादित भाषा के प्रयोग की अपील करते हुए संबंधित नेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान विनीता सैनी, आशु अग्रवाल, अर्चना औलख, आशा आर्य, कमलेश सैनी, सीमा राजदा, उषा शर्मा, मिथिलेश, रेखा बाढ़, कंचन, गोमती, पारुल, सीमा चौधरी, तनुश्री गुप्ता, मीनू गुप्ता समेत अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

ग्रामीणों ने किया सिबौरा बिजलीघर पर हंगामा

आपूर्ति बंद होने पर भड़का गुस्सा

शाह टाइम्स ब्यूरो

जोया। डिडौली क्षेत्र में लगातार आंधी और तूफान के चलते सिबौरा बिजली घर की विद्युत आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो गई। बुधवार को क्षेत्र में केवल तीन से चार घंटे ही बिजली आपूर्ति हो सकी थी। वहीं देर रात आए तेज आंधी-तूफान के कारण गुरुवार को भी डिडौली फीडर की सप्लाई ठप रही।

गुरुवार सुबह क्षेत्र के लोगों को जानकारी मिली कि सिबौरा बिजली घर से अन्य फीडरों पर बिजली आपूर्ति दी जा रही है, जबकि डिडौली फीडर बंद पड़ा है। इससे लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के प्रदेश सचिव ठाकुर पोपाल सिंह के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक लोग सिबौरा बिजली घर पहुंच गए। वहां डिडौली फीडर की आपूर्ति बंद मिलने पर लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। काफी देर तक चले हंगामे के बाद विभागीय कर्मचारियों ने आपूर्ति बहाल कराई, जिसके बाद प्रदर्शनकारी शांत होकर वापस लौट गए। प्रदर्शन में ठाकुर पोपाल सिंह, सतपाल सिंह चौहान, महेश ठाकुर, नन्हे सिंह पाल, कपिल पाल, कुलदीप सिंह, पंकज शर्मा, सचिन शर्मा, सनी ठाकुर, मंगला सिंह, अतुल कुमार, अंकुर शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पेंटून पुल टूटा, नहर में गिरी ट्रैक्टर ट्राली

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। कई गांवों को जोड़ने वाले पेंटून पुल पर ओवरलोड ट्रैक्टर

चालक ने कूदकर बचाई अपनी जान

ट्राली निकालते समय पुल टूट गया और ट्रैक्टर ट्राली नहर में डूब गई। चालक ने समय रहते कूदकर जान बचाई। गुरुवार की सुबह गांवों के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। वहीं सिंचाई विभाग के उपखंड अधिकारी व दो जेई मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली।

बता दें कि ब्लॉक क्षेत्र के गांव अलीनगर से दारानगर, मंदिर वाली भुड्डी, टोकोवाली आदि गांवों में जाने के लिए नहर पर पेंटून पुल बना है। यहां से गांवों के लोग अपने कृषि वाहन, ट्रैक्टर ट्राली, बाइक आदि निकालकर एक स्थान से दूसरे स्थान जाते हैं। रात करीब 11 बजे एक ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली दारानगर की दिशा से पेंटून पुल पर पहुंची। पुल का एक पीपा तो पार कर लिया मगर दूसरे पीपे पर पहुंचते ही ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली के वजन से पुल टूट गया और पीपे के साथ साथ ट्रैक्टर ट्राली भी नहर में बह गई। गुरुवार की सुबह गांवों के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। मौके पर पहुंचे सिंचाई विभाग के एसडीओ जयंती प्रसाद सुमन ने ग्रामीणों से बातचीत की। लोगों ने बताया कि वह ओवरलोड वाहन अवैध रेत के खनन का था।

हादसे में किसान संघ के पांच कार्यकर्ता घायल

हालचाल लेने पहुंचे हसनपुर व धनौरा विधायक

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। तिगरी से किसी परिचित के अंतिम संस्कार से लौटते समय भाजपा किसान संघ के कार्यकर्ताओं की कार को बोलेरो कार ने साइड मार दी, जिससे कार पलट गयी और किसान संघ के पांच कार्यकर्ता घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहाँ से उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर भेज दिया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी और धनौरा विधायक राजीव तरारा भी मौके पर सीएचसी पहुँच गए और घायलों का हाल चाल

जाना। गुरूवार की दोपहर में तिगरी गंगा से किसी परिचित के अंतिम संस्कार में शामिल होकर भारतीय किसान संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, चंद्रप्रकाश शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, महिपाल सिंह व चंद्रपाल सैनी कार से वापस हसनपुर क्षेत्र में लौट रहे थे। जब इनकी कार कुमराला गांव में पहुंची तो बोलेरो कार ने टक्कर मार दी। बोलेरो की टक्कर से कार पलट गई और किसान संघ के कार्यकर्ता घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से कार को सीधा कराके एंबुलैंस द्वारा सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी और धनौरा विधायक राजीव तरारा भी मौके पर सीएचसी पहुँच गए। वहीं चिकित्सक ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार करके बेहतर उपचार हेतु हॉयर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

आंधी ने त्रिवेणी मिल में मचाई जमकर तबाही

लाखों के नुकसान का अंदेशा

शाह टाइम्स ब्यूरो

रहरा। बुधवार रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने जनजीवन के साथ चीनी मिल को भी भारी नुकसान पहुंचाया। त्रिवेणी चीनी मिल, चंदनपुर में तूफान के कारण बड़े स्तर पर क्षति हुई। तेज हवाओं के चलते मिल परिसर में लगे कई बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे बिजली व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई। तूफान के दौरान चीनी गोदाम, मिल हाउस, बॉयलिंग हाउस और पावर हाउस की टीन शेड तेज हवा में उड़ गईं। कई टीन शेड दूर जाकर गिरीं, जबकि कुछ का अब तक पता नहीं चल सका है। हादसे के बाद मिल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आंधी के कारण क्षेत्र में जगह-जगह पेड़ गिर गए और बिजली गुल होने से लोगों को रातभर परेशानियों का सामना करना पड़ा। चीनी मिल प्रशासन के मुताबिक तूफान से मिल को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। कर्मचारियों की मदद से क्षतिग्रस्त हिस्सों को दुरुस्त कराने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

द आर्यन्स में छात्र परिषद का गठन

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डिडौली क्षेत्र स्थित द आर्यन्स स्कूल, जोया में गुरुवार को छात्र परिषद गठन के लिए भव्य अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। समारोह में कक्षा 12 के छात्र अर्पित सिद्ध को हेड बॉय तथा गुनिका सिंह को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। वहीं श्रेयांश उप्पल को वॉइस हेड बॉय और अशिका चौधरी को वाइस हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी गई। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने कहा कि छात्र परिषद विद्यालय और विद्यार्थियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निष्ठा, ईमानदारी और टीम भावना के साथ अपने दायित्व निभाने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिट्ट, गौरव चौधरी, ध्रुवव चौधरी सहित शिक्षकगण मौजूद रहे।

प्रबंध समिति ने बढ़ाया मेधावियों का उत्साह

कारमेल पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। नगर के कारमेल पब्लिक स्कूल में सीबीएसई परीक्षा के परिणामों में इण्टरमीडिएट के छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार प्रदर्शन करने पर प्रबंध समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

बता दें कि कारमेल की छात्रा सलोनी चाहल ने 97.2% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया तथा जिले की मेरिट सूची में चौथा स्थान प्राप्त किया। मानवी चौधरी ने 92.8%, सुमित ने 91.6%, जिया ने 90.6% और अंशिका ने 90.40 % अंक प्राप्त किए। सभी मेधावी विद्यार्थियों को प्रबंधक बिक्रम सिंह चौहान द्वारा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। प्रबंधक ने कहा कि छात्र-छात्राओं ने कठिन परिश्रम करके सफलता का कीर्तिमान रचा है। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और अभिभावकों ने भी बच्चों के इस प्रयास में पूर्ण सहयोग दिया है, जिसके लिये वे बधाई के पात्र हैं। प्रधानाचार्य सुधांशु शर्मा ने कहा कि, हमारे विद्यालय के बच्चों ने कठिन परिश्रम से बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह

से निरंतरता बनाएं रखें और भविष्य में भी सफलता अर्जित करें। उप-प्रधानाचार्य आरपी सिंह ने कहा कि शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन में बच्चों की लगन और मेहनत का ही परिणाम है कि आज कारमेल स्कूल ने सफलता का कीर्तिमान गढ़ा है। इस मौके पर अनीता भटनागर, पूजा सैनी, धनवंत सिंह, सत्यपाल सिंह, संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

मेहनत, अनुशासन व आत्मविश्वास सफलता की कुंजी

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। नागपाल इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम आयोजित करके इण्टरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट

नागपाल स्कूल में मेधावी बच्चों को किया सम्मानित

प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को चेयरपर्सन अंशु नागपाल ने सम्मानित किया और उनके प्रयास की सराहना की।

चेयरपर्सन अंशु नागपाल ने कहा कि सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। छात्रा अर्चिता अग्रवाल ने 96.40% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि प्रिया त्यागी ने 94.80% अंक प्राप्त कर द्वितीय, मिनि कांत (92.60%) ने तृतीय, हृदयांश (91%) ने चतुर्थ एवं शिवानी कुमारी (87%) ने पंचम स्थान प्राप्त करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं आत्मविश्वास ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। पूर्व सांसद देवेंद्र नागपाल, निदेशक समीर नागपाल व प्रधानाचार्या निशि सिंह ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनकी मेहनत, समर्पण एवं उपलब्धियों की सराहना की।

बेटी की ससुराल में बाप को पीटा

हसनपुर। बेटी की ससुराल आये बाप को लाठी डंडों से पीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया है। थाना सैदनगली के गांव कनैटा में बीते दिन डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव पायती कला निवासी मोहम्मद इकबाल अपनी बेटी अफसाना के घर उससे मिलने आये थे। बताया जा रहा है कि वहां मामूली कहासुनी होने पर बेटी के ससुराल पक्ष के लोगों ने तैश में आकर इकबाल के सिर पर डंडे से वार कर दिया। सिर फटने के कारण इकबाल गंभीर रूप से घायल हो गये। लहूलुहान हालत में उन्होंने थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई और पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि पीड़ित को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है और तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

सम्बन्ध-विच्छेद

शाह आलम पुत्र भुरा निवासी ग्राम नीलीखेड़ी थाना डिडौली जिला अमरोहा अपने पुत्र अरमान पुत्र शाह आलम गलत संगत के कारण अपने अपना संपत्ति से पूरे परिवार के साथ संबंध विच्छेद करता है, भविष्य में जो भी गलत कृत्य करेगा उसकी जिम्मेदारी खुद की होगी। मेरा व मेरे परिवार का उससे कोई तात्ल्लुक नहीं है।
9891101869

आवश्यकता है

सरदार बेगम मेमोरियल पीजी कॉलेज, हसनपुर

में प्राचार्य की

योग्यता- नेट पीएचडी
15 वर्ष का डिग्री कॉलेज में एप्रूवल के बाद का एक्सपीरियंस
3 बी०एड० प्रवक्ता हेतु
योग्यता- नेट या पीएचडी, बीएड, एम एड।
अकाउंटेंट की भी आवश्यकता है
मोबाइल- 9690680007

तेज गति से दौड़ रहा ट्रक मकान में घुसा, दो घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नौगांवा सादात। थाना क्षेत्र में बिजनौर-मुरादाबाद रोड पर बुधवार शाम रफ्तार तेज होने से अनियंत्रित हुआ ट्रक सड़क किनारे बने एक मकान से जा घुसा। गनीमत रही कि कोई चपेट में नहीं आया।टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का कॉबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक चालक और परिचालक कॉबिन में फंस गए और दोनों गंभीर घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची ग्रामीणों की मदद से राहत कार्य शुरू किया। ट्रैक्टर की मदद से कॉबिन में फंसे चालक-परिचालक को बाहर निकाला गया। उपचार के लिए दोनों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने नूरपुर की ओर से आ रहे ट्रक की रफ्तार तेज थी। क्षेत्र के गांव आलमपुरी से गुजरते में वह अनियंत्रित हो गया। इसके बाद मकान में जा घुसा। गनीमत रही कि उस वक्त कोई अन्य वाहन ट्रक के सामने नहीं आया, अन्यथा हादसा बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे में घायल चालक और परिचालक पंजाब के निवासी हैं। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से दोनों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां से चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। इससे पहले क्षतिग्रस्त कॉबिन से दोनों को निकालने में पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

सपा सांसद पर भड़का महिलाओं का आक्रोश

■ प्रधानमंत्री के प्रति की गई टिप्पणी के विरोध में किया जोरदार प्रदर्शन
■ सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी की सदस्यता रद्द किए जाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। कलेक्ट्रेट परिसर में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा समाजवादी पार्टी के सांसद के प्रधानमंत्री के प्रति की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने डीएम कार्यालय के बाहर एकत्र होकर "प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान" जैसे नारों के साथ अपना आक्रोश व्यक्त किया।

इस अवसर पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की आधी आबादी के सम्मान और सुरक्षा के प्रतीक हैं। उनके विरुद्ध इस प्रकार की अमर्यादित भाषा समाजवादी पार्टी की संकीर्ण एवं ओछी मानसि. कता को प्रदर्शित करती है।भाजपा जिला उपाध्यक्ष रेखा सिंह परिहार ने कहा कि सपा सांसद द्वारा प्रयोग की गई अशोभनीय भाषा अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस मामले पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुप्पी भी उनकी मानसिकता को उजागर करती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सांसद द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी गई तो विरोध प्रदर्शन प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी किया जाएगा।जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाली समाजवादी पार्टी का महिला विरोधी चरित्र एक बार फिर सामने आया है। नगर पालिका परिषद पीलीभीत की चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व युद्ध जैसे हालातों से जूझ रहा है, तब भारत में शांति और स्थिरता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता का परिणाम है। ऐसे में उनके विरुद्ध की गई अमर्यादित टिप्पणी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रेखा सिंह परिहार, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर, नगर पालिका परिषद पीलीभीत चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता देवी वर्मा, जिला मंत्री ऋचा सिंह पटेल, पंकजा तिवारी, डॉ. अनुरीता सक्सेना, रजनी वर्मा, पुष्पा उपाध्याय, अनीता जोशी, स्वाति यादव, जसवीर कौर, प्रेमलता गौतम, रत्ना शुक्ला, सुनीता सिंह एवं ममता श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला शक्ति उपस्थित रहीं।

खेत पर दबंगई का आरोप एसडीएम से कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने तहसील क्षेत्र के एक किसान की जमीन पर दबंगई और कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि पीड़ित किसान को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन किया जाएगा।

भाकियू (भानु) के पदाधिकारियों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम उधनिया निवासी एक किसान अपनी कृषि भूमि पर खेती करता है। आरोप है कि गांव के ही कुछ दबंग लोग किसान की जमीन पर जबरन रास्ता निकालने का प्रयास कर रहे हैं। किसान द्वारा विरोध करने पर आरोपी अभद्रता करते हैं और जान से मारने की धमकी भी देते हैं।ज्ञापन में कहा गया है कि पीड़ित किसान ने कई बार स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। संगठन का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद दबंग लगातार जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे किसान और उसका परिवार भय के माहौल में जीवन यापन कर रहा है। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारियों ने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। साथ ही किसान की भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास को रोकने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई गई। जिसमें एसडीएम पूरनपुर ने पांच दिन का टाइम दिया है तो वहीं संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दिए गए टाइम्स के भीतर प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन पर मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा आदि मौजूद रहे।

एक नजर

गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा में गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल, मोहनपुर जपती, पूरनपुर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया इतिहास रच दिया । विद्यालय का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। परिणाम घोषित होते ही विध्यालय परिसर में खुशी का माहौल बन गया।

विद्यालय की छात्रा नूर सभा ने जीवविज्ञान में 99 अंक लाकर, 90 प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान, सतवीर सिंह ने 87% द्वितीय स्थान, राधिका 85.4% तृतीय स्थान, सुहानी शर्मा 83%, अनन्या 81%, जसदीप कौर 80.4% अंक प्राप्त कर विध्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्रबंधिका राजपाल कौर ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत अनुशासन और शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। स्कूल के प्रधानाचार्य संजीव कुमार कुशवाहा ने बताया कि विज्ञान और कॉमर्स वर्ग के शिक्षकों के अथक परिश्रम और नियमित मार्गदर्शन ने विध्यार्थियों को सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय प्रबंधक बलराज सिंह, एमडीभूपिंदर सिंह बाजवा, एमडी एकेडमिक डायरेक्टर हरमन भंगू ने विध्यार्थियों अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

रास्ता रोकने के विवाद में दबंगों ने युवकों को पीटा, जान से मारने की धमकी दी

शाह टाइम्स संवाददाता

उघैती/बदायू। थाना उघैती क्षेत्र के अंतर्गत उघैती कस्बे में रास्ता रोकने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने कुछ युवकों के साथ लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से मारपीट की। हमले में कई युवकों को गंभीर चोटें आई हैं।

शिकायत पत्र के अनुसार, घटना 14 मई 2026 की दोपहर करीब 2:35 बजे की है। पीड़ित पक्ष के युवक वॉलीबॉल खेलकर अपनी दो मोटरसाइकिलों से वापस अपने गाँव जा रहे थे। जैसे ही वे उघैती में खन्ना की दुकान के पास वाली गली में पहुँचे, वहाँ महानुगर निवासी अंकित ने अपनी मोटरसाइकिल बीच रास्ते में खड़ी कर रखी थी। जब पीड़ितों ने रास्ता खाली करने को कहा, तो आरोपी अंकित गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि इसके बाद उसने अपने गाँव से सुदीप (पुत्र अशोक) को फोन करके बुला लिया। सुदीप अपनी गाड़ी (नंबर न्च24ठम्7597) में जुगेन्द्र, अंकित, रुपेन्द्र और सचिन उर्फ चेन्नई के साथ मौके पर पहुँचा। ये सभी हमलावर अपने साथ लाठी-डंडे और लोहे की रॉड लेकर आए थे। हमलावरों ने प्रार्थी यश (पुत्र चरणसिंह), अंशुल (पुत्र भूरेसिंह) और आकाश (पुत्र दिलीप सिंह) के साथ जमकर मारपीट की, जिससे उनके सिर, हाथ और पूरे शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर भीड़ जमा होने के बाद हमलावर पीड़ितों को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ितों ने थाना प्रभारी निरीक्षक, उघैती को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महा मातेश्वरी मंदिर मार्ग का निर्माण पूर्ण

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। नगर पालिका परिषद द्वारा कराए गए सड़क निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद वार्ड नम्बर 7 की निरंजन कुंज कॉलोनी में भागीरथी जोशी के मकान से महा मातेश्वरी मंदिर तक बनी नई सड़क का लोकार्पण नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने शिलापट्ट का अनावरण करके किया।

पालि. काध्यक्ष डा. आस्था अग्रवाल ने किया लोकार्पण

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य के लिए नगर पालिका का आभार व्यक्त किया। पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। इस अवसर पर कुमकुम अग्रवाल, अनिता जोशी, सभासद सुनीता सिंह, साकेत सक्सेना, वतनदीप मिश्रा, पंकज तिवारी, निर्मल सिंह, विपिन गंगवार, अवतार सिंह, शिवम श्रीवास्तव, मोहन स्वरूप, जगन्नाथ लोधी, राजेंद्र भारती, सुरेश लोधी, नरेंद्र तिवारी, चेतन गंगवार, राशिद हुसैन सहित क्षेत्र के अनेक लोग मौजूद रहे।

खनन माफिया और विभाग की सांठगांठ: फर्जी परमिशन के दम पर जारी है अवैध मिट्टी खनन

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। कुंवरगांव थाना क्षेत्र में इन दिनों अवैध खनन का कारोबार चरम पर है, जिसमें खनन विभाग के निजी कर्मचारी (प्राइवेट बाबू) और स्थानीय पुलिस के कुछ कर्मियों की कथित मिलीभगत सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार, कुंवरगांव थाना क्षेत्र में खनन विभाग के एक बाबू और उनके द्वारा तैनात एक प्राइवेट युवक मिलकर फर्जी परमिशन के जरिए खनन माफियाओं से मोटी रकम वसूल रहे हैं। इसके बदले में माफिया बेखौफ होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से धड़ल्ले से मिट्टी बेच रहे हैं।

प्रशासन के सख्त निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुए कुंवरगांव थाना क्षेत्र के चकोलर, बादल, औरंगाबाद खालसा, इमलिया, कैली, बनेई, और कसेर सहित दर्जनों गांवों में रात-दिन मिट्टी का अवैध खनन जारी है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि खनन विभाग और पुलिस अधिकारियों की सांठगांठ के चलते माफिया धरती का सीना छलनी कर रहे हैं। सूत्रों की जानकारी के अनुसार, खनन विभाग के ऑफिस में तैनात प्राइवेट बाबू द्वारा खनन माफियाओं की बात सीधे अधिकारियों से कराई जाती है। सूत्रों का दावा है कि ऑफिस में एक अन्य प्राइवेट युवक ऑनलाइन के नाम पर माफियाओं से फर्जी दस्तावेज लेकर अवैध परमिशन जारी कर रहा है। कथित परमिशन की एवज में बाबू प्रति परमिशन 3 से 4 हजार रुपए वसूलता है।वहीं, स्थानीय पुलिस भी पीछे नहीं है। थाने का ड्राइवर और एक सिपाही खनन माफियाओं से श्गुरु दक्षिणाश लेकर क्षेत्र में अवैध मिट्टी के कारोबार को निर्बाध चलने की अनुमति देते हैं। अंधाधुंध खनन से न केवल सरकारी राजस्व को चपत लग रही है, बल्कि कृषि योग्य भूमि और पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। भारी भरकम ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर के चलने से गांव की सड़कें टूट चुकी हैं और हादसों का डर बना रहता है। स्थानीय लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जब भी इस अवैध धंधे के खिलाफ आवाज उठाई जाती है, माफिया अपने रसूख का डर दिखाकर चुप करा देते हैं। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेते हुए दोषी अधिकारी, कर्मचारी और पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर यह श्लेन-देनश बंद नहीं हुआ, तो क्षेत्र में उपजाऊ जमीनें बंजर हो जाएंगी। मौके पर की जा रही खनन वाली जमीन (खेत) खतौनी में किसके नाम है? क्या किसान ने स्वयं की भूमि और भराव करने के लिए आवेदन किया है? (मिट्टी कहां पड़ रही है?): परमिशन में निर्धारित स्थान पर ही मिट्टी डाली जा रही है या उसे व्यावसायिक रूप से बेचा जा रहा है? यदि तहसील प्रशासन के द्वारा जांच होती है तो बाबू और खनन अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाएंगे।

फर्जी परमिशन की आड़ में 'मिट्टी का काला खेल': खनन माफिया और विभाग की सांठगांठ का बड़ा खुलासा

आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली सबको के घेरे में, लगे गंभीर आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि विभाग के अधिकारी पूरी तरह से एक बड़े शराब सिंडिकेट के संरक्षण में काम कर रहे हैं और नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ताजा मामला विभाग द्वारा की जाने वाली छापेमारी में एक निजी व्यक्ति की संलिप्तता शामिल है, जिसने सरक. ारी तंत्र की साख पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। हैरानी की बात यह है कि आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ की जाने वाली छापेमारी में विभाग के इंस्पेक्टर और सिपाहियों के साथ एक निजी शराब कारोबारी का एजेंट, सक्रिय रूप से शामिल रहता है।

सूत्रों के अनुसार, एजेंट लंबे समय से आबकारी टीम का हिस्सा बनकर दबिश दे रहा है। हद तो तब हो गई जब विभाग के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से छापेमारी की कुछ तस्वीरें साझा की गईं, जिनमें यह निजी एजेंट विभागीय टीम के साथ खड़ा साफ नजर आ रहा है। सिर्फ जिला स्तर ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा कच्ची शराब के खिलाफ की गई संयुक्त कार्रवाई के दौरान भी यह व्यक्ति टीम के साथ मौजूद था। अब सवाल यह उठता है कि आखिर किस हैसियत से एक निजी व्यक्ति सरकारी गाड़ियों में घूम रहा है और पुलिस व आबकारी की दबिश का हिस्सा बन रहा है? क्या यह व्यक्ति शराब कारोबारियों को डराने या बड़े सिंडिकेट का वर्चस्व कायम करने की सोची-समझी रणनीति है?जब इस गंभीर मामले पर जिला आबकारी अधिकारी कल्पनाथ रजक से बात की गई, तो उन्होंने फिलहाल पल्ला झाड़ते हुए कहा कि षकिसी भी प्राइवेट व्यक्ति को दबिश में शामिल होने की अनुमति नहीं है।ष हालांकि, सोशल मीडिया पर मौजूद सबूतों के बाद उन्होंने मामले की जांच कराने की बात कही है।

संसाधनों के अभाव में किसी भी बच्चें की पढ़ाई प्रभावित न हो: एसडीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। संविलित विद्यालय हत्सा में एक भव्य बैग तथा स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल बैग पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी साईं आश्रित शाख मुरी ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। विद्यालय की मेधावी छात्रा तोयस्का, सुहानी एवं सृष्टि ने अत्यंत सुमधुर कंठ से मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। एसडीएम साईं आश्रित शाख मुरी द्वारा कक्षा 1 से 5 तक के सभी छात्र-छात्राओं को नए स्कूल बैग और आवश्यक स्टेशनरी किट प्रदान की। उन्होंने आय आधारित छात्रवृत्ति योग्यता परीक्षा में उत्तीर्ण छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया। उपजिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा ही जीवन का असली आधार है। संसाधनों के अभाव में किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इस दौरान शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मधुकर उपाध्याय तथा ब्लॉक मंत्री अनुज कुमार शर्मा तथा समाजसेवी सत्यनारायण शर्मा ने भी बच्चों का मार्गदर्शन किया और विचार व्यक्त किए। इस मौके पर इंचार्ज प्रधानाध्यापिका शिवानी गुप्ता, देवकीनंदन पाठक, देवशरण पाठक, आशा पाठक, ग्राम प्रधान राम बाबू एवं रामादेवी, एआरपी रानी, एआरपी मचिन मिश्रा, शिक्षक संकुल अजीत सिंह, शीतल सक्सेना, राहुल वार्ष्णेय, दिनेश चंद्र, विशाल तिवारी, डौली शर्मा, गौरव कुमार, शीतल, योगिता सक्सेना, ममता रानी , एसएमसी अध्यक्ष मुकेश आदि मौजूद रहे।

आवासीय क्षेत्र में अवैध बेकरी संचालन से दहशत

शाह टाइम्स संवाददाता

दीवारें चटकने और प्रदूषण से नागरिक परेशान

बीसलपुर। नगर के मोहल्ला गयासपुर में घनी आबादी के बीच संचालित एक बेकरी स्थानीय निवासियों के लिए जी का जंजाल बन गई है। बेकरी की भट्टी से निकलने वाली भीषण गर्मी और हाईस्पीड जनरेटर के शोर व धुएं से त्रस्त मोहल्ला वासियों ने उपजिला मजिस्ट्रेट (SDM) को प्रार्थना पत्र सौंपकर बेकरी को हटवाने की गुहार लगाई है। गर्मी से दीवारों का सीमेंट जला, जनरेटर से मकानों में कंपन प्रार्थी नासिर और शाकिर ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उनके घर के सामने स्थित एक प्लॉट में जुल्फिकार नामक व्यक्ति ने रहीस व अन्य को बेकरी चलाने के लिए जगह किराए पर दे रखी है। यहां लगाई गई विशाल भट्टी से निकलने वाली गर्मी इतनी तीव्र है कि पड़ोसी नासिर के घर की दीवार का सीमेंट जलकर झड़ गया है और दीवारें कमजोर हो गई हैं। इसके अलावा, बेकरी में लगे खुले हाईस्पीड जनरेटर के कारण आसपास के मकानों में कंपन महसूस किया जाता है। धुएं और शोर के कारण बच्चों का पढ़ाई करना और बुजुर्गों का चौन से रहना दूभर हो गया है।

मानसिक तनाव के चलते युवक ने आत्मदाह किया, इलाज के दौरान मौत

■ हेमपुर गांव में मातमः डीजल छिड़ककर खुद को लगाई थी आग, मेडिकल कॉलेज में तोड़ा दम

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बिलसंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेमपुर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ मानसिक परेशानी से जूझ रहे 21 वर्षीय एक युवक ने आत्मघाती कदम उठाते हुए खुद को आग के हवाले कर दिया। गंभीर रूप से झुलसी अवस्था में उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान हेमपुर निवासी संदीप (21) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि संदीप पिछले काफी समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था, जिसका उपचार भी कराया जा रहा था।

विडंबना यह रही कि घटना से मात्र एक दिन पूर्व मंगलवार को ही परिजन उसे बरेली के एक चिकित्सक को दिखाकर लौटे थे और उसकी दवाइयां भी लेकर आए थे। घटनाक्रम के अनुसार, बुधवार शाम जब परिवार के अन्य सदस्य घर के बाहर बैठे हुए थे, तभी संदीप ने घर के भीतर रखा डीजल अपने ऊपर छिड़क लिया और आग लगा ली। जब तक बाहर बैठे परिजनों को भीतर से उठती आग की लपटों और चीख-पुकार का अहसास हुआ, तब तक संदीप गंभीर रूप से झुलस चुका था। आनन-फानन में परिजन उसे स्थानीय अस्पताल से होते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया, परंतु संदीप का शरीर अत्यधिक प्रतिशत तक झुलस चुका था। तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उसे बचा नहीं सके और इलाज के दौरान ही उसकी मृत्यु हो गई। बेटे की मौत की खबर सुनते ही अस्पताल परिसर में चीख-पुकार मच गई। मृतक की मां अपने लाल के शव से लिपटकर फूट-फूटकर रोती रही, जिसे देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं।

> हेमपुर गांव में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। प्राथमिक जांच में मामला मानसिक तनाव से जुड़ा सामने आया है। पुलिस टीम मामले की विस्तृत जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।
>
> **सद्धांत शर्मा, थानाध्यक्ष बिलसंडा**

परीक्षा देने जा रही छात्रा को टाटा मैजिक ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बीसलपुर-पीलीभीत रोड पर गुरुवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक तेज रफ्तार टाटा मैजिक वाहन ने स्कूटी सवार बीए की छात्रा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि छात्रा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी स्कूटी वाहन के नीचे फंस गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौसरा गांव निवासी दिलीप कुमार की पुत्री दीपांशी बाला देवी रोशन लाल ग्रुप ऑफ हायर एजुकेशन में बीए फाइनल ईयर की छात्रा है। गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपने घर से स्कूटी पर सवार होकर कॉलेज में परीक्षा देने के लिए निकली थी। जैसे ही वह बीसलपुर-पीलीभीत रोड स्थित कॉलेज गेट के पास पहुँची, सामने से आ रहे अनियंत्रित टाटा मैजिक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायल छात्रा को बीसलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही छात्रा के परिजन भी बदहवास हालत में अस्पताल पहुँचे। उधर, सूचना मिलते ही बीसलपुर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुँचकर दुर्घटनाग्रस्त टाटा मैजिक वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। हालांकि, हादसे के बाद चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश की जा रही है। क्षेत्र के लोगों ने स्थानीय प्रशासन से तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की है।

एसडीबी पब्लिक स्कूल सीबीएसई 12 वीं का रिजल्ट, छात्रों का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। सीबीएसई कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही श्री देवरहा बाबा पब्लिक स्कूल में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने विशेष उपलब्धि प्राप्त करते हुए शानदार अंक हासिल किए।

आकांक्षा चौहान ने 95.4% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जिले में भी उल्लेखनीय स्थान हासिल किया। रजत कुमार ने 94% अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि शिवी गुप्ता ने 93.6% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। तथा प्रियांक ठाकुर ने 92.6 % अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। सजल वार्ष्णेय ने 91.4% अंक प्राप्त कर पंचम स्थान प्राप्त किया। प्रकर्ष सोलंकी ने 90.4% अंक प्राप्त कर छठा स्थान प्राप्त किया। अन्य मेधावी विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस उपलब्धि से विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय के शिक्षकों सुजीत सिंह, मनोज चौहान, सपन गुप्ता, एम.पी. सिंह, राजीव सक्सेना, प्रदीप शर्मा, तरुण कुमार सिंह, मृगांक मिश्रा, अमूल शर्मा, धर्म प्रकाश, सईदा बी, प्रिया सिंह, यशपाल परमार आदि ने विद्यार्थियों की सफलता के लिए निरंतर मेहनत और मार्गदर्शन प्रदान किया। शिक्षकों के समर्पण और परिश्रम का ही परिणाम है कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम लगातार उत्कृष्ट रहा है। विद्यालय के निदेशक अखिलेश वार्ष्णेय तथा प्रधानाचार्या मीनू बत्रा ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को इस शानदार सफलता पर बधाई दी तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

■ कब्जे से दो तमंचे और कारतूस बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। पुलिस ने जान से मारने की नीयत से हमला करने के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध हथियार और कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपी को कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम नगरिया फतेहपुर निवासी सुरेंद्र पाल पुत्र सियाराम ने पुलिस को तहरीर दी थी कि अभियुक्तों ने उन्हें घेरकर जान से मारने की नीयत से उन पर हमला किया। इस शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 222/26 के तहत धारा 109/126(2) में मामला दर्ज किया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, बीसलपुर पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने 14 मई 2026 को लगभग 2:32 बजे मंडी समिति बीसलपुर के पास फाटक से घेराबंदी कर जितेन्द्र पुत्र स्व० सुरेश चन्द्र (निवासी ग्राम रमपुरा नौगवां) को गिरफ्तार कर लिया। 24 वर्षीय जितेन्द्र इस हमले का मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। पुलिस ने जब अभियुक्त की तलाशी ली, तो उसके पास से भारी मात्रा में अवैध असलहे बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 02 अदद तमंचे (315 बोर) 01 अदद खोखा कारतूस (315 बोर) 01 अदद जिन्दा कारतूस (315 बोर) 01 अदद मिस कारतूस (315 बोर) बरामद किए हैं। इस बरामदगी के बाद मुकदमे में धारा 61(2) बीएनएस और 3/25/27 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है। सफलतापूर्वक गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप-निरीक्षक विपिन कुमार, हेड कांस्टेबल अशोक कुमार दीक्षित, मुनेश कुमार, कांस्टेबल रवि कुमार और परमजीत शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज में सभागार का भव्य उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। क्षेत्र के सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज,शरह बरौलिया में नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण वृहस्पतिवार को भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। सभागार का उद्घाटन अतुल जी महाराज ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि अतुल जी महाराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह सभागार केवल एक भवन नहीं, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व विकास और उनकी छिपी प्रतिभा को उजागर करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की सुविधा छात्रों को बड़े मंच के लिए तैयार करेगी।

इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक अमित पाठक ने कहा कि सभागार का निर्माण विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा ने कहा सभागार छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों को मंच प्रदान करेगा और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। उन्होंने अतुल जी महाराज का आभार जताते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद संस्था के लिए प्रेरणास्रोत है। उद्घाटन कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबन्धक अमित पाठक,सेवा निवृत्त एडीएम कुलदेव सिंह,ब्लाक प्रमुख सरला दिवाकर,वृजेश शंखधार, सुभाष चौधरी,राकेश कुमार शर्मा,सुमित पाठक,विनीता पाठक, अजय पाराशरी, रामवीर एडवोकेट, श्यामपाल पाठक,प्रदीप चौधरी, सुभाष चोधरी,पुरुषोत्तम टाटा, आलोक पाठक,सिद्ध बाबा धाम के महंत सोहन दास,डॉ सुरेंद्र पाल सिंह, सर्वेश पाठक फौजी, तोपेन्द्र सिंह,ओमवीर शर्मा,महावीर प्रसाद, विद्यालय के शिक्षक, एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संच. ालन रामौतार मौर्य द्वारा किया जाएगा।

बरेली की आंधी बनी आफत

टिनशेड के साथ 50 फिट हवा में उड़ा नन्हे

■ खौफनाक मंजर कैमरे में कैद, वीडियो बनाने वाले युवक ने कहा जिंदगी में ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। भमोरा थाना क्षेत्र के बबियाना गांव में बुधवार को आई तेज आंधी के दौरान हुई एक हैरान कर देने वाली घटना ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया। आंधी के बीच 50 वर्षीय नन्हे अंसारी टिनशेड के साथ हवा में उड़ गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो बनाने वाले गांव के युवक रजान अंसारी ने उस खौफनाक मंजर को अपनी आंखों देखा बताते हुए कहा कि कुछ पल के लिए उन्हें अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं हुआ कि कोई इंसान हवा में उड़ सकता है।

बबियाना गांव निवासी 22 वर्षीय रजान अंसारी ने बताया कि बुधवार शाम अचानक तेज आंधी शुरू हो गई थी। वह अपने घर की छत पर खड़े होकर मौसम का मंजर देख रहे थे। इसी दौरान सामने स्थित एक बरातघर में लगा टिनशेड तेज हवाओं के दबाव से उखड़ने लगा। टिनशेड को बचाने के लिए नन्हे अंसारी रस्सी पकड़कर उसे संभालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन हवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि टिनशेड के साथ वह भी ऊपर उठ गए। रजान ने बताया कि यह दृश्य इतना भयावह था कि आसपास मौजूद लोग चीखने लगे। उन्होंने तुरंत मोबाइल निकालकर वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि नन्हे अंसारी टिनशेड के साथ हवा में काफी ऊंचाई तक चले गए और फिर कुछ दूरी पर जाकर खेत में गिर पड़े। रजान ने कहा कि वह मंजर किसी फिल्मी दृश्य जैसा था, लेकिन हकीकत में उसे देखकर लोग दहशत में आ गए थे। घटना में नन्हे अंसारी के एक हाथ में फ्रैक्चर हो गया, जबकि शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया गया। नन्हे अंसारी ने बताया कि वह गांव के बरातघर में टेंट का सामान लेकर गए थे। इसी दौरान मौसम अचानक खराब हो गया। उन्होंने टिनशेड को उड़ने से रोकने के लिए रस्सी पकड़ ली, लेकिन तेज हवा उन्हें भी अपने साथ उड़ा ले गई।

नन्हे अंसारी ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घटना के बाद से वह बेहद सहमे हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह खौफनाक मंजर अब भी उनकी आंखों के सामने घूम रहा है। गांव में इस घटना की चर्चा जोरों पर है और वायरल वीडियो को देखकर लोग हैरानी जता रहे हैं।

नोएडा में तीसरी मंजिल से गिरकर मीरगंज के युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। थाना क्षेत्र के गांव चुरई दलपतपुर निवासी 25 वर्षीय युवक की नोएडा में काम के दौरान तीसरी मंजिल से गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बुधवार सुबह परिजन शव को गांव लेकर पहुंचे, जहां शाम को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, चुरई दलपतपुर निवासी अजय पुत्र बनवारी नोएडा में शटरिंग का काम करता था। बताया जा रहा है कि काम के दौरान वह अचानक तीसरी मंजिल से सिर के बल नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन नोएडा पहुंचे और आवश्यक औपचारिकताओं के बाद बुधवार सुबह शव को गांव लेकर आए। युवक के शव के घर पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

मृतक अजय अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसके बड़े भाई का नाम तेजपाल और छोटे भाई धर्मेंद्र है। अजय की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।गांव के प्रधान पति गजेंद्र गंगवार ने बताया कि अजय की नोएडा में तीसरी मंजिल से गिरने के कारण मौत हुई है। उन्होंने बताया कि परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को गांव ले आए थे। बुधवार सुबह शव गांव पहुंचा, जिसके बाद शाम को अंतिम संस्कार कर दिया गया।

एक नजर

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। विकासखंड के ग्राम हिमकरपुर चमरौआ स्थित जवाहरलाल इंटर कॉलेज में कक्षा 6 से 12 तक के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर आशुतोष गंगवार रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने के लिए और अपना लक्ष्य कायम करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. अजीत सक्सेना, प्रबंधक ललित मोहन गंगवार, सह प्रबंधक हरिराम गंगवार, कमल गंगवार, वीरेंद्र पाल, खेमेन्द्र सिंह गंगवार, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डा. शरद कांत शर्मा, सेवानिवृत्त शिक्षक मालिक राज गंगवार, नरेंद्र देव गंगवार, केसी गंगवार, देवेश देवल मौजूद रहे।

सीबीएसई बोर्ड इण्टर मीडिएट परीक्षा में ऐनडी एकेडमी ने अपना परचम लहराया

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। सीबीएससी बोर्ड इंटरमीडिएट में इस बार भी ऐन डी एकेडमी शाहपुरा मानपुर ने अपना जलवा कायम रखा । नील चौधरी 93 प्रतिशत अंक कालेज टॉपर बनी,जबकि सोफिया ने 83 प्रतिशत अंक पाकर दूसरा एवं रिंकू गंगवार ने 80 प्रतिशत अंक पाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। अनुराग सिंह ने 80प्रतिशत अंक पाकर चौथा स्थान प्राप्त किया। मोहम्मद जैद ने 75फीसदी अंक लेकर पांचवां स्थान प्राप्त किया।

93 प्रतिशत अंक पाकर नील चौधरी ने कालेज टॉपर बनी

इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधक डाक्टर धर्म सिंह ने होनहार छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। बताते चलें कि ऐन डी एकेडमी का परीक्षाफल पिछले कई वर्षों से लगातार बुलंदियों की ओर अग्रसर है। इसका श्रेय कालेज स्टाफ को जाता। एकेडमी का अनुशासन व शानदार शिक्षण कार्य ही लगातार तरक्की की ओर ले जा रहा है। हाइस्कूल का परीक्षाफल भी शानदार रहा था।

मेड़ विवाद में पेड़ उखाड़कर कब्जा करने का आरोप, बार सचिव ने डीएम से लगाई गुहार

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। तहसील क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया महिपत में खेत की मेड़ को लेकर दो पक्षों में विवाद गहरा गया है। एक किसान ने पड़ोसी किसान पर मेड़ तोड़कर उसके खेत में घुसकर यूकेलिप्टस के पौधे लगाने और पुराने पेड़ों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है।

ग्राम पीतमपुर, मजरा गुलड़िया महिपत निवासी पप्पाल सिंह पुत्र श्री बुहसेन जो वर्तमान में एडवोकेट प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन के सचिव हैं के मुताबिक उसका खेत गांव में स्थित है। खेत की पश्चिमी मेड़ पर पड़ोसी सोमपाल का खेत है। पीड़ित का कहना है कि उसकी मेड़ पर करीब 14 वर्ष पुराने यूकेलिप्टस के पेड़ खड़े थे, जिनमें से एक पेड़ लगभग छह माह पूर्व आंधी में गिर गया था, जिसे उसने बेच दिया। आरोप है कि कुछ समय बाद सोमपाल उसके घर आया और पेड़ बेचने पर आपत्ति जताते हुए धमकी दी कि दो मीटर अंदर तक जमीन उसकी है। पीड़ित के मुताबिक यह मेड़ चकबंदी के समय से है और उसके पिता ने करीब 27 वर्ष पहले यहां पेड़ लगाए थे, जिन पर उसका वैध कब्जा रहा है। अधिवक्ता पुष्पाल सिंह ने बताया कि 2 मई 2026 को जब वह खेत पर पहुंचा तो देखा कि सोमपाल ने मेड़ के पास करीब तीन वर्ष पहले लगाए गए यूकेलिप्टिश के पेड़ों के साथ छेड़छाड़ की है और मेड़ तोड़कर अपने खेत में छोटे-छोटे पौधे लगा दिए हैं। इस संबंध में पीड़ित ने 5 मई को तहसीलदार नवाबगंज को प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर राजस्व निरीक्षक/लेखपाल को मौके की जांच के निर्देश दिए गए। लेखपाल द्वारा जांच भी की जा चुकी है। कार्यवाही न होने पर अधिवक्ता ने एसडीएम को भी शिकायती पत्र दिया था, इसके बावजूद आरोपी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। खेत पर अतिक्रमण किए जाने से आहत किसान और एडवोकेट प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन के सचिव पुष्पाल गंगवार ने आज जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र दिया और थाना हाफिजगंज पुलिस आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश करने की मांग की है।

तेज बारिश आंधी से पेड़ व बिजली के तार टूटे

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। लगातार दो दिन से तेज बारिश व आंधी के कहर से इलाके के तमाम गांवों की बिजली पेड़ व तार टूटने के कारण सुचारू रूप से चालू नहीं हो सकी। इधर बिजली विभाग की टीम सप्लाई दुरुस्त करने को जुटी हुई थी। हालांकि कस्बे की विद्युत सप्लाई बिजली विभाग ने मंगलवार को आंधी रुकने के कुछ देर बाद ही चालू करवा दी थी। इसको लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर बिजली विभाग की तारीफ की पर बुधवार की रात आई तेज आंधी बारिश के कारण गुरुवार दोपहर तक बिजली सुचारू रूप से चालू नहीं हो सकी थी।

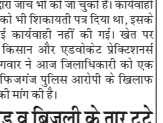

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोपहर से पहले बारिश के साथ आए चक्रवाती तूफान से पोल टूटने और पेड़ गिरने से विद्युत लाइन ध्वस्त हो गई थी, जससे तीन नगर पंचायत समेत तमाम गांव की बिजली गुल हो गई है। विद्युत कर्मियों के अथक प्रयास से तीनों नगर पंचायत और कुछ गांव की विद्युत सप्लाई दुरस्त होने से जहां लोगों ने राहत की सांस ली थी। अब बुधवार की रात आयी तेज आंधी व बारिश के कारण कई जगह पेड़ और बिजली के तार टूटने से, बिजली गुल हो गई एक बार फिर से खेल बिगाड़ दिया। एसडीओ अंकित द्विवेदी व जेई रमेश गौतम ने बताया 33 केवी की लाइन पूरी तरह से दुरस्त कर सभी नगर पंचायत को विद्युत सप्लाई शुरू कर दी गई थी लेकिन बुधवार की रात आई तेज आंधी व बारिश से लाइन पर कई जगह पेड़ गिरने से बन विभाग के सहयोग से विद्युत कर्मी रात दिन पूरी मेहनत से सप्लाई व्यवस्था दुरुस्त करने में लगे है। विद्युत सप्लाई सभी जगह सुचारू रूप से चालू कराने को लेकर टीम जुटी हुई है।

बरेली में दोना मेकिंग मशीनें होंगी मुफ्त वितरित, 27 मई तक करें आवेदन

बरेली। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और स्वावलम्बन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दोना मेकिंग मशीनों के निशुल्क वितरण की योजना शुरू की है। इसके तहत जिले के इच्छुक और पात्र कारीगरों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और पारंपरिक कारीगरों को रोजगार उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि दोना मेकिंग कार्य से जुड़े परंपरागत कारीगरों के साथ-साथ इस कार्य में रुचि रखने वाले अन्य लोगों को भी निशुल्क मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीनें वितरित की जाएंगी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।

सम्पादकः एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक **आनन्द बत्रा 'सुमन'**

☎0581-2562222 (बरेली)

मुख्यालयः मोबाइल-9720007290

R.N.I. No UPHIN/2003/11165

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पशुशाला में लगी भीषण आग, गाय व बकरी के दो बच्चे जिंदा जले

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। थाना क्षेत्र के गांव गुलड़िया की गौंटिया में गुरुवार दोपहर एक पशुशाला में अचानक आग लगने से बड़ा नुकसान हो गया। आग की चपेट में आने से एक गाय और बकरी के दो बच्चे जिंदा जल गए, जबकि एक भैंस और बछिया गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी ताराचंद की घर से कुछ दूरी पर घेर में पशुशाला बनी हुई है, जहां उनके पशु बंधे थे। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे अचानक पशुशाला में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर पूरी पशुशाला को अपनी चपेट में ले लिया।आग लगने की सूचना पर ताराचंद परिजनों और ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग में फंसी भैंस और बछिया को बाहर निकाला, लेकिन तब तक एक गाय और बकरी के दो बच्चे जिंदा जल चुके थे। आग में पशुशाला में रखा सामान और उपले भी जलकर राख हो गए।सूचना पर थाना पुलिस और लेखपाल मौके पर पहुंचे तथा नुकसान का जायजा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है।उधर कस्बा मीरगंज में रात्रि दौरान लगभग करीब 11:30 बजे तूफान आया और फाइबर टीन उड़ गई। मीरगंज कस्बा निवासी संतोष गुप्ता ने बताया की फाइबर की टीन बुधवार रात की रात्रि दौरान आए तूफान में उड़ गई, जिसका अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पीड़ित के अनुसार, टीन कहां गिरी या किस दिशा में गई, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। उन्होंने करीब 20 हजार रुपये के नुकसान की बात कही है।

एसबीआई ने बहेड़ी कोतवाली में किया पुलिस संपर्क कार्यक्रम

■ नव नियुक्त सिपाहियों को सैलरी पैकेज, डिजिटल बैंकिंग की जानकारी दी

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बहेड़ी शाखा ने कोतवाली बहेड़ी में एक पुलिस संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हाल ही में नियुक्त हुए सिपाहियों सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को बैंक की विभिन्न सुविधाओं और योजनाओं से अवगत कराना था।

कार्यक्रम के दौरान, बैंक अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को एसबीआई के पुलिस सैलरी पैकेज के लाभों, विशेष बैंकिंग सुविधाओं और बचत व निवेश से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसमें एसआईपी, टर्म इंश्योरेंस, पीपीएफ खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन और एजुकेशन लोन जैसी विभिन्न ऋण योजनाओं के बारे में बताया गया। पुलिसकर्मियों को इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और ऑनलाइन लेनदेन जैसी डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षित उपयोग के प्रति भी जागरूक किया गया। वर्तमान में बढ़ रहे साइबर अपराधों और डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर विशेष चर्चा हुई। उन्हें ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए ओटीपी, बैंक विवरण और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक व कॉल से सतर्क रहने की सलाह दी गई। बैंक अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए।

शाखा प्रबंधक विनीत कुमार ने इस अवसर पर कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात समाज की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनका आर्थिक रूप से जागरूक और सुरक्षित होना भी बेहद आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि एसबीआई समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर ग्राहकों और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को बैंकिंग सेवाओं, निवेश योजनाओं और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करता रहता है। कार्यक्रम के अंत में, पुलिसकर्मियों ने बैंकिंग योजनाओं और डिजिटल सेवाओं से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका बैंक अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया। शाखा प्रबंधक ने पुलिसकर्मियों से डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं का सुरक्षित तरीके से अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील भी की।

कबाड़ी पर चोरी का माल बेचने और धमकी देने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम दलेलनगर नगर निवासी एक व्यक्ति ने बरखन के एक कबाड़ कारोबारी पर चोरी का माल बेचने, रुपये वापस न करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

ग्राम के नन्हू लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि एक माह पूर्व उसने कबाड़ के कारोबारी से एक हैरो मशीन 43,500 रुपये में खरीदी थी। कुछ दिन बाद उसे जानकारी मिली कि उक्त हैरो चोरी की है। इस पर उसने कबाड़ी से रुपये वापस करने को कहा तो वह टालमटोल करने लगा और रुपये लौटाने से इंकार कर दिया।

आरोप है कि रुपये मांगने पर कबाड़ी गाली-गलौज करता है और जान से मारने की धमकी दे रहा है। बताया जाता है कि 13 मई की रात करीब साढ़े नौ बजे पांच-छह लोग उसके घर पहुंचे और बोले कि यह हैरो उनकी है, जो करीब दो माह पहले चोरी हो गई थी। तब उसने बताया कि उसने यह बरखन के कवाड़ी से खरीदी थी। इसके बाद वे लोग वहां से चले गए।

पीड़ित ने अपने साथ घटी इस घटना की तहरीर पुलिस को दी जिस पर पुलिस ने कवाड़ी के पुत्र को हिरासत में ले लिया है।

ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर राहुल गुप्ता का संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। भाजपा नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन संरक्षण और पर्यावरण बचाने के आह्वान से प्रेरित होकर एक नई पहल शुरू करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि देशहित और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अब वह अधिकतर कार्य कार की जगह स्कूटी से करेंगे, ताकि पेट्रोल की बचत हो सके और प्रदूषण भी कम हो।

कार छोड़ स्कूटी से करेंगे कार्य, लोगों से भी कम ईंधन खर्च करने की अपील

राहुल गुप्ता ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और ईंधन की खपत को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जहां तक संभव हो, कम दूरी के कार्यों के लिए कार का प्रयोग कम करें और दोपहिया वाहन या अन्य वैकल्पिक साधनों का इस्तेमाल करें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर देशवासियों को जागरूक कर रहे हैं। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से इस अभियान को सफल बनाएं। राहुल गुप्ता ने कहा कि यदि हर व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा ईंधन बचाने का प्रयास करे तो इससे आर्थिक बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी बड़ा योगदान मिलेगा।

आंधी-तूफान से चरमराई बिजली व्यवस्था

■ सैकड़ों खंभे टूटे, कई गांवों की सप्लाई ठप

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। बुधवार रात आए तेज आंधी-तूफान ने मीरगंज क्षेत्र में भारी तबाही मचाते हुए बिजली व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते जगह-जगह बिजली के खंभे टूट गए, ट्रांसफार्मर गिर पड़े और नगर सहित ग्रामीण इलाकों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली विभाग की टीमें दिनभर आपूर्ति बहाल करने में जुटी रहीं, लेकिन दोबारा आए तूफान ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

जानकारी के अनुसार, बलूपुरा के जंगल में खंभों पर रखा ट्रांसफार्मर आंधी में गिर गया, जबकि गूला गांव में ट्रांसफार्मर खंभों समेत धराशायी हो गया। वहीं मीरगंज नगरीय उपकेंद्र की मुख्य लाइन के तीन खंभे भी टूटकर गिर पड़े, जिससे कस्बे की बिजली आपूर्ति प्रभावित रही।ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात बेहद खराब रहे। मीरगंज ग्रामीण उपकेंद्र के अंतर्गत शीशगढ़ फीडर के करीब 30 खंभे, करनपुर फीडर के 20, समसपुर फीडर के 25, न्यू समसपुर फीडर के छह, फतेहगंज फीडर के पांच और विश्व बैंक फीडर के तीन खंभे तूफान की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए।

बिजली विभाग के कर्मचारी मंगलवार रात से ही आपूर्ति बहाल करने में लगे थे, लेकिन बुधवार रात दोबारा आए तेज तूफान ने मरम्मत कार्य को फिर प्रभावित कर दिया। गुरुवार दोपहर बाद मीरगंज कस्बे की बिजली सप्लाई बहाल की जा सकी, जबकि शाम तक करनपुर फीडर की सप्लाई हुरहुरी तक, पुरान करनपुर फीडर की जाम तक और समसपुर फीडर की आपूर्ति रईयानगला तक शुरू हो पाई।

कई मकानों को भी नुकसान

आंधी-तूफान का असर लोगों के घरों पर भी देखने को मिला। कस्बे के मोहल्ला खानपुरा निवासी गुलजारी लाल के मकान की छत की टीन की चादरें, खिड़कियां और लोहे के एंगल तेज हवाओं में उड़कर दूर जा गिरे। उन्होंने बताया कि पूरी रात परिवार सामान समेटने में जुटा रहा और बच्चे बारिश में भीगते रहे। वहीं पूनम के घर की छत पर रखा सामान, कुर्सियां आदि उड़कर पड़ोस के तालाब में जा गिरे। लभेड़ा दुर्गाप्रसाद गांव में कुंवरसेन का टीन शेड आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि लोहारनगला निवासी लेखराज के मकान की छत को भी नुकसान पहुंचा।

सैकड़ों पेड़ उखड़े, सड़कें रहीं बाधित

तूफान की तेज रफ्तार हवाओं ने क्षेत्र में सैकड़ों पेड़ों को भी धराशायी कर दिया। कई पुराने पेड़ जड़ से उखड़ गए।

नगरिया सादात में तालाब के पास खेत की मेढ़ पर लगा शीशम का विशाल पेड़ गिर गया। वहीं नगरिया सादात-सिल्लापुर मार्ग पर पेड़ गिरने से सड़क कई घंटों तक बाधित रही, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

गन्ना उत्पादक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

■ बीए, बीएससी, बीकॉम व कृषि ऑनर्स प्रथम सेमेस्टर के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। गन्ना उत्पादक स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहेड़ी में सत्र 2026-27 के लिए स्नातक स्तर की प्रवेश प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई। महाविद्यालय प्रशासन ने बीए, बीएससी, बीकॉम और बीएससी (ऑनर्स) कृषि प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्राओं से शीघ्र आवेदन करने की अपील की है।

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्व. विद्यालय के निर्देशों के तहत संचालित की जा रही है। अभ्यर्थियों को सबसे पहले विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद महाविद्यालय की वेबसाइट पर अलग से रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य रहेगा। प्राचार्य प्रो. डॉ. हरिकेश सिंह ने बताया कि दोनों ऑनलाइन पंजीकरण पूर्ण करने के बाद आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आवश्यक दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में जमा करनी होगी। आवेदन के साथ हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की अंकतालिका, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र तथा एबीसी आईडी/अपार आईडी की स्वप्रमाणित प्रतियां संलग्न करनी होंगी। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र जमा करने का समय प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है, जबकि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 8 जून 2026 तय की गई है। सीटें सीमित होने के कारण छात्र-छात्राओं से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

महाविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश फॉर्म जमा करने के लिए अलग-अलग काउंटर भी निर्धारित किए हैं। बीए प्रथम सेमेस्टर के लिए काउंटर संख्या 03, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के लिए काउंटर संख्या 07 तथा बीएससी (जेडबीसी, पीसीएम) एवं बीएससी कृषि ऑनर्स प्रथम सेमेस्टर के लिए काउंटर संख्या 08 तय किया गया है।

बहेड़ी में सामाजिक न्याय पार्टी की जनसभाएं, नए विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। सामाजिक न्याय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर देवेंद्र कश्यप ने जिले में भोजीपुरा और बहेड़ी विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर कई जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की।

भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सभा के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। सभा में इंजीनियर देवेंद्र कश्यप ने गहलुइया निवासी गजराज सिंह कश्यप को भोजीपुरा विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया।

नियुक्ति के बाद गजराज सिंह कश्यप ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए संगठन को मजबूत बनाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बहेड़ी तहसील के गांव जुआ जवाहरपुर पहुंचे। यहां सतीश कश्यप के आवास पर उनका फूलमालाओं के साथ स्वागत किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए इंजीनियर देवेंद्र कश्यप ने सतीश कश्यप को बहेड़ी विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया। नियुक्ति के बाद सतीश कश्यप ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए लोगों को एकजुट करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्या राम कश्यप, धर्मपाल कश्यप, धर्मवीर कश्यप, चौधरी एमपी सिंह, समीर, सद्दाम, डॉ. सोनू कश्यप और अमित सागर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाइक की मांग को लेकर नवविवाहिता को मारपीट कर घर निकाला, पांच पर रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। दहेज में बाइक की मांग को लेकर ससुरालियों ने नवविवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति सहित 5 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के गांव किच्छा निवासी फिजा ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 2 वर्ष पूर्व थाना शीशगढ़ के गांव पंडरी निवासी बब्लू उर्फ मैसर के साथ मुस्लिम रीति रिवाज से हुई थी। जिसमें उसके पिता ने अपनी सामर्थ्यनुसार दहेज भी दिया था।उसका एक बच्चा भी है।आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से ही पति बब्लू सास नाजमा सहित ससुराल बाले शादी में दिए गए दहेज से खुश नहीं होकर आए दिन दहेज में अपाचे बाइक की मांग करने लगे।आरोप है कि 10 मई को उपरोक्त लोगों ने बाइक की मांग को लेकर पीड़िता को मारा पीटा तथा जान से मारने की धमकी दी है।साथ ही तलाक की धमकी भी दी है।पीड़िता की सूचना पर पहुंचे भाई शारुख व मा सहाना के साथ भी पिटाई कर दी। साथ ही पीड़िता को मारपीट कर घर से निकाल दिया।पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति बब्लू सहित 5 ससुरालियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आवास आयुक्त ने किया गौशाला का निरीक्षण

गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिए दिशा निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। आवास आयुक्त बलकार सिंह द्वारा कान्हा गौशाला का स्थलीय निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निर्देश दिए।

गुरूवार को उत्तर प्रदेश शासन के नोडल अधिकारी / आवास आयुक्त बलकार सिंह नगर पालिका परिषद के अंतर्गत संचालित कान्हा गौशाला के स्थलीय निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के समय गौशाला में 234 गौवंश संरक्षित पाए गए, सभी पशु पूर्णत: स्वस्थ मिले। पशुओं हेतु निर्मित 04 शेडों में व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप पाई गईं। ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत पशुओं को लू एवं तापघात से बचाने हेतु लगाए गए पंखे, कूलर एवं स्वच्छ पेयजल, रात्रि में प्रकाश की उपलब्धता पर नोडल अधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। गौशाला में भूसा, हरा चारा एवं गुड़ आदि की उपलब्धता संतोषजनक मिली। निरीक्षण के दौरान आवास आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पशुओं का स्वास्थ्य और सेवा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। विशेष बल देते हुए कहा कि, गौशालाओं को केवल सरकारी सहायता एवं अनुदान पर आश्रित रहने के बजाय उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। गौशाला में निर्मित उत्पादों के माध्यम से स्वावलंबन के प्रयास किए जाएं। समय-समय पर पशु चिकित्सक पशुओं के स्वास्थ्य की जांच करें। उन्होंने गुड़ खिलाकर और फूल मालाएं पहनाकर गौ-माता की पूजा अर्चना की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी नितिन गौड़, अपर जिलाधिकारी (वित्त) गरिमा सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आभा दत्त, पशु चिकित्सक डॉ. अतुल, पूर्व विधायक / नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह एवं अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, लेखाकार आदेश अग्रवाल, लिपिक ललित कुमार, डॉ.राजीव शुक्ल, मनमोहन सेन आदि मौजूद रहे।

■ गौशाला की व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

■ गजरौला। गौशाला में निरीक्षण के दौरान गौमाता को गुड़ खिलाते आवास आयुक्त बलकार सिंह।

पुलिस लाइन के अतिथि गृह का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो
अमरोहा। जनपद के नोडल अधिकारी बलकार सिंह ने नव निर्मित पुलिस लाइन में अतिथि गृह का निरीक्षण कर कमरों, खिड़कियों एवं निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश देते

गुरुवार को नव निर्मित पुलिस लाइन और विशिष्ट अतिथि गृह का गहन निरीक्षण किया। पुलिस लाइन परिसर के निरीक्षण में उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टेनिस कोर्ट, ऑडिटोरियम, बास्केटबॉल कोर्ट, जिम तथा टाइप-2 आवासीय ब्लॉकों का अवलोकन किया। इस दौरान नोडल अधिकारी ने जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक श्री लखन सिंह यादव के साथ परिसर में पौधरोपण भी किया। उन्होंने पुलिस लाइन परिसर को हराभरा बनाने के लिए व्यापक स्तर पर पौधरोपण कराने के निर्देश दिए। साथ ही टेनिस कोर्ट का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। इसके बाद उन्होंने विशिष्ट अतिथि गृह का निरीक्षण कर कमरों, खिड़कियों एवं निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश देते हुए उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को अतिथि गृह में शीघ्र फर्नीचर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्कार्पियों में असलाह लेकर पहुंचे चार युवक गिरफ्तार

पुलिस चैकिंग में खुला हथियार सप्लाई गिरोह का राज, पिस्टल, तमंचे व कारतूस बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता
बछरायूं। थाना पुलिस ने वाहन चे‍किंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो सवार चार आरोपियों को अवैध असलाह और कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, दो तमंचे, आठ जिंदा कारतूस और एक स्कॉर्पियो बरामद की है। मामले में फरार तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार रात थाना बछरायूं पुलिस कुआंखेड़ा मार्ग पर संदिग्ध वाहन और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक काले रंग की स्कॉर्पियो एन गाड़ी संख्या यूपी 21 डीक्यू 3004 को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर वाहन में सवार तीन युवक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए, जबकि पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन निवासी कटपुरा थाना बछरायूं, निखिल निवासी गुलडिया थाना नौगावां सादात, निक्की निवासी हासमपुर भूड़ थाना बछरायूं तथा परणदीप उर्फ टीटू निवासी खादगुर्जर थाना गजरौला शामिल हैं। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक अवैध पिस्टल .32 बोर, एक तमंचा .315 बोर, एक तमंचा .32 बोर, सात जिंदा कारतूस .32 बोर और एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर अवैध असलाह खरीदकर विभिन्न क्षेत्रों में बेचने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि विक्रांत गरेवाल नामक युवक की स्कॉर्पियो से ही असलाह खरीदने और सप्लाई करने का काम किया जाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी कुआंखेड़ा क्षेत्र में भी असलाह बेचने पहुंचे थे।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया। वहीं फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

विद्युत स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं का होगा निदान

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। विद्युत वितरण खण्ड गजरौला के अन्तर्गत आने वाले सभी उपभोक्ताओं को सुविधा के लिए 15 मईसे तीस जून तक विद्युत वितरण खण्ड, फाजलपुर गजरौला कार्यालय, उपखण्ड कार्यालय, गजरौला, धनौरा एवं बछरायूँ में स्मार्ट मीटर मेगा कैम्प का आयोजन किया जायेगा। स्मार्ट मीटर मेगा कैम्प के अन्तर्गत समस्त श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत सम्बन्धी समस्याओं जैसे प्रीपेड से पोस्टपेड में परिवर्तित उपभोक्ताओं के बिल संशोधन, मोबाईल नम्बर अपडेट करना, यूपीपीसीएल स्मार्ट मीटर ऐप डाउनलोड एवं उपयोग करना, भारवृद्धि, खराब मीटर बदलना, विधा परिवर्तन, बिल जमा करने एवं अन्य सम्बन्धित कार्यो की शिकायत का उपभोक्ता का रजिस्ट्रेशन कराकर शिकायत का निराकरण कराया जायेगा। अधिशासी अभियंता नीरज कुमार ने विद्युत उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि वे स्मार्ट मीटर मेगा कैम्प में पहुंचकर समस्याओं का निदान कराएं।

■ 15 मई से 30 जून तक लगेंगे शिविर

11 बच्चों का बैंकिंग सेवा में चयन

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। नगर के पंजाब नेशनल बैंक के निकट ग्रुप सोल्युशन बैंकिग एवं इन्टरव्यू ट्रेनिंग प्रोग्राम केन्द्र पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हरपाल सिंह ने बैंकों एवं फाइनेंस कम्पनियों में चयनित 11 अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। पूर्व विधायक ने बच्चों के प्रयास की सराहना की। केन्द्र के निदेशक धर्मेन्द्र कुमार आजाद ने बताया कि उनके केन्द्र के माध्यम से बच्चों को बैंकिंग सेवाओं के लिए तैयार करके उनका प्लेसमेंट कराया जाता है। केन्द्र का उद्देश्य हर बेरोजगार को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस मौके पर प्रो0ओमकार सिंह, शेर सिंह बौद्ध, मनोज कुमार, गजेन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह, जाकिर आदि मौजूद रहे।

साइबर अपराधी अपना रहे ठगी के नए तरीके

एपीके फाइल खोलते ही मोबाइल हो गया हैक

शाह टाइम्स संवाददाता
अमरोहा। साइबर अपराधी लोगो से ठगी के लिए नए नए हथकंडे अपना रहे है लोगो को मोबाइल पर आरटीओ के नाम वाली चालान चेक की एपीके फाइल भेज रहे है। वाहन चालान की फाइल खोलते ही मोबाइल हैक हो रहा है। बाद में खाते में सेंधमारी की जा रही है।

गुरुवार को मोहल्ला बेगम सराय निवासी वसीम अंसारी का मोबाइल साइबर अपराधियों ने हैक कर लिया। दरअसल वह सांसद चंद्रशेखर आजाद की पार्ट से जुड़े है। जिसके चलते उनका मोबाइल शहर में संचालित होने वाले कई व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ा है। जैसे ही वसीम ने फाइल को खोला उनका मोबाइल हैक हो गया। कुछ ही देर मे वह फाइल खुद ही उनके मोबाइल में स्थित सभी व्हाट्सएप ग्रुप व अन्य नंबरों पर शेयर हो गई। जब इसका पता वसीम अंसारी को चला तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत अपना इंटरनेट डेटा बंद कर लिया। तथा दूसरे नंबर से टोल फ्री नंबर 1930 पर कॉल कर फोन हैक होने की सूचना दी। गनीमत रही उनके खाते से कोई पैसा नहीं निकला। परंतु उनके नंबर से भेजी गई इस एपीके फाइल को व्हाट्सएप ग्रुप में मौजूद कई लोगों ने बेध्यानी से खोल लिया। जिससे करीब 100 से अधिक लोगों के मोबाइल फोन हैक हो गए। घबराए लोगो ने तुरंत अपने परिचितों को को मैसेज भेजकर जानकारी साझा की। साइबर अपराधियों की चाल बाजी से लोगों मे हड़कंप मचा रहा। सीओ शक्ति सिंह ने बताया कि आरटीओ के नाम से ई चालान का मेसेज या फिर एपीके फाइल भेजी जाती तो उसे बिल्कुल ना खोले, जरा सी लापरवाही से आपका खाता टारगेट किया जा सकता है।

■ नए-नए हथकंडों से साइबर अपराधी बना रहे लोगों को शिकार

जल संरक्षण को छात्रों ने निकाली जागरुकता रैली

ब्लू बर्ड्स स्कूल में ईको क्लब गतिविधि आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता
मंडी धनौरा। ब्लू बर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल में ईको क्लब गतिविधि के अंतर्गत जल संरक्षण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में कक्षा छह से आठ तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर लोगों को पानी बचाने के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर जल है तो कल है और पानी बचाओ जैसे संदेश दिए। विद्यार्थियों ने लोगों से पानी की बर्बादी रोकने और जल संरक्षण अपनाने की अपील की।इस अवसर पर विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। छात्रों ने पानी का सदुपयोग करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रबंधक राहुल अग्रवाल ने कहा कि जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बच्चों को प्रारंभ से ही पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना जरूरी है। विद्यालय की निर्देशिका राखी अग्रवाल ने कहा कि पानी की प्रत्येक बूंद अनमोल है। यदि अभी से जल संरक्षण के प्रति गंभीर नहीं हुए तो भविष्य में जल संकट और गहरा सकता है।

पांच साल के गार्विक का भजन यूट्यूब पर रिलीज

छोटी उम्र में भक्ति संगीत की ओर बढ़ाया कदम, लोगों से मिल रहा प्यार

शाह टाइम्स संवाददाता
मंडी धनौरा। क्षेत्र के गांव हलपुरा निवासी पांच वर्षीय गार्विक सांगवान का भजन खाटू का दरबार रिलीज हो गया है। यह भजन गार्विक भक्ति म्यूजिक यूट्यूब चौनल पर जारी किया गया है। भजन रिलीज होने के बाद परिवार और स्कूल में खुशी का माहौल है।

गार्विक सांगवान शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल हलपुरा में यूकेजी का छात्र है। इतनी छोटी उम्र में भजन गाकर गार्विक लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। परिवार के लोगों का कहना है कि बच्चे ने बहुत मेहनत और लगन से यह भजन तैयार किया है। गार्विक के पिता रोहित सांगवान ने बताया कि भजन के बोल उन्होंने खुद लिखे हैं। वह शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक भी हैं। गार्विक को संगीत शिक्षक योगेंद्र कुमार ने तैयार किया है। संगीत शिक्षक योगेंद्र कुमार ने बताया कि गार्विक को संगीत में काफी रुचि है और वह पूरे मन से सीखता है। इसी कारण कम उम्र में भी उसने अच्छा भजन गाया है। भजन रिलीज होने के बाद लोग बच्चे की सराहना कर रहे हैं। परिवार ने लोगों से गार्विक भक्ति म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर भजन सुनकर बच्चे का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

गश्त के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़े दो संदिग्ध, हथियार और चोरी की बाइक बरामद

पैरोल पर छूटा उम्रकैदी अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता
हसनपुर। अमरोहा देहात पुलिस ने मंगलवार रात गश्त के दौरान दो संदिग्ध युवकों को पीछा कर दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक और मोबाइल फोन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों में एक उम्रकैद की सजा पा चुका शातिर अपराधी भी शामिल है, जो हाल ही में पैरोल पर जेल से बाहर आया था। पुलिस दोनों के आपराधिक रिकॉर्ड और जिले में कनेक्शन खंगाल रही है।

थाना अमरोहा देहात में तैनात दरोगा विकास त्यागी मंगलवार रात अपनी टीम के साथ कल्याणपुरा चौराहे पर गश्त कर रहे थे। उसी दौरान गांव कल्याणपुरा की ओर से एक बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए, जो संदिग्ध लग रहे थे। पुलिस कर्मियों ने उन्हें टोकते हुए रूकने का इशारा किया तो दोनों बाइक मोड़कर मधुबन कॉलोनी की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा करना शुरू कर दिया। घबराहट में कुछ दूर जाकर उनकी बाइक रपट गई। खुद को घिरता देख आरोपियों ने बाइक छोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, चोरी की बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जुल्फिकार निवासी मोहल्ला हयातनगर थाना स्योहारा जिला बिजनौर तथा उसके साथी मोहम्मद अजीम निवासी ग्राम फैजुल्लापुर थाना स्योहारा के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक जुल्फिकार उम्रकैद सजायाफ्ता है। उसने बहन के ससुर की गोली मारकर हत्या की थी। कुछ दिन पहले ही वह जेल से पैरोल पर छूटा है। वहीं, पूछताछ में आरोपी अजीम ने बरामद बाइक 12 मई की शाम स्योहारा स्थित विशाल मेगा मार्ट के पास से चोरी करना स्वीकार किया। एसपी लखन सिंह यादव के मुताबिक जुल्फिकार बेहद शातिर किस्म का अपराधी है। उसके खिलाफ अमरोहा शहर, स्योहारा समेत विभिन्न थानों में लूट, चोरी, मारपीट और शस्त्र अधिनियम के संबंधित सात मुकदमे दर्ज हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बाइक बरामदगी के संबंध में स्योहरा पुलिस को सूचित कर दिया गया है। दोनों आरोपियों का अपराधिक रिकार्ड तथा जिले में कनेक्शन खंगाला जा रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों जिले में कोई वारदात अंजाम देने वाले थे।

मेरठ रोड फ्लाईओवर की मरम्मत पर बवाल, परीक्षा के बीच बंदी का विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता
हापुड़। मेरठ रोड स्थित फ्लाईओवर की मरम्मत के चलते 14 मई से 23 मई तक यातायात बंद किए जाने के निर्णय के बाद क्षेत्रीय लोगों और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। आवास विकास कालोनी संजय विहार के निवासियों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर मांग की है कि स्कूलों में चल रही परीक्षाओं और भीषण गर्मी को देखते हुए फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य फिलहाल स्थगित किया जाए तथा स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने के बाद ही कार्य कराया जाए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मेरठ रोड पर बने फ्लाईओवर के अलावा चार पहिया वाहनों के आवागमन के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं है। ऐसे में फ्लाईओवर पूरी तरह बंद होने से हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सबसे अधिक दिक्कत स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को होगी, क्योंकि शहर के कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने का मुख्य रास्ता यही फ्लाईओवर है। शिकायती पत्र में बताया गया कि मेरठ रोड पर स्थित दीवान पब्लिक स्कूल, दीवान इंटर कॉलेज और कॉमर्शियल इंटर कॉलेज के अलावा मोदीनगर रोड पर स्थित ब्रह्मा देवी स्कूल, बथिस्ता स्कूल और सरस्वती बाल मंदिर स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं प्रतिदिन इसी मार्ग से होकर स्कूल आते-जाते हैं। वर्तमान समय में स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं और तेज गर्मी के बीच फ्लाईओवर बंद होने से बच्चों को लंबा चक्कर लगाकर सफर करना पड़ेगा। इससे छात्रों के समय पर स्कूल न पहुंच पाने और परीक्षा छूटने की आशंका भी जताई गई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि 20 मई से अधिकांश स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने जा रहा है। ऐसे में यदि फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य छुट्टियों के दौरान कराया जाए तो आमजन और विद्यार्थियों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सकता है। स्थानीय निवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर बंद करने के निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए और मरम्मत कार्य की समयावधि में बदलाव किया जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षाओं पर कोई प्रतिकूल असर न पड़े।

ट्रक लूट में दो बदमाशों को पांच-पांच साल की कैद

अदालत ने दस-दस हजार का जुर्माना भी लगाया

शाह टाइम्स ब्यूरो
अमरोहा। चालक को नशीला बिस्कुट खिलाकर ट्रक लूटने के मामले में कोर्ट ने दो बदमाशों को पांच-पांच साल सजा व दस-दस हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई। जबकि साक्ष्य आभाव में एक आरोपी को बुरी कर दिया।

लूट की यह वारदात 12 मई 2010 को गजरौला थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर अंजाम दी गई थी। बागपत जिले के रूमाला थाना क्षेत्र के गांव असारा निवासी वाजिद ट्रक चालक है। वह काशीपुर की सिद्धार्थ मिल से पेपर लादकर मुंबई जा रहा था। ठाकुरद्वारा के पास दो युवक सवारी बनकर ट्रक में सवार हो गए थे। रात को करीब 12 बजे जब ट्रक गजरौला क्षेत्र से गुजर रहा था तो दोनों उतर गए थे, इसके बाद उनके बदले एक महिला समेत चार अन्य लोग आगे तक की सवारी बनकर ट्रक में सवार हो गए थे। कुछ दूर आगे निकलने के बाद इन लोगों ने वाजिद को नशीला बिस्किट खिला दिया था। बिस्किट खाने के बाद कुछ समय बाद वाजिद बेहोश हो गए थे, स्टेयरिंग पर सवारी बन कर बैठे एक व्यक्ति ने संभाल लिया था। इसके बाद बदमाश ट्रक लेकर फरार हो गए थे और बेहोश वाजिद को हापुड़ बाईपास के पास फेंक दिया था। ट्रक मुजफ्फरनगर जिले के पुरबालियान निवासी अमली खां का निकला था। होश में आने पर वाजिद ने थाना गजरौला में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। वारदात के पांचवे दिन पुलिस ने ट्रक लूट का पर्दाफाश कर दिया था। मामले में इलियास, उसकी पत्नी नगमा, इरफान, आजाद उर्फ शरद, राहुल, अफरोज, महाराज, अलीम उर्फ अली मोहम्मद और लेखराज को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया था, हालांकि बाद में सभी को जमानत पर रिहाई मिल गई थी। मुकदमे की सुनवाई के बीच आरोपी इलियास, नगमा, अलीम और इरफान फरार हो गए, चारों कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। वहीं, आरोपी महाराज की मौत हो गई और आरोपी राहुल की पत्रावली अलग कर दी गई। मुकदमे की सुनवाई एडीजे तृतीय की अदालत में विचाराधीन थी। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव चौधरी कर रहे थे। गुरुवार को अदालत ने इस मुकदमे में अंतिम सुनवाई की। पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्यों के आधार पर बुलंदशहर के खुर्जा थानाक्षेत्र के मोहल्ला खीरखाना निवासी अफरोज और मोहल्ला टूटा दरवाजा निवासी आजाद उर्फ शरद को दोषी करार देते हुए पांच साल कठोर कैद की सजा सुनाई। अदालत से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया गया। दोषियों पर दस-दस हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। वहीं, अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में आरोपी लेखराज को बरी कर दिया।

रूखालू में नरक जैसी जिंदगी, गंदगी के बीच गुजरी बारात

वीडियो हुआ सोशल मीडिया पर वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता
हसनपुर। विकास खंड गंगेश्वरी के गाँव रुखालू में स्वच्छता अभियान के दावों की पोल खुल गई है। गाँव का रास्ता जलभराव के कारण तालाब में तब्दील हो चुके हैं। आलम यह है कि गाँव में आने वाली बारातों को गंदे पानी और कीचड़ के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गंदगी के कारण उनका जीना मुहाल हो गया है। और बीमारियाँ फैलने का डर बना हुआ है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से इसकी लिखित शिकायत की है।लेकिन शासन-प्रशासन श्कुंभकर्णी नींदश सोया हुआ है। गाँव की चरमराती सफाई व्यवस्था ने सरकारी दावों को आइना दिखा दिया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सफाई और जल निकासी का समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र प्रदर्शन को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का कहना है शिकायतें फाइलों में दफन हैं। और हम नरक में रहने को मजबूर हैं। अब वीडियो वायरल होने के बाद शायद प्रशासन की नींद टूट जाये।

पंचायत चुनाव में देरी से ग्राम प्रधानों की धड़कनें हो रही तेज, कार्यकाल समाप्ति की ओर

निजी खर्च और उधारी में कराए गए विकास कार्यों का भुगतान अटका, कार्यकाल बढ़ाने की मांग तेज

(इमरान हुसैन)
शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जिले में पंचायत चुनाव में हो रही देरी ने ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों और जिला पंचायत सदस्यों की चिंताओं को काफी बढ़ा दिया है। इस माह इन जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है, लेकिन चुनाव की तिथि को लेकर अब तक कोई स्पष्टता नहीं है। ऐसे में पूरे जिले में सियासी हलचल तेज हो गई है और जनप्रतिनिधियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सबसे ज्यादा परेशानी उन ग्राम प्रधानों को हो रही है जिन्होंने अपने कार्यकाल के अंतिम समय में गांव के विकास कार्यों को पूरा कराने के लिए निजी स्तर पर भारी खर्च किया। कई प्रधानों ने लाखों रुपये अपनी जेब से खर्च कर सड़कों, नालियों, इंटरलॉकिंग और अन्य विकास कार्यों को पूरा कराया। वहीं, कुछ प्रधानों ने दुकानदारों और ईंट भट्टा संचालकों से उधार सामग्री लेकर काम करवाया, ताकि गांव में विकास कार्य अधूरे न रह जाएं और उनकी साख बनी रहे। स्थिति और भी गंभीर तब हो गई जब कुछ ग्राम प्रधानों ने ब्याज पर पैसे उधार लेकर विकास कार्यों में लगा दिए। उन्हें उम्मीद थी कि सरकार से मिलने वाली वित्तीय किस्त आने पर वे सभी भुगतान कर देंगे, लेकिन मौजूदा हालात ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। दरअसल, पिछले करीब एक माह से पंचायतों के खातों में धनराशि ट्रांसफर होने की प्रक्रिया प्रभावित रही। राज्य वित्त और केंद्र सरकार की योजनाओं में बदलाव, ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों के डिजिटल हस्ताक्षरों की वैधता समाप्त होना, तथा सचिवों की अन्य विभागीय कार्यों में ड्यूटी लगने जैसी वजहों से भुगतान पूरी तरह ठप हो गया। अब जबकि भुगतान शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं, तब भी सचिवों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां होने के कारण कार्य सुचारू रूप से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इन तमाम परिस्थितियों ने ग्राम प्रधानों की धड़कनें तेज कर दी हैं। उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि अगर समय पर भुगतान नहीं हुआ और कार्यकाल समाप्त हो गया, तो उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ सामाजिक दबाव का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी को देखते हुए ग्राम प्रधान संगठन सक्रिय हो गया है। संगठन के पदाधिकारियों ने राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख और जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक सभी वित्तीय प्रक्रियाएं पूरी नहीं हो जातीं और विकास कार्यों का भुगतान नहीं हो जाता, तब तक कार्यकाल बढ़ाया जाना आवश्यक है। अब जिले के हजारों ग्राम प्रधानों की नजर शासन के निर्णय पर टिकी हुई है। सवाल यह है कि क्या सरकार उनका कार्यकाल बढ़ाकर राहत देगी या फिर पूर्व की तरह प्रशासक नियुक्त कर पंचायतों का संचालन कराया जाएगा। आने वाले दिनों में इस पर होने वाला फैसला ग्राम प्रधानों के भविष्य और उनकी आर्थिक स्थिति दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

पूरे राज्य के प्रधान सरकार से कार्यकाल बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए आंदोलन भी किया जा रहा है। उम्मीद है कि सरकार जनहित में फैसला लेते हुए प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाएगी। ऐसा नहीं हुआ तो ग्राम पंचायतों में विकास रुक जाएगा।

हरजीत सिंह,
प्रधान पिपलिया महतो

कोरोना काल में हर ग्राम पंचायत में विकास कार्य बाधित रहे। प्रधानों ने सरकार को पूरा सहयोग किया। इसलिए जनहित और गांव के विकास के लिए ग्राम प्रधानों का कार्यकाल ही बढ़ाना सबसे उत्तम होगा। इससे बचे हुए काम आसानी से हो सकेंगे और ग्रामीण जनता को इसका फायदा मिलेगा।

ताज मोहम्मद खां, प्रधान
लाड़पुर निकट बथुआखेड़ा

उत्तर प्रदेश में ग्राम प्रधानों का सामान्य कार्यकाल 5 वर्ष का होता है, जो पहली बैठक की तारीख से गिना जाता है। वर्तमान में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। पंचायत चुनाव में देरी के कारण इस कार्यकाल को प्रशासकीय समिति के माध्यम से आगे बढ़ाने की संभावना है।

सना काशिफ, प्रधान मनकरा

यह तय है कि अब समय पर चुनाव नहीं होंगे। ऐसे में ग्राम पंचायतों में किसी सरकारी अधिकारी को प्रशासक नियुक्त करने के बजाय प्रधानों का ही कार्यकाल बढ़ाया जाए। क्योंकि, प्रधान ही विकास कराने में सक्षम हैं। प्रशासक नियुक्त किए जाने का अनुभव पूर्व में सही नहीं रहा है।

मनीष लोधी,
प्रधान बकैनिया

रामपुर में दवा कारोबार पर संकट, 20 मई को बंद रहेंगी मेडिकल स्टोर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। ऑनलाइन दवा बिक्री, कॉरपोरेट दबाव और नई सरकारी नीतियों के विरोध में देशभर के दवा व्यापारियों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद को लेकर शाहबाद में भी हलचल तेज हो गई है। केमिस्ट एसोसिएशन शाहबाद के पदाधिकारियों ने तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और सरकार को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो इसका असर पूरे दवा वितरण तंत्र पर पड़ सकता है।

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) के आह्वान पर बुलाए गए इस बंद को जिला फार्म ट्रेडर्स एसोसिएशन रामपुर और ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स उत्तर प्रदेश (OCDUP) ने भी समर्थन दिया है। व्यापारियों का कहना है कि देशभर के करीब 12.40 लाख केमिस्ट और दवा वितरक इस आंदोलन से जुड़े हैं। ज्ञापन में व्यापारियों ने आरोप लगाया कि अवैध ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म बिना उचित निगरानी के दवाओं की बिक्री कर रहे हैं। इससे छोटे मेडिकल स्टोरों का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। उन्होंने ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण लगाने और अवैध संचालन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। केमिस्ट एसोसिएशन ने बड़े कॉरपोरेट घरानों पर "प्रिडेटरी प्राइसिंग" का आरोप लगाते हुए कहा कि भारी छूट देकर बाजार पर कब्जा करने की को. शिश की जा रही है, जिससे छोटे दवा व्यापारी बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। व्यापारियों ने GSR 817(E) और ळैत 220(E) जैसी अधिसूचनाओं को वापस लेने की मांग भी उठाई।

व्यापारियों ने जनस्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि बिना डॉक्टर के पर्चे के दवाओं की बिक्री, एंटीबायोटिक्स का गलत इस्तेमाल, नकली दवाओं का कारोबार और गलत स्टोरेज जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन पर समय रहते रोक नहीं लगी तो आम लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। एसोसिएशन ने एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) को भी बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि एंटीबायोटिक्स के अनियंत्रित उपयोग से भविष्य में कई दवाएं बेअसर हो सकती हैं। उन्होंने सरकार से इस संबंध में ठोस नीति बनाने की मांग की। केमिस्ट एसोसिएशन शाहबाद के अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल, महामंत्री मोहम्मद खालिद खान, लक्ष्मी नारायण समेत अन्य व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का अनुरोध किया। व्यापारियों ने साफ कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

तेज आंधी-तूफान से सड़क पर गिरा विशाल पेड़, घंटों बाधित रहा यातायात

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। बुधवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान ने क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते आसफपुर मार्ग और रामपुर रोड पर कई स्थानों पर पेड़ गिर गए, जिससे सड़क पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सुबह तक राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार रात में अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई, जिसके चलते सड़क किनारे खड़ा एक विशाल पेड़ जड़ से उखड़कर सड़क के बीचों-बीच गिर पड़ा। पेड़ इतना बड़ा था कि दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। सड़क पर

विशाल पेड़ फैला हुआ है और बड़ी संख्या में लोग मौके पर खड़े होकर रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। कुछ लोग खुद भी पेड़ हटाने में सहयोग करते नजर आए। पेड़ गिरने से सड़क पर आवाजाही ठप हो गई और कई घंटों तक लोग फंसे रहे। सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने पेड़ की शाखाओं को काटकर हटाया, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात बहाल हो सका। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क किनारे पुराने और कमजोर पेड़ों की जांच कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

मनीराम ने संभाला मिलक कोतवाल का चार्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। पुलिस अधीक्षक ैवउमदकतं डममदं के आदेश पर साइबर सेल प्रभारी मनीराम ने मिलक कोतवाली के नए कोतवाल के रूप में कार्यभार संभाल लिया। देर रात कोतवाली पहुंचकर उन्होंने अपना चार्ज ग्रहण किया। बताया गया है कि पूर्व कोतवाल पुष्कर सिंह को कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में पुलिस लाइन भेज दिया गया था।

चार्ज संभालने के बाद गुरुवार सुबह कोतवाल मनीराम ने कोतवाली स्टाफ के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने साफ कहा कि अपराध करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मदर इण्डिया पब्लिक स्कूल का 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

मनप्रीत कौर (95.4%)

काजलदीप कौर ने (92.8%)

जसकरन सिंह (91.4%)

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। सी.बी.एस.ई.के इण्टरमीडिएट के घोषित परीक्षा परिणाम में मदर इण्डिया पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम 99% रहा। विद्यालय में मनप्रीत कौर ने (95.4%) अंक प्राप्त कर प्रथम, काजलदीप कौर ने (92.8%) द्वितीय, जसकरन सिंह ने (91.4%) तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रबंधिका रश्मि विज प्रबंधक गौरव विज, डौली विज, प्रधानाचार्य एम.सी. उनियाल, तेजेन्द्र कौर, कृतिका बत्रा, के.के. जोशी, जसपाल रन्धावा, एस.के. ओझा, विकास पंत, विशाल काण्डपाल, विक्रम सिह, रविन्द्रपाल सिहं, अजय एवं सभी अध्यापक/अध्यापिकाओं ने उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाऐं एवं उज्जवल भविष्य की कामना व्यक्त की।

एक नजर....

बिजली के झूलते तार से गला कटने पर संग्रह अमीन की मौत

मिलक। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे एक दर्दनाक हादसे में संग्रह अमीन हरीश गंगवार की बिजली के तार से गला कटने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह रात्रि ड्यूटी के बाद बाइक से अपने घर बिलासपुर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, हरीश गंगवार तहसील मिलक में तैनात थे। रोस्टर के अनुसार बुधवार को रठौंडा चौराहे पर खनन चेकिंग में उनकी रात्रि ड्यूटी लगी थी। बुधवार रात 11 बजे आई तेज आंधी के कारण बिजली के पोल और तार क्षतिग्रस्त हो गए थे। मिलक-बिलासपुर रोड पर ग्राम सिहारी के पास बिजली के तार सड़क से कुछ ही ऊंचाई पर झूल रहे थे। बाइक से गुजरते समय हरीश गंगवार इन झूलते तारों की चपेट में आ गए, जिससे उनकी गर्दन कट गई और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। उन्हें मिलक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

शाहबाद में आंधी-तूफान से भारी नुकसान, दीवार गिरने से कार क्षतिग्रस्त

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। बुधवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान ने शाहबाद नगर समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुंचाया। तेज हवाओं और खराब मौसम के चलते कई स्थानों पर दीवारें गिर गईं, पेड़ टूटकर सड़कों पर आ गिरे और बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। इससे पूरी रात लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नगर निवासी आरिफ मियां ने बताया कि उन्होंने अपनी कार सिरौली रोड पर खड़ी की थी। देर रात तेज आंधी और बारिश के दौरान पास स्थित एक दीवार अचानक भरभराकर कार पर गिर गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना के समय कार में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आंधी-तूफान के कारण नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह बिजली के तार टूट गए और पेड़ बिजली लाइनों पर गिर पड़े। इसके चलते बुधवार रात से ही शाहबाद नगर सहित आसपास के गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। पूरी रात बिजली न आने से लोगों को गर्मी और उमस के बीच काफी परेशानी झेलनी पड़ी। बिजली कटौती का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों पर पड़ा। लोगों ने रात जागकर बिताई। वहीं सुबह तक भी कई इलाकों में बिजली व्यवस्था सुचारु नहीं हो सकी थी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और विद्युत विभाग से जल्द व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

जाति सूचक और मारपीट के आरोप में चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। कोतवाली पुलिस ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली-गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक मनीराम के कार्यालय को एक प्रार्थना पत्र के माध्यम से राजपाल पुत्र बिहारीलाल निवासी ग्राम गंगापुर भोपतपुर, थाना मिलक ने शिकायत दी। शिकायत में बताया गया कि 11 मई को शाम 5:30 बजे ग्राम कृपिया पाण्डेय से मिलक जाने वाले रोड पर ग्राम कृपिया पाण्डेय के पास अभियुक्त सतीश पुत्र सुरेन्द्र पाण्डेय निवासी कृपिया पाण्डेय व तीन अज्ञात व्यक्तियों ने वादी को घेरकर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौच की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना मिलक पर मु.अ.सं. 143/2026 धारा 352, 115(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता तथा 3(2)टं, 3(1)द, 3(1)ध एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी राजवीर सिंह परिहार करेंगे।

मिलक के धर्मपुरा में मस्जिद का निर्माण रुका, ग्रामीणों की शिकायत पर हरकत में आया प्रशासन

मस्जिद कमेटी ने रातभर में खुद तोड़ा निर्माण

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जनपद के मिलक थाना क्षेत्र स्थित धर्मपुरा गांव में मस्जिद की दूसरी मंजिल के कथित अवैध निर्माण को प्रशासन ने रुकवा दिया। ग्रामीणों की शिकायत के बाद तहसील प्रशासन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां बिना अनुमति निर्माण कार्य किए जाने की बात सामने आई। प्रशासन की सख्ती और कार्रवाई की आशंका के बाद मस्जिद कमेटी ने रातभर में स्वयं ही निर्माण ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार धर्मपुरा गांव में मस्जिद की दूसरी मंजिल का निर्माण तेजी से कराया जा रहा था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिना अनुमति निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे गांव का माहौल प्रभावित हो सकता है। शिकायत मिलने पर सीओ राजवीर सिंह परिहार और नायब तहसीलदार अंकित अवस्थी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि दूसरी

मंजिल के लिए दीवारें और पिलर खड़े किए जा रहे थे। प्रशासन ने निर्माण को अवैध बताते हुए तत्काल कार्य रुकवाने और निर्माण हटाने के निर्देश जारी कर दिए। इसके बाद मस्जिद कमेटी में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि देर रात करीब दस लोगों की टीम ने हथौड़ों की मदद से पिलर और दीवारों को तोड़कर निर्माण को स्वयं ही गिरा दिया। गांव में देर रात तक निर्माण हटाने का कार्य चलता रहा। वहीं इस मामले में एक और बड़ा खुलासा सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक गांव की दोनों मस्जिदों में कथित रूप से अवैध तरीके से मदरसों का संचालन भी किया जा रहा था। प्रशासन ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है और रिपोर्ट शासन को भेजने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल गांव में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

एक नाजायज चाकू के साथ अभियुक्त गिरफ्तार किया

स्वार। पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक नफर अभियुक्त आलिम पुत्र

मोहम्मद अहमद अगलगा को इतवार की बजार के पास से एक नजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया और सम्बंधित मुकदमे में विविध कार्यवाही की गई ।पुलिस अधीक्षक के आदेश पर गुरुवार की रात्रि कोतवाली प्रभारी के निर्देश पर पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ को लेकर चलाए गए अभियान के अंतर्गत पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0अभिनव देशवाल,का0 सोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

रामपुर की दो बड़ी शख्सियतों के निधन पर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने जताया शोक

रामपुर। सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने शहर की दो जानी-मानी हस्तियों 'कोहिनूर पुस्तक सदन' के संचालक दिल्लन खान भारत और 'सिल्वर आर्ट' के मालिक रईस भाई के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सांसद ने दोनों के इंतकाल को रामपुर के सामा. जिक और व्यापारिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया।सांसद ने दिल्लन खान भारत को खिराज-ए-अकीदत पेश करते हुए कहा कि वह इल्म, इंसानियत और देशप्रेम की मिसाल थे। शाहबाद गेट स्थित उनकी दुकान 'कोहिनूर पुस्तक सदन' ने वर्षों तक विद्यार्थियों और ज्ञान प्रेमियों की सेवा की।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है संदर्भ संख्या 609/24 धारा 125(3) सीआरपीसी माननीय अपर न्यायाधीश परिवार न्यायालय पीलीभीत में बादनी माया देवी पुत्री जगदीश पत्नी गजेंद्र पाल निवासी ग्राम सरौरा के भरण पोषण के बाबत दायर बाद में माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में गजेंद्र पाल पुत्र करन सिंह निवासी ग्राम सरौरा थाना जहानाबाद की कुर्क की गई संपत्ति को नीलाम कराना प्रस्तावित है। इस संदर्भ में सूचित किया जाता है की नयाब तहसीलदार परितोष द्विवेदी क्षेत्र जहानाबाद तहसील जिला पीलीभीत के द्वारा दिनांक 16 मई 2026 को गांव सरौरा में नीलामी की जाएगी। इच्छुक खरीदार सरौरा गांव पहुंचे। **थाना जहानाबाद, जनपद पीलीभीत यू.पी.।**

क्योरार में तेज आंधी-बारिश से ढहा कच्चा मकान, बाल-बाल बचे परिजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। तहसील के ग्राम क्योरार में बुधवार रात आई तेज आंधी और बारिश के कारण एक कच्चा मकान ढह गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। ग्राम क्योरार निवासी पप्पू पुत्र तुलाई राम का तीन सेट वाला कच्चा मकान बुधवार रात तेज आंधी-बारिश की चपेट में आकर अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के समय परिवार के सदस्य किसी तरह घर से बाहर निकल आए,

जिससे बड़ा हादसा टल गया। पीड़ित पप्पू ने बताया कि कच्चे मकान में वह परिवार सहित रह रहा था। सरकार की आवास योजना के तहत उसे अभी तक पक्का मकान नहीं मिला था। कई बार आवेदन करने के बावजूद उसका नाम सूची में नहीं आया। अब घर गिरने से परिवार के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल मदद और आवास दिलाने की मांग की है। तहसीलदार सीमा गंगवार ने बताया कि क्षेत्रीय लेखपाल व कानूनगो को मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया है। नियमानुसार मदद की जाएगी।

व्यापार मंडल की बैठक कार्यालय पर हुई आहूत

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। गुरुवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल स्वार के नगर व तहसील अध्यक्ष अनवर अली के नेतृत्व में उनकी दुकान पर मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें सभी पदाधिकारीयों ने 19 मई की पदयात्रा को लेकर चर्चा की प्राइवेट स्कूलों की मनमानी को रोकने के लिए 19 मई को व्यापार मंडल स्वार जो पैदल पदयात्रा स्वार से जिला अधिकारी तक करने जा रहा है। उसके उपलक्ष में सभी पदाधिकारीयो ने नगर व तहसील अध्यक्ष अनवर अली ने चर्चा की। इस मौके पर उपस्थित नगर व तहसील अध्यक्ष अनवर अली,उपाध्यक्ष अजेन्द्र राठौर, ब्लॉक अध्यक्ष हाशिम शान, नगर महा सचिव मुशर्रफ अली उर्फ गुड्डू, नगर सचिव फुरकान अली, नगर सचिव अली रेहान अली,

महामंत्री गगन सचदेवा,दानिश, इरफान, हामिद, भूरा आदि मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड एवं निर्माण कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

कार्य पूर्ण होने पर विभागों को शीघ्र हैंडओवर करें संस्थाएं

- लक्ष्य के सापेक्ष योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित करें अधिकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चन्द्र की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड, विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं निर्माण कार्यों को गंभीरतापूर्वक लेते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराएं।

उन्होंने समीक्षा बैठक के दौरान कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन परियोजनाओं हेतु धनराशि प्राप्त हो चुकी है, उनके निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के अंतर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जिन कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कार्य पूर्ण कर लिया गया है, वे संबंधित विभाग को कार्य हैंडओवर करना सुनिश्चित करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं के लिए बजट प्राप्त नहीं हुआ है, उनके संबंध में संबंधित विभाग प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र बजट की मांग करें।

समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभागों से संबंधित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर विशेष ध्यान दें।

उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित आगामी 100 दिवस एवं 06 माह की बिंदुवार कार्ययोजना तथा उसकी वर्तमान प्रगति की जानकारी भी प्राप्त की।

उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की पूर्व स्थिति एवं वर्तमान प्रगति के फोटोग्राफ भी अभिलेखों में संलग्न किए जाएं, ताकि कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके।

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जल स्रोतों में सावधानी बरतें, सुरक्षा नियमों का पालन करें : डीएम

- नदी-तालाब में हादसों पर प्रशासन अलर्ट, डीएम ने जारी किए सुरक्षा निर्देश
- बच्चों को जल स्रोतों से दूर रखें, अभिभावकों से डीएम की अपील

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। गुरूवार को जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा है कि तालाब, पोखर, नदी एवं अन्य जल स्रोतों में डूबने की घटनाएं समय-समय पर संज्ञान में आती रहती हैं। ऐसी स्थिति में अभिभावक अपने बच्चों को तालाब, पोखर एवं नदी में स्नान करने से रोकें तथा यदि बच्चे जल स्रोतों के आसपास हों तो उन्हें अपनी निगरानी में रखें, जिससे किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि जर्जर एवं टूटी-फूटी नावों पर यात्रा न करें। नाव पर यात्रा करते समय यह सुनिश्चित करें कि नाव सुरक्षित, साफ एवं सूखी हो। छोटे बच्चों को अकेले नाव पर यात्रा न करने दें तथा नाव की क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं। साथ ही नाव पर लाइफ जैकेट की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। उन्होंने जनपदवा. सियों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति मादक पदार्थों का सेवन कर नदी, तालाब अथवा अन्य जल स्रोतों में प्रवेश न करें। जल स्रोतों पर लगे सुरक्षात्मक चिन्हों एवं चेतावनी संके. तों का पालन करें तथा घाटों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों का अनुपालन करें। जिलाधिकारी ने कहा कि पानी में किसी भी प्रकार का जोखिमपूर्ण खेल न खेलें। जिन्हें तैरना नहीं आता, वे नदी अथवा गहरे जल स्रोतों से दूर रहें। अधिक गहरे पानी में प्रवेश न करें तथा एक नाव से दूसरी नाव पर कूदने एवं पानी में सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों से बचें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति पानी में डूब रहा हो तो आसपास मौजूद लोग तत्काल उसकी सहायता करें एवं एम्बुलेंस सेवा को सूचित करें। यदि व्यक्ति श्वास नहीं ले रहा हो तो उसकी नब्ज जांचें तथा आवश्यकता पड़ने पर सीपीआर देकर तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति पानी में फंस जाए या डूबने लगे तो घबराएं नहीं, शांत रहें। अपने सिर को पानी के ऊपर रखने का प्रयास करें, बैग एवं जूते जैसी भारी वस्तुओं को हटा दें तथा हाथों की सहायता से पानी को ऊपर की ओर उछालते रहें, ताकि आसपास के लोग देखकर सहायता कर सकें।

20 मई को राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद, स्वार के केमिस्ट्स ने प्रशासन को दी सूचना

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। देशभर के केमिस्ट्स और दवा वितरकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 20 मई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद का ऐलान किया है। इसी क्रम में केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, स्वार ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बंद की अग्रिम सूचना दी और अपनी मांगों के समर्थन में हस्तक्षेप की अपील की। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि यह बंद ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर किया जा रहा है, जिसमें देशभर के करीब 12.40 लाख केमिस्ट्स और वितरक शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इससे करोड़ों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। केमिस्ट्स ने अवैध ई-फार्मेसी संचालन पर रोक, ळैत 817(म) और ळैत 220(म) की वापसी तथा बड़े कॉरपोरेट्स द्वारा प्रिडेटरी प्राइसिंग पर रोक लगाने की मांग उठाई। उनका कहना है कि

अवैध ई-फार्मेसी के कारण बिना पर्चे दवाओं की बिक्री, नकली दवाओं का खतरा और एंटीबायोटिक्स के गलत इस्तेमाल जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। एसोसिएशन ने प्रशासन से इस मामले में केंद्र सरकार को उचित अनुशंसा भेजने की मांग की। इस दौरान अध्यक्ष वकार अली, महामंत्री मोहम्मद तारिक, कोषाध्यक्ष जैनुल बशर 'बब्लू' समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नगर पंचायत मे बोर्ड बैठक में कई प्रस्ताव पारित सभासदों के बहिष्कार से गरमाई सियासत

(मो.फारूख अंसारी)
शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। नगर पंचायत मे बोर्ड की बैठक गुरुवार को नगर पंचायत कार्यालय सभागार में आयोजित हुई। बैठक में नगर विकास और जनहित से जुड़े कई प्रस्ताव पारित किए गए। हालांकि बैठक के दौरान कई सभासदों ने बहिष्कार कर दिया, लेकिन नामित सभासदों की मौजूदगी से कोरम पूरा हो गया।

बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष दिनेश कुमार गोयल ने की। बैठक में नगर क्षेत्र में दुकानों के बाहर सामान रखने पर रोक, सब्जी मंडी और शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, पार्क, दुकान, मार्केट व पार्किंग स्थल निर्माण समेत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा हुई। इसके अलावा मुख्य मार्गों पर जाम लगाने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों पर जुर्माना लगाने व वाहन जब्त करने, स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण हटाने, गृहकर, जलकर, किराया, दुकान लाइसेंस शुल्क की वसूली तेज करने तथा समय से कर

जमा न करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में वर्षा ऋतु से पहले नालों की सफाई, नाले-नालियों की मरम्मत, नगर की प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए हाईस्काई लिफ्ट खरीदने और बैंकों के बाहर अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी।बैठक में सभासद जमील अहमद, नितिन कुमार जैन, चमन बहादुर मौर्य, राजमल, बृजनंदन सागर, विमला देवी, कुसुम देवी, राजकुमारी और आरती कश्यप समेत अन्य मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर कई सभासदों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए नगर पंचायत में विकास कार्यों में धांधली का आरोप लगाया। बहिष्कार करने वाले सभासदों ने मामले की शिकायत जिला प्रशासन से की है। शिकायत पत्र पर साहिब नूर, इरशाद अहमद, भगवती प्रसाद, जितेंद्र कुमार, चंद्र, अनिल कुमार, कुलद. ीप मौर्य और उबेश अहमद समेत अन्य सभासदों के हस्ताक्षर बताए गए हैं।

अब शहर में ई-रिक्शा से घूमेगा शहर विधायक का काफिला

शहर के सार्वजनिक कार्यक्रमों और विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए लिया जाएगा ई-रिक्शाओं का सहारा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रेरित होकर शहर विधायक ने लिया फैसला

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। शहर के सार्वजनिक कार्यक्रमों से लेकर विकास कार्यों के निरीक्षण तक, हर जगह शहर विधायक आकाश सक्सेना का काफिला अब ई-रिक्शा से नजर आएगा। न सिर्फ वह खुद ई-रिक्शा में सवार होंगे, बल्कि उनकी सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ और पुलिस के जवान भी इन्हीं ई-रिक्शा में चलेंगे। इसके लिए उन्होंने चार ई-रिक्शा खरीदी हैं। उन्होंने यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रेरित होकर किया है।

खाड़ी देशों में युद्ध के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई है। युद्ध रूकने के बाद भी हालात सामान्य नहीं हो सके हैं और फिर दोबारा कभी भी लंबा युद्ध छिड़ सकता है। ऐसे में संभव है कि वैश्विक बाजार में तेल के दाम और अधिक हो जाएं, जिसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। लिहा. जा, हालातों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों देश की जनता से अपील करते हुए सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग करने औरा घर से ही कार्य करने की अपील की थी। ताकि, वैश्विक बाजार में बढ़ती तेल कीमतों का असर देश की अर्थव्यवस्था पर न पड़े और देश विपरीत स्थितियों के बावजूद और तेजी से प्रगति कर सके। यही नहीं इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने काफिले से 50 प्रतिशत की कटौती करने की भी घोषणा कर दी है। इससे प्रभावित होकर शहर विधायक आकाश सक्सेना ने भी शहर के होने वाले सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों और विकास कार्यों के निरीक्षण व बैठकों में सम्मिलित होने के लिए ई-रिक्शा का प्रयोग करने का फैसला किया है। उन्होंने इसके लिए चार ई-रिक्शा भी खरीद ली हैं। इन्हीं ई-रिक्शा में विधायक और उनकी सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवान और पुलिस के जवान भी चलेंगे।

पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट चार पर मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। दादालाही मकान की पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट के मामले में पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पुरैनिया खुर्दनिवासी महेन्द्र सिंह पुत्र पंडित महेन्द्र सिंह अपने पुराने मकान की नींव खोदकर सफाई कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान उनके पड़ोसी कुवरेन पुत्र झाऊराम अपने पुत्रों मुनेन्द्र, अमित, अंकित और पुत्रवधू कुवरेन समेत लाठी-डंडे और सरिया लेकर आए। और आरोपियों ने गंदी-गंदी गालियां देते हुए काम रोकने का विरोध किया। मना करने पर सभी ने मिलकर महेन्द्र सिंह के साथ मारपीट की, जिससे उनके सिर, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। तहरीर के आधार पर थाना मिलक में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच विवेचना सउपनिरीक्षक राजनीश कुमार को सौंपी गई है।

एक नजर

संग्रह अमीन के निधन पर वकील न्यायिक कार्य से विरत रहे

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। तहसील में तैनात संग्रह अमीन हरीश गंगवार के सड़क हादसे में निधन पर बार एसोसिएशन ने शोक व्यक्त किया है। गुरूवार को बार एसोसिएशन मिलक में एक शोक सभा आयोजित की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गरुवार को सभी अधिवक्तागण न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। बार एसोसिएशन ने सभी न्यायालयों से शोक संवेदना हेतु सहयोग की अपील की है। शोक सभा की अध्यक्षता सतीश चन्द्र गंगवार ने की, जबकि संचालन महासचिव रमेश चन्द्र गंगवार ने किया। इस दौरान अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में पति पत्नी गंभीर रूप से घायल, रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे में क्षेत्र के ग्राम रायपुर निवासी 40 वर्षीय हसीन अली गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय उनकी पत्नी आसमा भी उनके साथ मौजूद थीं, जिन्हें भी चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार हसीन अली अपनी पत्नी के साथ किसी कार्य से जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और हादसा हो गया। दुर्घटना होते ही आसपास मौजूद लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई और दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हसीन अली की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया, जबकि उनकी पत्नी आसमा का उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

नाबालिग पुत्री को भगा ले जाने का आरोप पुलिस ने 6 लोगों पर किया मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भजनपुर निवासी ने थाने में तहरीर देते हुए कहा की प्रार्थी का आरोप है कि प्रार्थी की नाबालिग पुत्री उम्र 16 वर्ष 9 मई को करीब लगभग 11 बजे दिन घर से बाहर कुछ सामान लेने के लिए गई थी जब प्रार्थी की पुत्री काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो प्रार्थी की पत्नी परवीन ने बाहर आकर देखा तो प्रार्थी की नाबालिग पुत्री को एहसान पुत्र रहीस बहला फुसलाकर भगाकर ले जा रहा था जब प्रार्थी की पत्नी परवीन व पुत्री निशा नाबालिग पुत्री के बारे में पता करने एहसान के घर गई तो वहां पर एहसान के भाई उस्मान, नईम, फहीम पुत्रगण रहीस माता आमना पत्नी रहीस ने गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि तुम्हारी लड़की को हमारा बेटा एहसान ले गया है और जो तुमसे हो सके कर लेना अगर ज्यादा पीछा किया तो हम तुम्हारी लड़की को जान से मार देंगे और घर से भगा दिया दिनांक 12 मई को एहसान के ममेरे भाई जाने आलम का प्रार्थी की पुत्री के पास फोन आया और समझौते का दबाव बनाते हुए कहने लगा कि तुम्हें तुम्हारी पुत्री नहीं मिलेगी उसका ज्यादा पीछा मत करो प्रार्थी अब तक अपनी इज्जत के खातिर पुत्री को वापस करने की गुहार लगाता रहा जिसकी तहरीर थाने में देकर पुत्री वापस दिलाने की मांग की है बही पुलिस ने तहरीर के आधार पर एहसान, उस्मान, नईम, फहीम, आमना व जाने आलम के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

हाफिज अहमद हसन शाह शेरी जमाली कादरी के 35वें सालाना उर्स का आगाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। मोहल्ला पुराना गंज मंगल की पैठ स्थित हाफिज अहमद हसन शाह शेरी जमाली कादरी के 35वें सालाना उर्स मुबारक का गुरुवार को अकीदत और एहतराम के साथ आगाज हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कारी फय्याज अहमद खां शेरी जमाली ने कुरआन-ए-करीम की तिलावत से की, जबकि हाफिज मेराजुल हसन शेरी ने नात-ए-पाक और मनकबत पेश की।

महफिल को खिताब करते हुए हजरत मौलाना शाह खालिद खां साहब कादरी ने कहा कि हिन्दुस्तान औलियाए किराम और बुजुर्गाने दीन की सरजमीं है। उन्होंने कहा कि रामपुर की यह खुशनसीबी है कि यहां बड़े-बड़े बुजुर्गों की खानकाहें मौजूद हैं, जिन्होंने इंसानियत, मोहब्बत और दीन की तालीम को फैलाया। उन्होंने लोगों से पांच वक्त की नमाज पढ़ने, गरीबों की मदद

करने और अपने माता-पिता की खिदमत करने की अपील की।

मौलाना ने कहा कि अल्लाह का जिक्र करने से दिलों को सुकून मिलता है और औलियाओं के आस्तानों से हमेशा रहमत बरसती रहती है। आखिर में कुल शरीफ और शिजरा ख्वानी हुई तथा मुल्क और आलम-ए-इस्लाम में अमन व भाईचारे की दुआ की गई। महफिल में बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

आंधी-तूफान का कहर: सोलर पंप के पैनल उड़कर क्षतिग्रस्त, किसान को भारी नुकसान

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। थाना क्षेत्र के गांव सद्दी. कनगर में बुधवार रात आए तेज आंधी-तूफान ने जमकर तबाही मचाई। तेज हवाओं के चलते गांव निवासी संजीव पुत्र लीलाचर साह के खेत पर लगा पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत स्थापित 5 एचपी सोलर पंप सिस्टम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।बताया जा रहा है कि आंधी इतनी तेज थी कि सोलर पंप के पैनल अपने स्थान से उड़ गए और टूटकर खेत में बिखर गए।

घटना में सोलर सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा है। सुबह जब किसान खेत पर पहुंचा तो नुकसान देखकर उसके होश उड़ गए। पीड़ित किसान संजीव ने बताया कि सोलर पंप के जरिए वह सिंचाई का कार्य करता था और इससे खेती में काफी सहूलियत मिल रही थी। लेकिन आंधी-तूफान ने कुछ ही मिनटों में पूरा सिस्टम खराब कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में कई जगह पेड़ और टीनशेड भी आंधी से प्रभावित हुए हैं।किसान ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है, ताकि वह दोबारा सिंचाई व्यवस्था को शुरू कर सके।

PBKS ने MI को 201 रन का लक्ष्य दिया

प्रभमिसरन सिंह का अर्धशतक, अजमतुल्लाह ओमरजई ने 17 गेंदों में 38 रन की विस्फोटक पारी खेली, शार्दूल ठाकुर ने 4 विकेट लिए

धर्मशाला, वार्ता। पंजाब किंग्स ने अभी खेले जा रहे आईपीएल मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 201 रन का टारगेट दिया है। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 200 रन बनाए। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह ओमरजई ने 17 गेंदों में 38 रन की विस्फोटक पारी खेली। आखिर में जेवियर बार्टलेट ने 7 गेंदों में नाबाद 18 रन जोड़कर टीम को 200 के पार पहुंचाया।

मुंबई के लिए शार्दूल ठाकुर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 विकेट लिए। वहीं दीपक चाहर को 2 विकेट मिले। शुरुआत में पंजाब ने तेज रन बनाए, लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। इसके बावजूद उमरजई और बार्टलेट की तेज पारियों ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। 18वें ओवर की आखिरी बाल पर दीपक चाहर ने धीमी गेंद पर उमरजई की विस्फोटक पारी का अंत कर दिया। बड़े शाट की कोशिश में उमरजई गेंद को सही तरीके से टाइम नहीं कर सके और लान्ग आन पर विल जौक्स ने आसान कैच पकड़ लिया।

उमरजई ने सिर्फ 17 गेंदों में 38 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 4 छक्के शामिल रहे। शार्दूल ठाकुर का विकेट लेने का सिलसिला जारी है। उन्होंने क्रास-सीम गेंद पर मार्को यास को बोल्ड कर दिया। गेंद नीचे रही, जैनसन ने लाइन के पार बड़ा शाट खेलने की कोशिश की, लेकिन बाउंस को पूरी तरह पढ़ नहीं सके। गेंद बल्ले और पैड के बीच से निकलकर सीधे स्टंप्स से जा टकराई। कार्बिन बाश ने धीमी क्रास-सीम गेंद पर शशांक सिंह को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। गेंद उम्मीद से धीमी रही और नीचे भी रही, जिससे शशांक शाट खेलने से चूक गए। उन्होंने रिव्यू लिया, लेकिन अल्ट्राएज में बल्ले का कोई संपर्क नहीं मिला और बाल ट्रैकिंग में तीनों रेड आए। शशांक ने 2 रन बनाए। 14वें ओवर की दूसरी बाल पर शार्दूल ने सूर्यांश शेडगे को आउट कर पंजाब को मुश्किल में डाल दिया। लेग स्टंप पर आई फुल गेंद को शेडगे ने फ्लिक किया, लेकिन गेंद हवा में शार्ट मिडविकेट की तरफ चली गई। वहां राज बावा ने अपनी बाईं ओर शानदार डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा। शेडगे 5 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हुए। राज बावा ने शानदार गेंद पर कूपर कोनोली को बोल्ड कर मुंबई को एक और बड़ी सफलता दिलाई। शार्ट आफ लेंथ गेंद पिच से अंदर आई, कोनोली कट शाट खेलने की को. शिश में पूरी तरह चूक गए और गेंद सीधे आफ स्टंप पर जा लगी। कोनोली 22 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। शार्दूल ने एक ही ओवर में मैच का रुख बदल दिया। ओवर की शुरुआत में प्रभसिमरन ने शानदार सिक्स लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर बड़ा शाट खेलने की कोशिश में वह कार्बिन बाश को कैच दे बैठे।

लियाम ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास लिया

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड के लिए चार टेस्ट खेल चुके हैम्पशायर के ऑलराउंडर लियाम डॉसन ने तत्काल प्रभाव से प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 36 वर्षीय डॉसन ने अपने 20 सीजन लंबे करियर में 380 विकेट लेने के साथ ही 18 शतक भी लगाए। इंग्लैंड के लिए आठ वर्षा बाद वापसी करने से पहले डॉसन को 2024 में प्रोफेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन अवॉर्ड्स में पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था।

हालांकि 2026 के सीजन की शुरुआत में हैम्पशायर के पहले पांच मुकाबलों में चार मैच खेलने और सीमित सफलता के बाद उन्होंने लाल गेंद क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला कर लिया। वह हैम्पशायर के लिए सीमित ओवर प्रारूप में और द हंड्रेड में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के लिए खेलना जारी रखेंगे। इस साल टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के दल का हिस्सा होने को मद्देनजर देखते हुए वह सफेद गेंद क्रिकेट में अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं।

डॉसन ने कहा, मैंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह फैसला लेना मेरे लिए आसान नहीं था लेकिन सफेद गेंद क्रिकेट में अपने करियर को लंबा करने के लिए यह फैसला लेने के लिए सही समय था। मुझे गर्व है कि मैंने हैम्पशायर के लिए 200 से अधिक मुकाबले खेले और इन वर्षों में कई खिलाड़ियों के साथ सुनहरी यादें साझा की। मैं हैम्पशायर के लिए सफेद गेंद क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह से समर्पित हूं और इस सफलता को जारी रखना चाहता हूं।

खेल विशेष

अलावेस ने ला लीगा चैंपियन बार्सिलोना को चौंकाया

मैड्रिड, वार्ता। पहले से ही ला लीगा चैंपियन एफसी बार्सिलोना बुधवार को डेपोर्टिवो अलावेस से 1-0 से हार गया। टाइटल जीतने के तीन दिन बाद, बार्सिलोना रविवार और सोमवार को अपने जश्न के असर से परेशान दिखा, और उसने अपने नॉर्मल लेवल से काफी नीचे का परफॉर्मेंस दिया। इब्राहिम डायबेट ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में अलावेस के लिए मैच का एकमात्र गोल किया। इस जीत ने अलावेस को बॉटम थ्री से बाहर निकाला और उसके बचने की उम्मीदें जिंदा रखीं। सेविला ने विलारियल से 3-2 से जीत हासिल की, और स्टैंडिग में 10वें स्थान पर पहुंच गया। विलारियल, जिसने अगले सीजन के यूएफा चैंपियंस लीग में पहले ही जगह पक्की कर ली है,

अजीत ने 71 किग्रा कैटेगरी में डबल ब्रॉन्ज मेडल जीते

गांधीनगर, वार्ता। भारत ने 2026 एडब्ल्यूएफ एशियन सीनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में अपना शानदार कैंपेन जारी रखा, क्योंकि अजित नारायण ने कॉम्पिटिशन के चौथे दिन शानदार परफॉर्मेंस देते हुए क्लीन एंड जर्क और ओवरऑल टोटल दोनों इवेंट्स में पुरुषों की 71 किग्रा कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीते। एशिया के कुछ बेहतरीन वेटलिफ्टर्स के खिलाफ मुकाबला करते हुए, अजित ने जबरदस्त ताकत और धैर्य दिखाते हुए कुल 314 किग्रा वजन उठाया, जिसमें क्लीन एंड जर्क में 174 किग्रा का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था, जिससे भारत को पोडियम पर अच्छी जगह मिली। इस कैटेगरी में गोल्ड मेडल वॉन जू री (पीआरके) ने जीता, जिन्होंने कुल 351 किग्रा वजन उठाया।

यॉर्क्स क्रिकेट क्लब ने खुशाल क्रिकेट कोचिंग सेंटर को 193 रन से हराया

नई दिल्ली, वार्ता। यॉर्क्स क्रिकेट क्लब ने खुशाल क्रिकेट कोचिग सेंटर को 51वें अखिल भारतीय गोस्वामी गणेश दत्त स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में गुरूवार को 193 रन से हरा दिया। टॉस जीतने के बाद, खुशाल क्रिकेट कोचिग सेंटर ने पहले फील्डिग करने का फैसला किया। यॉर्क्स क्रिकेट क्लब ने शिवम भान 131(80), रोहन राणा 42(21) और अक्षय सिग्नेचर 45(43) की शानदार पारियों की मदद से 40 ओवर में 10 विकेट पर 339 रन बनाए। खुशाल क्रिकेट कोचिग सेंटर के बॉलर समर कोहार ने 24 रन देकर 2 विकेट, संपर्क गुप्ता ने 47 रन देकर 2 विकेट और इमरोजप्रीत सिंह ने 62 रन देकर 2 विकेट लिए। टारगेट का पीछा करते हुए खुशाल क्रिकेट कोचिग सेंटर ने 23 ओवर में 10 विकेट पर 147 रन बनाए। इमरोजप्रीत सिंह ने 31(21) और प्रांजल सैनी ने 27(22) रन बनाए और मैच 193 रन से हार गया।

स्वितोलिना ने 16 ब्रेकपॉइंट बचाकर रायबाकिना को हराया

रोम, वार्ता। एलिना स्वितोलिना ने एलेना रायबाकिना के खिलाफ 20 ब्रेक पॉइंट का सामना किया, उनमें से 16 बचाकर बुधवार रात को वर्ल्ड नंबर 2 पर उलटफेर भरी जीत हासिल की और आठ साल में पहली बार इटेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं। स्वितोलिना ने 2 घंटे और 23 मिनट में 2-6, 6-4, 6-4 से जीत हासिल करके जो लड़ने का जज्बा दिखाया, वह लंबे समय से उनके शानदार करियर की पहचान रहा है, जिसमें दो रोम टाइटल शामिल हैं।

उन्होंने ए टाइटल लगातार दो सालों 2017 और 2018 में जीते थे, जिसमें से आखिरी बार वह सेमीफाइनल में पहुंची थीं। स्वितोलिना ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, हमारी प्यारी बेटी, स्काई को जन्म देने के बाद, कोर्ट पर इस तरह के पल मेरे लिए वाकई खास हैं। टॉप 10 में वापस आना, बड़े मैच खेलना, उन्हें जीतना, इससे मुझे आगे बढ़ने और आगे बढ़ने का एक बहुत ही शानदार और बहुत कीमती एहसास होता है। इस जीत के साथ, स्वितोलिना डब्ल्यूटीए टूर पर रायबाकिना के खिलाफ 4-4 से बेहतर हो गई हैं और अब उनका सामना एक और मल्टी-टाइम चैंपियन, इगा स्वियाटेक से होगा। तीन बार की रोम विनर स्वियाटेक, बुधवार को जेसिका पेगुला पर 67 मिनट में 6-1, 6-2 से जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गई थीं।

वापसी कर रही CSK की नजरें प्लेऑफ पर

लखनऊ, वार्ता। सीजन की शुरुआत में हार का सामना करने के बाद अचानक प्लेऑफ में जगह बनाने के सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बनने वाली चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने कैंपेन को काफी बदल दिया है और अब शुक्रवार को 59वें मैच में बाहर हो चुकी लेकिन खतरनाक दिखने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स 20 लीग मैच 6 से एक अनचाही चुनौती का सामना कर रही है। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में, दांव आधिकारिक तौर पर सिर्फ एक तरफ हो सकते हैं,

लेकिन दोनों टीमों से जुड़ी इमोशनल बातें इस मुकाबले में और दिलचस्पी जगाती हैं जो प्लेऑफ की दौड़ पर काफी असर डाल सकती हैं। चेन्नई के लिए, मिशन सीधा है: जीत का सिलसिला जारी रखना और टॉप-4 में अपनी पकड़ मजबूत करना। लखनऊ, जो एक उतार-चढ़ाव भरे कैंपेन के बाद पहले ही मुकाबले से बाहर हो चुका है, के लिए बाकी मैच इज्जत बचाने और दूसरों के सपनों को तोड़ने का आखिरी मौका है। इस सीजन में सीएसके से ज्यादा

तेजी से किस्मत बदलने वाली कुछ ही टीमों ने देखा है। चेन्नई फेंचाइजी ने अपने कैंपेन की शुरुआत लगातार तीन हार के साथ की, जिससे टीम के बैलेंस को लेकर आलोचना हुई और अनुभवी खिलाड़ी एमएस धोनी के अलावा बाकी खिलाड़ियों की चिंता भी हुई, जो इस सीजन में नहीं खेले हैं, लेकिन हार मानने के बजाय, सीएसके ने डिसिप्लिन्ड बॉलिंग, निडर बैटिंग और युवा मैच-विनर खिलाड़ियों के आने से खुद को लगातार फिर से बनाया। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की लीडरशिप में, चेन्नई ने अब अपने पिछले आठ मैचों में से छह जीते हैं और लगातार तीन जीत के साथ लखनऊ पहुंची है। यह वापसी संजू सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन से हुई है, जिन्होंने 11 पारियों में 169 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं। धीमी शुरुआत के बाद, सैमसन ने दो सेंचुरी के साथ लय वापस पाई और तब से सीएसके की बैटिंग लाइन-अप का सेंटरपीस बन गए हैं।

एक और बड़ा बूस्ट विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल से मिला है, जिन्होंने सीजन का पहला हाफ बेंच पर बिताया, लेकिन तुरंत असर दिखाया। एलएसजी के खिलाफ रिवर्स मैच में सिर्फ 23 गेंदों पर उनकी जबरदस्त 65 रन की पारी ने सीएसके के वापसी के दौरान अपनाए गए अटैकिंग अप्रोच को दिखाया। बॉलिंग डिपार्टमेंट ने भी प्रेशर में अच्छा किया है। हरियाणा के पेसर अंशुल कंबोज 19 विकेट लेकर टूर्नामेंट की खोजों में से एक बनकर उभरे हैं, जबकि इंग्लिश ऑलराउंडर जेमी ओवरटन ने 14 विकेट लेकर पेस और कंट्रोल जोड़ा है। अफगान स्पिनर नूर अहमद और कैरेबियाई लेफ्ट आर्म स्पिनर अकील होसेन ने बीच के ओव. रों में और मजबूती दी है। इस बीच, लखनऊ का सीजन उल्टी दिशा में गया है।

ऑरेंज कैप टेबल में तीसरे नम्बर पर पहुंचे विराट कोहली

पर्पल कैप पर भुवनेश्वर का कब्जा

रायपुर, वार्ता। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कोल. काता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ नाबाद 105 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबील) केवल जीत दिलाई। इसी के साथ वह ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए है। वहीं गेंदबाजी सूची में भुवनेश्वर कुमार 22 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है।

विराट कोहली ने रायपुर में केकेआर के खिलाफ आरसीबी के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल करियर का नौवां शतक लगाया। इस पारी की बदौलत वह इस सीजन सबसे

अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। केकेआर के खिलाफ नाबाद शतकीय पारी के बाद को. हली के आईपीएल की 12 पारियों में 165-75 के स्ट्राइक रेट से 484 रन हो गए हैं। उनसे आगे केवल बी साई सुदर्शन (501 रन) और हाइनरिक क्लासन (508 रन) हैं। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रन हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 477 रन के साथ पांचवें नंबर पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल के नाम 467 रन हैं।

मेसी ने MLS में मियामी को जीत दिलाई

वाशिंगटन, वार्ता। लियोनेल मेसी के दो गोल की मदद से इंटर मियामी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एमएलएस मैच में सिनसिनाटी को 5-3 से हराया। मेसी ने 24वें मिनट में गोल करके मेहमान टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन हाफटाइम के बाद केविन डेन्की और पावेल बुचा के गोल ने बुधवार को सिनसिनाटी को बढ़त दिला दी। आठ बार के बैलन डी' ओर विजेता मेसी ने रोड्रिगो डी पॉल के क्रॉस के बाद एक शांत फिनिश के साथ घंटे भर पहले बराबरी कर ली। मेजबान टीम ने ब्राजील के मिडफील्डर इवांडर के जरिए बढ़त हासिल की, जिन्होंने एरिया के बाहर जगह बनाकर टॉप-लेफ्ट कॉर्नर में एक लंबी दूरी का शॉट मारा।

लेकिन मियामी 79वें मिनट में फिर से बराबरी पर आ गई जब सब्स्टीट्यूट माटेओ सिल्वेटी बॉक्स में आए और दूर कोने में एक शॉट मारा, जिससे मेसी के साथ शुरू हुआ मूव खत्म हो गया। फ्लोरिडा की टीम ने तब बढ़त बना ली जब गोलकीपर रोमन सेलेन्टानो ने मेसी की फ्री-किक को रोक दिया, जिससे जर्मन बर्टेराम को रिबाउंड पर गोल करने का

मौका मिला। सेलेन्टानो की रात और भी खराब होती गई क्योंकि मेसी की लंगड़ाने की कोशिश को रोकने के प्रयास में उन्होंने गलती से गेंद अपने ही नेट में डाल दी। इस नतीजे के बाद इंटर मियामी 13 गेम में 25 पॉइंट्स के साथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में दूसरे नंबर पर है, जो लीडर नैशविले से दो पॉइंट्स पीछे है, जबकि सिनसिनाटी नौ पॉइंट्स पीछे है।

जेमी ओवर्टन आईपीएल से बाहर

डियान फॉरेस्टर लेंगे उनकी जगह

चेन्नई, वार्ता। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए जी तोड़ प्रयास कर रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को एक और बड़ा झटका लगा है क्योंकि ऑलराउंडर जेमी ओवर्टन जांघ की चोट की जांच के लिए वापस इंग्लैंड लौट गए हैं। चेन्नई ने ओवर्टन की जगह डियान फॉरेस्टर को टीम में शामिल किया है। डियान फॉरेस्टर ओवर्टन की जगह 75 लाख रुपये में सीएसके में शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर फॉरेस्टर ने मार्च 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू किया था और उन्होंने पांच इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें

83 रन बनाए हैं। सीएसके ने बुधवार रात को सोशल मीडिया पर कहा कि जेमी ओवर्टन को दाईं जांघ में चोट लगी है और चोट से संबंधित आगे की जांच और प्रबंधन के लिए वह स्वदेश लौटेंगे। इस सीजन में इस समय तक ओवर्टन 17-78 की औसत और 8-89 की इकॉनमी के साथ 14 विकेट लेकर सीएसके के लिए दूसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सीएसके के पिछले मुकाबले में वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। 11 मई को एलएसजी के खिलाफ चेपॉक में सीएसके की पांच विकेट से जीत में उन्होंने तीन विकेट हासिल किए थे। बुधवार को ही सीएसके ने चोट के चलते सीजन से बाहर हुए रामकृण घोा की जगह कर्नाटक के ऑलराउंडर मक्नील नोरोन्हा को अपने दल में शामिल किया था। इससे पहले तक इस सीजन में सीएसके के कुल चार खिलाड़ी पूरे सीजन से बाहर हो चुके हैं। घोा के अलावा, नैथन एलिस, आयु म्हात्रे और खलील अहमद सीजन से बाहर हो चुके हैं। इसके साथ ही एम एस धोनी और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन अभी तक इस सीजन एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। इस समय सीएसके 11 मुकाबलों में छह जीत के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है।

सिंधु, सात्विक-चिराग लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में

पटुमवान (थाईलैंड), वार्ता। तीन सीडेड भारतीय एंट्री, जिनमें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (1), पीवी सिधु (6), और लक्ष्य सेन (7) शामिल हैं,

गुरुवार को थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। सात्विक-चिराग ने अपने मलेशियाई अपोनेंट्स गुंटिंग ब्रायन जेरेमी और हाइकल मुहम्मद को 21-12, 21-19 से हराया, सिधु ने डेनमार्क की अमाली शुल्ज के खिलाफ 21-13, 21-15 से जीत हासिल की, जबकि लक्ष्य ने चीन के झू झुआन चेन पर 21-12, 21-13 से शानदार जीत दर्ज कर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। वर्ल्ड टूर फाइनल्स 2025 में ब्रॉन्ज मेडल

जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपने मलेशियाई विरोधियों को 44 मिनट में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई,

जहां उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी से होगा। सिंधु ने शुल्ज पर एक जैसे गेम में दबदबा बनाया और 28 मिनट में 21-13, 21-15 से जीत हासिल की।

सम्पादकीय

ब्रिक्स बैठक का आगाज

गुरुवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन शुरू हो गया है। यह सम्मेलन भारत की अध्यक्षता में हो रहा है। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बड़ी बेबाकी के साथ ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने विचार खुलकर रखे। उनका यह कहना बिल्कुल सही है कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक असुरक्षा और संस्थागत सुधारों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि अभूतपूर्व भू राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चतता का इस समय विश्व सामना कर रहा है और इसके पीछे सशर्त संघर्ष, जलवायु संबंधी आपदाएं और कोविड महामारी के दीर्घकालिक प्रभाव प्रमुख कारण हैं। भारतीय विदेश मंत्री ने साफ किया कि ये संकट अलग नहीं हैं, बल्कि ऐसा संगम हैं जो अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाओं की क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं और इसका सबसे ज्यादा असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं तथा विकासशील देशों पर पड़ रहा है। जैसीकि उम्मीद थी उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति पर खुलकर अपनी बात रखी और साथ ही चिंता जताते हुए कहा कि लगातार तनाव, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए खतरा बन रहा है। उन्होंने होर्मुज स्टेट और लाल सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में निर्बाध आवाजाही को वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक बताया और सबसे बड़ी बात उन्होंने गाजा संघर्ष को मानवीय संकट बताया और इसका हल दो राष्ट्रीय समाधान के आधार पर ढूंढने की वकालत की। डा. जयशंकर ने यह भी स्पष्ट स्थिरता चुनिंदा नहीं हो सकती और शांति टुकड़ों में स्थापित नहीं की जा सकती। उन्होंने खुलकर एक तरफा प्रतिबंधों और दबावों की आलोचना की जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप नहीं हैं। ब्रिक्स ऐसे समय में हो रहा है जब वास्तव में दुनिया के सामने चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। पश्चिम एशिया संकट तो है ही, साथ ही कई वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध भी बराबर जारी है। इसके अलावा भी कई जगह ऐसी हैं जहां टकराव की बातें सामने आती रहती हैं। जैसे चीन-ताईवान के बीच संघर्ष, कभी भी जन्म ले सकता है। ऐसे में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। इस बैठक में किस तरह के फैसले सामने आते हैं, यह तो बैठक के बाद ही पता चलेगा, इस समय तो यह उम्मीद ही की जा सकती है कि ब्रिक्स से जुड़े सभी देश अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन करेंगे और टकराव का रास्ता छोड़कर सहयोग की ओर बढ़ेंगे। यही आज विश्व के हित में होगा।

श्रीमुख से...

युद्ध कोई विकल्प नहीं है

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले के पाकिस्तान के साथ बातचीत करने वाला बयान स्वागत योग्य है, यह इस बढ़ती हुई समझ को दर्शाता है कि अब युद्ध कोई विकल्प नहीं रहा, यह एक बहुत बड़ा कदम है, मुझे खुशी है कि अब कोई यह सोच रहा है कि युद्ध कोई विकल्प नहीं है, यह बातचीत का मामला है और बातचीत के जरिए ही हमें अपनी समस्याओं का हल निकालना चाहिए, दिल्ली में शुरू हो रही ब्रिक्स की बैठक पश्चिम एशिया में शांति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी, ब्रिक्स की बैठक हो रही है और हमें उम्मीद है कि पश्चिम एशिया में शांति होगी, ब्रिक्स भी इस पर दबाव डालेगा, अमे. रिकी राष्ट्रपति ट्रम्प चीन में हैं, मुझे यकीन है कि चीन भी अपनी भूमिका निभाएगा ताकि शांति बनी रहे। **-फारूक अब्दुल्ला, पूर्व मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर**

अपने विचार रखें...

हम पाठकों के साथ ही वरिष्ठ स्तंभकारों, लेखकों को सम्पादकीय पेज हेतु आलेख अथवा जनमानस से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं, सम्पादकीय पेज पर प्रकाशित किसी भी लेख से सम्पादक अथवा संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है, यह लेखक के अपने निजी विचार होते हैं।

सम्पादकीय डेस्क, शाह टाइम्स

पत्राचार: शाह टाइम्स, सुजडू चुंगी, मेरठ रोड मुजफ्फरनगर, पिन कोड-251003

Dainikshahtimes@gmail.com

सामाजिकता की सबसे बड़ी कुंजी है परिवार

अतुल गोयल

विश्वभर में हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस' मानव सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था 'परिवार' के महत्व को पुन: स्मरण करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1993 में घोषित यह दिवस समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और नैतिक मूल्यों के निर्माण में परिवार की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करता है। इस वर्ष 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस' की थीम है 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण', जो वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक है क्योंकि बढ़ती आर्थिक विषमता, सामाजिक असंतुलन, तकनीकी बदलाव और बदलती जीवनशैली का सबसे गहरा प्रभाव परिवारों और विशेष रूप से बच्चों पर पड़ रहा है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं होता बल्कि व्यक्ति के जीवन का पहला विद्यालय, पहला संस्कार केंद्र और पहली सामाजिक प्रयोगशाला होता है। मनुष्य बोलना, चलना, व्यवहार करना, प्रेम करना, सम्मान देना और जिम्मेदारियां निभाना सबसे पहले परिवार से ही सीखता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में परिवार को सदैव सर्वोच्च स्थान प्राप्त रहा है। यहां परिवार का अर्थ केवल माता-पिता और बच्चों तक सीमित नहीं था बल्कि दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, मामा-मौसी सहित बहुपीढ़ीय संयुक्त परिवार भारतीय समाज की पहचान हुआ करते थे।'वसुधैव कुटुंबकम' का आदर्श इसी व्यापक पारिवारिक दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया।

भारतीय जीवन पद्धति में परिवार केवल आर्थिक इकाई नहीं बल्कि संवेदनाओं और संस्कारों का जीवंत केंद्र था। घर के आंगन में दादा-दादी की कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का आधार बनती थी। त्योहार केवल उत्सव नहीं बल्कि पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक चेतना के अवसर होते थे। भोजन एक साथ बैठकर किया जाता था और जीवन के छोटे-बड़े निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते थे। उस समय परिवार में 'मैं' से अधिक 'हम' की भावना महत्वपूर्ण थी किन्तु आधुनिकता, शहरीकरण, उपभोक्तावाद और डिजिटल जीवनशैली ने परिवार की पारंपरिक संरचना को गहराई से प्रभावित किया है। आज महानगरों में जीवन की तीव्र गति और प्रतिस्पर्धा ने रिश्तों की आत्मीयता को कमजोर किया है। लोग एक ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। भोजन की मेज पर संवाद की जगह मोबाइल फोन ने ले ली है। पहले जहां शाम का समय परिवार के साथ बिताया जाता था, वहीं अब अधिकांश समय अलग-अलग कमरों में स्क्रीन के सामने बीतता है। तकनीक ने सुविधा तो बढ़ाई है परन्तु रिश्तों की गर्माहट को कहीं न कहीं कम भी किया है।

इस बदलते परिवेश का सबसे गहरा प्रभाव बच्चों पर दिखाई देता है। आज का बच्चा डिजिटल रूप से अत्यंत सक्षम है लेकिन भावनात्मक रूप से पहले की तुलना में अधिक अकेला होता जा रहा है। परिवारों में संवाद की कमी, माता-पिता की व्यस्तता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस इसी वास्तविकता की ओर ध्यान आकर्षित करता है कि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बच्चों के भविष्य को किस प्रकार प्रभावित कर रही हैं। विश्व के अनेक देशों में आज भी करोड़ों बच्चे गरीबी, कुपोषण, शिक्षा की कमी और असुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जिन परिवारों की आय अस्थिर होती है या जिनके पास स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं तक पर्याप्त पहुंच नहीं होती, वहां बच्चों का समग्र विकास बाधित हो जाता है। आर्थिक असमानता केवल आय का अंतर नहीं बल्कि अवसरों की असमानता भी है। गरीब परिवारों के बच्चे अक्सर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षित वातावरण से वंचित रह जाते हैं, जिससे पीढ़ियों तक गरीबी और वंचना का चक्र बना रहता है। आज वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन, युद्ध, विस्थापन, बेरोजगारी और तकनीकी बदलाव जैसी चुनौतियां परिवारों पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं। प्रवासन के कारण लाखों परिवार टूट रहे हैं। माता-पिता रोजगार की तलाश में दूर शहरों या देशों में चले जाते हैं और बच्चे भावनात्मक दूरी का सामना करते हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित सामाजिक सुरक्षा नीतियों पर विशेष जोर दे रहा है। बाल कल्याण, मातृत्व सहायता, पितृत्व अवकाश, सस्ती बाल देखभाल सेवाएं, प्रारंभिक शिक्षा और परिवार समर्थक नीतियां केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि भविष्य के स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। भारतीय समाज में भी पारिवारिक संरचना तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों का विस्तार हुआ है। गांवों की तुलना में महानगरों में पारिवारिक विघटन अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में युवा महानगरों और विदेशों की ओर जा रहे हैं, जिसके कारण बुजुर्ग माता-पिता अकेले रह जाते हैं। आर्थिक सहायता तो मिल जाती है लेकिन भावनात्मक सहारा धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। सबसे अधिक प्रभावित यदि कोई वर्ग हुआ है तो वह बुजुर्गों का है। कभी परिवार की धुरी माने जाने वाले बुजुर्ग आज अनेक घरों में उपेक्षा और अकेलेपन का जीवन जीने को विवश हैं।

पहले परिवार के निर्णयों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती थी लेकिन आज अनेक बुजुर्ग स्वयं को अप्रासंगिक महसूस करने लगे हैं। वृद्धावस्था में व्यक्ति को केवल दवा और धन की आवश्यकता नहीं होती बल्कि सम्मान, संवाद और अपनापन भी उतना ही आवश्यक होता है। भारत में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या बदलते सामाजिक ढांचे का गंभीर संकेत है। अनेक रिपोर्टों में यह सामने आया है कि बड़ी संख्या में बुजुर्ग मानसिक अवसाद, असुरक्षा और सामाजिक अलगाव का अनुभव कर रहे हैं। आधुनिक तकनीक दूरी कम करने का दावा करती है लेकिन वास्तविक मानवीय संवाद का कोई विकल्प नहीं हो सकता। जब समाज में सामूहिक बंधन कमजोर होते हैं, तब व्यक्ति अकेलेपन और असुरक्षा का शिकार हो जाता है। वर्तमान भारतीय समाज में यही स्थिति दिखाई दे रही है। आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के बावजूद मानसिक तनाव, अवसाद और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसका एक प्रमुख कारण परिवारों के भीतर बढ़ती भावनात्मक दूरी भी है।

अखिलेश की संवेदनशीलता ने दिखाई प्रेम की राह

रोहित कौशिक

हमारे समाज और राजनीति में कुछ खबरें कभी पुरानी नहीं होती। इसलिए ऐसी खबरों पर लगातार चिंतन-मनन होता रहता है। इस दौर में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या राजनीति में बढ़ती नफरत को कम करने की कोशिश की जा रही है? क्या इस दौर में व्यक्तिगत हो चुकी राजनीति की धारा मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है? क्या इस दौर में राजनीतिक शुचिता की बात करने वाले राजनेता अपने दिल की सफाई कर पाए हैं। क्या इस दौर में ऊपर से साफ-सुथरे दिखने वाले राजनेता अपने दिल में जमे कटुता के मैल को साफ कर पाए हैं?

अगर गंभीरता से इन प्रश्नों के उत्तर खोजने की कोशिश की जाएगी तो हमारे अंदर निराशा का भाव ही पैदा होगा। सच्चाई तो यह है कि इस दौर की राजनीति में लगातार नफरत की भावना बढ़ती जा रही है। एक तरफ विकास के लोक लुभावन नारे लगाए जा रहे हैं तो दूसरी तरफ साम्प्रदायिक राजनीति को बढ़ावा देकर जानबूझकर राजनीति में नफरत का भाव पैदा किया जा रहा है। नफरत की इस गर्मी में प्रेम की ठंडी फुहार का अहसास हुआ है। नफरत की राजनीति के इस दौर में प्रेम पैदा करने की पहल हुई है। यह पहल की है उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने। वहीं अखिलेश यादव जिन्हें बदनाम करने की तमाम कोशिशें होती रहती हैं। वही अखिलेश यादव जिन्हें अक्सर नफरत की राजनीति का शिकार बनाया जाता है। हालांकि खबर के लिहाज से यह बात थोड़ी पुरानी हो चुकी है, लेकिन विश्लेषण के हिसाब से कोई भी खबर पुरानी नहीं होती है। इस अंधकार भरे समय में राजनेताओं की संवेदनशीलता पर लगातार बहस और विचार-विमर्श होते रहना चाहिए। जिस दौर में राजनीति में आज आदमी की मूलभूत समस्याओं को नजरअंदाज कर हिन्दू-मुस्लिम के मुद्दे को ही प्रमुख बना दिया गया है, उस दौर में यदि किसी राजनेता की संवेदनशीलता की खबर आती है तो उस पर लगातार बहस होनी चाहिए।

दरअसल कुछ दिनों पहले बहराइच सदर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े मुद्दे पर विरोध जताते हुए अखिलेश यादव का पुतला जला रही थीं। उत्तर प्रदेश के बहराइच में भाजपा द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंका गया था। जब भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल, अखिलेश यादव का पुतला जला रही थीं तब उनका चेहरा और बाल आग की चपेट में आ गए। उनका चेहरा बुरी तरह झुलस गया। उन्हें आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के मेदांता अस्पताल ले रेफर कर दिया गया। अनुपमा जायसलवाल, अखिलेश यादव का पुतला जलाते हुए आग से झुलसी थी। इसके बावजूद अखिलेश यादव उन्हें देखने के लिए मेदांता अस्पताल पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सियासी कड़वाहट के बीच अखिलेश यादव की इस संवेदनशीलता ने सबको हैरान कर दिया। अखिलेश यादव का वह फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था जिसमें वे मेदांता अस्पताल में अनुपमा जायसवाल से मिलकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। अखिलेश यादव को अपने सामने देखकर अनुपमा जायसवाल के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई थी।

उस समय अखिलेश यादव ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना भा की थी। अखिलेश यादव ने यह पहल कर एक बड़ी लकीर खींच दी। उन्होंने अपनी इस पहल से यह संदेश भी दिया कि लोकतंत्र में वैचारिक असहमति हो सकती है लेकिन व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव की इस संवेदनशीलता की काफी प्रशंसा हुई थी। इस मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ट्वीट कर जानकारी भी दी थी। अखिलेश यादव ने इस मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था कि हम नहीं चाहते कि समाज के बीच आग जले। हम चाहते हैं समाज में सौहार्द की फुहार हो।

क्या भारत प्रतियोगी परीक्षाएं कराने की क्षमता खो चुका है!

विजय शंकर पाण्डेय

पूर्व आईएएस अधिकारी वी एस पाण्डेय लिखते हैं इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि समस्या केवल किसी एक राज्य या एजेंसी तक सीमित नहीं है। यह एक संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है जिसमें कोचिंग माफिया, प्रिंटिंग प्रेस, परीक्षा केंद्र कर्मचारी, साइबर अपराधी और कई बार प्रभावशाली लोग भी शामिल पाए जाते हैं।

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET को पेपर लीक के आरोपों के कारण निरस्त किया जाना केवल एक परीक्षा का संकट नहीं है, बल्कि यह भारत की पूरी परीक्षा प्रणाली पर लगा गंभीर प्रश्नचिन्ह है। लाखों विद्यार्थी वर्षों की मेहनत, मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और पारिवारिक अपेक्षाओं के साथ इन परीक्षाओं में बैठते हैं, लेकिन जब प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही बाजार में बिकने लगें, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर घूमने लगें, और बाद में परीक्षाएं रद्द करनी पड़ें, तब यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि मेहनत बनाम भ्रष्टाचार की लड़ाई बन जाती है। हाल के घटनाक्रम में NEET-UG 2026 को पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द किया गया है और जांच एजेंसियां सक्रिय हुई हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दायरा अत्यंत विशाल है। हर वर्ष करोड़ों विद्यार्थी सरकारी नौकरियों, मेडिकल, इंजीनियरिंग, विश्वविद्यालय प्रवेश तथा अन्य भर्ती परीक्षाओं में भाग लेते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं इतनी सामान्य हो गई हैं कि अब ईमानदार परीक्षार्थी स्वयं को ठगा हुआ महसूस करने लगे हैं। 2019 से 2024 के बीच देश में कम से कम 65 बड़ी परीक्षाएं पेपर लीक या परीक्षा अनियमितताओं से प्रभावित हुईं। लाखों सपनों की कब्रगाह बन चुका है भारत का परीक्षा तंत्र। हर साल करोड़ों युवा रात-दिन एक करके परीक्षाओं की तैयारी करते हैं कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई सरकारी अफसर। लेकिन जब परीक्षा हॉल में बैठने से पहले ही प्रश्नपत्र व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर वायरल हो जाता है, तो उन सपनों का क्या होता है? यह केवल एक परीक्षा का निरस्त होना नहीं है कृ यह उस पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है जिस पर 140 करोड़ लोगों का भविष्य टिका है। पेपर लीक की एक लंबी और शर्मनाक सूची है। भारत में पेपर लीक कोई नई घटना नहीं है। यह एक दशकों पुरानी बीमारी है जो हर बार नए रूप में सामने आती है। इसके कुछ उदाहरण NEET-UG 2024, 5 मई 2024 को देशभर में लगभग 24 लाख परीक्षार्थी बैठे। परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बिहार में 13 लोग गिरफ्तार हुए जिन्होंने प्रश्नपत्र खरीदा था। गुजरात के गोधरा में एक परीक्षा केंद्र पर धांधली पकड़ी गई। ब्ठप् जांच और सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप हुआ। छज् के महानिदेशक को बर्खास्त किया गया।

UGC-NET जून 2024, 18 जून को परीक्षा हुई, 19 जून को रद्द। डार्कनेट पर प्रश्नपत्र लीक की पुष्टि हुई। UP पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2024, लगभग 48 लाख अभ्यर्थी प्रभावित। परीक्षा व्यापक लीक के बाद रद्द करनी पड़ी। CBSE 2018, कक्षा 12 की अर्थशास्त्र और कक्षा 10 की गणित का प्रश्नपत्र लीक हुआ। लाखों छात्रों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ी। SSC CGL 2017, स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की परीक्षा में लीक के आरोपों ने देशव्यापी प्रदर्शन और CBI जांच को जन्म दिया। AIPMT 2015, सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक लीक के चलते पूरी परीक्षा रद्द करने का आदेश दिया। व्यापम घोटाला, मध्यप्रदेश (2013 और आगे) दर्जनों परीक्षाओं में सुनियोजित धोखाधड़ी। इससे जुड़े कई व्यक्तियों की रहस्यमय मौतें। अब तक का सबसे बड़ा परीक्षा घोटाला माना जाता है। REET 2021, राजस्थानरू शिक्षक भर्ती परीक्षा में सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता से बड़े पैमाने पर लीक। BPSC 67वीं परीक्षा 2022, बिहार-प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल, परीक्षा रद्द। West Bengal SSC घोटाला: शिक्षक भर्ती में पैसे लेकर नौकरी देने और OMR शीट से छेड़छाड़ के गंभीर आरोप। यह सूची यहीं समाप्त नहीं होती। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र कृ हर राज्य में यही कहानी दोहराई गई है। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि समस्या केवल किसी एक राज्य या एजेंसी तक सीमित नहीं है। यह एक संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है, जिसमें कोचिंग माफिया, प्रिंटिंग प्रेस, परीक्षा केंद्र कर्मचारी, साइबर अपराधी और कई बार प्रभावशाली लोग भी शामिल पाए जाते हैं। सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बार सजा विद्यार्थियों को मिलती है। कोई छात्र दो-दो वर्ष ड्रॉप लेकर तैयारी करता है, कोई गरीब परिवार खेत बेचकर कोचिंग की फीस देता है, कोई छात्र मानसिक दबाव में अवसाद तक पहुंच जाता है। लेकिन परीक्षा रद्द होने के बाद वही छात्र फिर से महीनों तैयारी करने को मजबूर हो जाता है। परीक्षा की निष्पक्षता पर संदेह का अर्थ है कि पूरी मेरिट व्यवस्था पर जनता का भरोसा टूटना। सवाल यह है कि आखिर भारत जैसी तकनीकी शक्ति रखने वाला देश सुरक्षित परीक्षा प्रणाली क्यों नहीं बना पा रहा? इसका सबसे बड़ा कारण है भ्रष्टाचार का संगठित नेटवर्क।ऐसा इस लिए है क्योंकि स्पष्ट रूप से देश की प्रशासनिक व्यवस्था ने एक प्रकार से भ्रष्टाचार को आत्मसात सा कर लिया हो और जब देशमें सर्वत्र भ्रष्टाचार व्याप्त हो तो परीक्षाएं कैसे साफ सुथरी रह सकती हैं। जरा सोंचे कि जब बिना रिश्वत या सिफारिश के शायद ही किसी सरकारी दफ्तर में काम होता है और पूरा प्रशासनिक प्रणाली भ्रष्टाचार से ग्रसित हो तो वही व्यवस्था इम्तहान कैसे ईमानदारी से करा पाने में सक्षम हो सकती है।

(लेखक भारत सरकार के पूर्व सचिव हैं)

युद्धविराम के बाद से लेबनान में 23 बच्चे मारे गए, 93 घायलः यूनिसेफ

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा है कि 17 अप्रैल से लागू युद्धविराम के बाद से लेबनान में कम से कम 23 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि 93 बच्चे घायल हुए हैं। यूनिसेफ ने बुधवार को जारी बयान में कहा, स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सीजफायर शुरू होने के बाद से अब तक कम से कम 23 बच्चे मारे गए और 93 घायल हुए हैं। दो मार्च से अब तक कुल 200 बच्चों की मौत और 806 बच्चे घायल हुए हैं, यानी औसतन हर दिन लगभग 14 बच्चे मारे गए या फिर घायल हुए हैं। बयान में यह भी कहा गया कि पिछले सात दिनों में ही लेबनान में हमलों में मारे गए और घायल बच्चों की संख्या 59 पहुंच गई है। मंगलवार सुबह बेरूत के दक्षिण में एक कार पर हुए हमले में दो बच्चों और उनकी मां की मौत हुई है।

कीव। रूसी हमले के बाद एक आवासीय इलाके में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए घर के मलबे को हटाते बचावकर्मी।

यूरोपीय बाजार में भारतीय समुद्री उत्पादन को भेजने की छूट

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ की एक अधिसूचना के अंतर्गत की गई घोषणा के अनुसार भारत से झींगा और मछली जैसे मत्स्य पालन उत्पादों को वहां के बाजार में निर्यात की छूट बनी रहेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ईयू की ओर से 12 मई को प्रकाशित संशोधित मसौदा सूची में भारत को शामिल किया गया है ताकि यूरोपीय संघ के बाजार में जलीय कृषि उत्पादों का निर्यात जारी रखा जा सके। नई घोषणा से ईयू के 4 अक्टूबर 2024 को जारी कार्यान्वयन विनियमन 2024/2598 में पहले हुई चूक से भारतीय निर्यात को में उत्पन्न चिंता दूर हुई है।

सिर्फ औपचारिकता निभाने चीन नहीं गए हैं ट्रम्पः व्हाइट हाउस

कहाः ताइवान मुद्दा सबसे अहम, ट्रम्प प्रशासन ने ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज को दी मंजूरी

वाशिंगटन। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को हथियार देने की तैयारी कर रहा है। ट्रम्प प्रशासन ने ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी दी है, हालांकि उसकी डिलीवरी अभी शुरू नहीं हुई है।

ताइवान दुनिया में चिप निर्माण का बड़ा केंद्र है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ट्रम्प अमेरिका में चिप उत्पादन बढ़ाने के लिए ताइवान के साथ व्यापारिक सहयोग मजबूत करना चाहते हैं। इसी सिलसिले में एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने हैं। ट्रम्प के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी चीन पहुंचे हैं। इसके अलावा टेक, रक्षा, कृषि और वित्त क्षेत्र के कई बड़े कारोबारी भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं।

ट्रम्प के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी चीन पहुंचे हैं

व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रम्प इस दौरे पर सिर्फ औपचारिकता निभाने नहीं गए हैं, बल्कि कुछ ठोस परिणाम चाहते हैं। अमेरिकी प्रशासन को उम्मीद है कि चीन अमेरिकी सोयाबीन, बीफ और विमानों की खरीद बढ़ाने का ऐलान कर सकता है। साथ ही दोनों देशों के व्यापारिक विवाद सुलझाने के लिए बोर्ड ऑफ ट्रेड जैसी व्यवस्था पर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि अभी तक किसी भी संभावित समझौते की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। इस दौरे के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा ईरान बना हुआ है। अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान के युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को झटका दिया है। होर्मुज स्ट्रेट के प्रभावित होने से तेल और गैस आपूर्ति बाधित हुई है और ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है। ऐसे में ट्रम्प चीन से ईरान पर दबाव डालने की कोशिश कर सकते हैं, क्योंकि चीन ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यह ट्रम्प का 2017 के बाद पहला चीन दौरा है। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल अक्तूबर महीने में बुसान में मिले थे। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प और शी जिनपिंग की यह मुलाकात आने वाले समय में अमेरिका-चीन संबंधों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

ताइवान पर चीन की अमेरिका को सख्त चेतावनी

शी जिनपिंग बोलेः गलत कदम से छिड़ सकता है संघर्ष

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि ताइवान मुद्दे पर किसी भी प्रकार की गलत रणनीति दोनों देशों को 'संघर्ष' की ओर धकेल सकती है। गुरुवार को महाशक्ति शिखर सम्मेलन के तहत हुई बैठक में ट्रम्प ने शी को 'महान नेता' और 'मित्र' बताते हुए कहा कि दोनों देशों का 'भविष्य शानदार' होगा।

शी ने औपचारिक स्वागत समारोह के बीच अपेक्षाकृत सख्त लहजे में यह भी कहा कि दोनों देशों को 'प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार' होना चाहिए। उन्होंने शुरुआत में ही ताइवान मुद्दे को चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण विषय बताया। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार शी ने कहा कि ताइवान प्रश्न चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। यदि इसे गलत तरीके से संभाला गया, तो दोनों देश टकराव या यहां तक कि संघर्ष की स्थिति में पहुंच सकते हैं, जिससे पूरे चीन-अमेरिका संबंध अत्यंत खतरनाक स्थिति में चले जाएंगे। यूरोन्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब सवा दो घंटे तक चली प्रारंभिक

चीन के राष्ट्रपति ने कहा: अमेरिका-चीन के बीच टकराव का कारण बन सकता है ताइवान

वार्ता के बाद व्हाइट हाउस के जारी आधिकारिक विवरण में ताइवान का कोई उल्लेख नहीं किया गया। इससे संकेत मिला कि दोनों नेता इस मुद्दे पर किसी ठोस सहमति तक नहीं पहुंच सके। ट्रम्प की यह यात्रा लगभग एक दशक बाद किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पहली चीन यात्रा है।

भव्य स्वागत समारोह के बावजूद व्यापार और भू-राजनीतिक तनाव अब भी दोनों देशों के बीच प्रमुख मुद्दे बने हुए हैं। शी ने ट्रम्प का स्वागत ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में रेड कार्पेट, सैन्य बैंड, तोपों की सलामी और स्कूली बच्चों के स्वागत नारों के साथ किया। ट्रम्प ने समारोह के दौरान कहा कि चीन और अमेरिका के संबंध पहले से कहीं बेहतर होने जा रहे हैं। इसके विपरीत शी ने प्राचीन यूनानी राजनीतिक सिद्धांत 'थ्यूसीडिडेस ट्रैप' का उल्लेख करते हुए कहा कि उभरती शक्ति और स्थापित शक्ति के बीच प्रतिस्पर्धा युद्ध का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि क्या चीन और अमेरिका तथाकथित 'थ्यूसीडिडेस ट्रैप' से ऊपर उठकर महाशक्तियों के संबंधों का नया प्रतिमान स्थापित कर सकते हैं? सहयोग दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है, जबकि टकराव दोनों को नुकसान पहुंचाता है। वर्ष 2017 में ट्रम्प की पिछली चीन यात्रा के बाद से दोनों देश व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और कई वैश्विक मुद्दों पर लगातार मतभेदों में उलझे रहे हैं। ताइवान लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का प्रमुख कारण रहा है। अमेरिका 'वन चाइना' नीति के तहत केवल बीजिंग को मान्यता देता है, लेकिन अमेरिकी कानून के अनुसार वह ताइवान को आत्मरक्षा के लिए हथियार उपलब्ध कराने के लिए बाध्य है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उसे अपने नियंत्रण में लेने के लिए बल प्रयोग की संभावना से भी इन्कार नहीं करता। हाल के वर्षों में उसने ताइवान पर सैन्य दबाव बढ़ाया है। शी की टिप्पणियों के बाद ताइपे ने प्रतिक्रिया देते हुए चीन को क्षेत्रीय शांति के लिए 'एकमात्र खतरा' बताया और कहा कि अमेरिका ने ताइवान के प्रति अपने 'स्पष्ट और दृढ़ समर्थन' की बार-बार पुष्टि की है। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं की वार्ता अब तक सकारात्मक माहौल में हुई है। ट्रम्प ने शी को 'मित्र' बताया और दोनों नेताओं ने 'रचनात्मक, रणनीतिक और स्थिर संबंध' स्थापित करने पर सहमति जताई है। ताइवान मुद्दे के अलावा बीजिंग में हुई उच्चस्तरीय वार्ता के दौरान शी और ट्रम्प ने अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण रुख अपनाया तथा बैठक को बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के संबंधों को स्थिर करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। शिखर सम्मेलन का प्रमुख परिणाम वह नई रूपरेखा रही, जिसे शी ने 'रणनीतिक स्थिरता पर आधारित रचनात्मक चीन-अमेरिका संबंध' करार दिया।

चीनी पीएम ने एलन मस्क, टिम कुक, जेन्सेन हुआंग से की मुलाकात

बीजिंग। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने गुरुवार को एलन मस्क (टेस्ला), टिम कुक (एप्पल) और जेन्सेन हुआंग (एनवीडिया) जैसे अमेरिका के दिग्गज उद्योग. पतियों से मुलाकात की और अपील की कि वे चीन एवं अमेरिका के बीच संबंधों के 'स्वस्थ विकास' को बनाए रखने में सहयोग करें। यह महत्वपूर्ण बैठक बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच होने वाले उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। बीजिंग में एक दर्जन से अधिक अमेरिकी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कियांग ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक तनाव के बावजूद 'मित्र और भागीदार' बने रहने की पूरी क्षमता है। ट्रम्प की इस चीन यात्रा में उनके साथ अमेरिका के 16 प्रमुख उद्योगपतियों का एक बड़ा समूह आया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रम्प चीन के साथ नए निवेश और व्यापार बोर्ड बनाने की संभावनाओं पर काम करना चाहते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की वायु सेनाओं की बैठक

कैनबरा। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और रायल आस्ट्रेलियन एयर फोर्स ने श्भविष्य के एयरोस्पेस सहयोगश पर चर्चा की है। यह चर्चा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते रक्षा संबंधों के बीच हुई है, जहां फोटो सेशन के दौरान बोइंग एमक्यू-28 घोस्ट बैट लड़ाकू विमान भी पीछे दिखाई दिया। दोनों वायु सेनाओं के बीच हाल ही में 12वीं एयर स्टाफ वार्ता कैनबरा में हुई।

इस वार्ता का खास फोकस अभियान के समय तालमेल, एक-दूसरे की प्रणाली के साथ मिलकर काम करने की क्षमता , प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास और भविष्य के एयरोस्पेस सहयोग पर था। आईएएफ के बयान में कहा गया कि 12वीं एयर स्टाफ वार्ता में दोनों वायु सेनाओं ने आपरेशनल तालमेल बढ़ाने, संयुक्त अभ्यास, एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग समझौते, प्रशिक्षण और भविष्य के एयरोस्पेस सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता और क्षेत्रीय

एयरोस्पेस सहयोग पर चर्चा, डफ-28 घोस्ट बैट लड़ाकू विमान भी दिखा

स्थिरता को मजबूत करने और भविष्य के लिए तैयार हिंद-प्रशांत साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। आस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वायु सेना के उप प्रमुख एयर वाइस मार्शल स्टीवन पेस ने कैनबरा और ब्रिस्बेन में भारतीय वायु सेना के एयर वाइस मार्शल संजीव तालियान की मेजबानी की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और पेशेवर वायु शक्ति संवाद को आगे बढ़ाया गया। बैठक के दौरान आस्ट्रेलिया की ओर से जारी एक तस्वीर में बोइंग डिफेंस आस्ट्रेलिया का एमक्यू-28 घोस्ट बैट पीछे दिखाई दिया। यह एक मानव रहित लड़ाकू विमान है, जिसे इस तरह से बनाया गया है कि यह पायलट वाले लड़ाकू विमानों और हवाई प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के साथ मिलकर काम कर सके।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ईरानी एक्ट्रेस को मैसेज करते थे

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को वियतनाम में उनकी पत्नी ब्रिजित मैक्रों ने ईरानी मूल के एक्ट्रेस के कारण थप्पड़ मारा था। न्यूयार्क पोस्ट के मुता. बिक, यह दावा फ्रांसीसी पत्रकार फ्लोरियन तारदिफ ने अपनी नई किताब 'एन (आलमोस्ट) परफेक्ट कपल' में किया है। यह किताब बुधवार को प्रकाशित हुई। किताब में कहा गया है कि यह विवाद ईरानी मूल की अभिनेत्री गोलशिफ्ते फराहानी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच कथित चौट की वजह से हुआ था।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों अभिनेत्री को मैसेज भेजते थे। एक मैसेज में उन्होंने कथित तौर पर लिखा था कि मुझे तुम बहुत खूबसूरत लगती हो। फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैक्रों और फराहानी के बीच कई महीनों तक 'प्लेटोनिक रिलेशनशिप' (दोस्ती वाला

दावा: मैक्रों को इस वजह से पत्नी ने थप्पड़ मारा, पिछले साल वीडियो वायरल हुआ था

रिश्ता) बना रहा। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया कि यह रिश्ता सिर्फ भावनात्मक और निजी बातचीत तक सीमित था। मैक्रों पिछले साल 25 मई को वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी उन्हें थप्पड़ मारती दिखी थीं। हालांकि, ब्रिजित मैक्रों की टीम ने इन सभी दावों को गलत बताया है। उनके प्रति. निधियों ने कहा कि ब्रिजित कभी अपने पति का मोबाइल फोन नहीं देखतीं और किताब में कही गई बातें सच नहीं हैं। दूसरी तरफ अभिनेत्री गोलशिफ्ते फराहानी ने भी राष्ट्रपति मैक्रों के साथ किसी रिश्ते की खबरों को पहले ही खारिज कर दिया था।

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह ने रचा इतिहास

मुंबई। बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह पोस्ट-कोविड दौर में मुख्य भूमिका निभाते हुए दुनिया भर में 3700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय पुरुष अभिनेता बन गए हैं। धुरंधर फ्रेंचाइजी की शानदार सफलता के साथ रणवीर ने न सिर्फ सिनेमाघरों में अपना दबदबा फिर से स्थापित किया है, बल्कि खुद को आज के भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में भी शामिल कर लिया है। पोस्ट-कोविड दौर में रणवीर की थिएटर यात्रा फिल्म 83 से शुरू हुई, जिसने दुनिया भर में 184.36 करोड़ रुपये की कमाई की। इस फिल्म को इसकी भावनात्मक कहानी और रणवीर के दमदार अभिनय के लिए काफी सराहा गया। इसके बाद वह जएशभाई जोरदार में नजर आए, जिसने वैश्विक स्तर पर 24.1 करोड़ रुपये कमाए, जबकि सर्कस ने 39.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

बांग्लादेश में खसरे से मृतकों की संख्या 432 हुई

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम आठ और लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर होता जा रहा है, इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 432 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम आठ और लोगों की मौत हुई है।

देश में खसरे के पुष्ट और संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 60 हजार से अधिक हो गई है, जिससे स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे हाल के वर्षों का सबसे बड़ा प्रकोप बताया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, ये मौतें बुधवार सुबह तक के 24 घंटों में दर्ज की गईं। इसी अवधि में, 1489 संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे संदिग्ध संक्रमणों की कुल संख्या 53056 हो गई। इसके अतिरिक्त, 126 पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 7150 हो गई।

देश में खसरे के पुष्ट और संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 60 हजार से अधिक हो गई है

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार ने यह जानकारी दी। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ मुश्ताक हुसैन ने कहा कि समय पर टीकाकरण न होने के कारण खसरे के मामले तेजी से फैले हैं। उन्होंने कहा, यदि प्रकोप को देखते हुए कोई उचित कदम उठाया गया होता, तो मृत्यु दर काफी कम हो सकती थी। हुसैन ने यह भी कहा कि एक बार जब मामले 50 हजार का आंकड़ा पार कर जाते हैं, तो सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाना चाहिए, और ऐसा न करके काफी गलत किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले वर्ष अपर्याप्त टीकाकरण और कुपोषण ने इस प्रकोप को बदतर बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। वायरोलाजिस्ट और जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ महबूबा जमील ने इस वर्ष खसरे के मामलों में असामान्य वृद्धि के बारे में बताया। उन्होंने कहा, यदि टीकाकरण गतिविधियां जारी रहती हैं, तो अगले कुछ हफ्तों में संक्रमण में कमी आनी शुरू हो सकती है। जिन क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान चलाए गए हैं, वहां अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति दिख रही है। जमील ने बताया कि संक्रमण के मामले में सिलहट जिला वर्तमान में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। सचेतन नागरिक समाज के बैनर तले प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने ढाका के धनमंडी 27 क्षेत्र में एक मानव श्रृंखला बनाई। उन्होंने खसरे से संबंधित मौतों के लिए पूर्व अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस और उनके स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पीड़ितों के परिवारों के लिए मुआवजे की भी मांग की।

कोरोना मौतों का आंकड़ा आधिकारिक संख्या से तीन गुना अधिकः WHO

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 महामारी से दुनिया भर में मौतों की वास्तविक संख्या 2.2 करोड़ से अधिक पहुंच गई है, जो आधिकारिक तौर पर दर्ज 70 लाख मौतों से करीब तीन गुना ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ की बुधवार को जारी 'वर्ल्ड हेल्थ स्टैटिस्टिक्स 2026' रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2020 से 2023 के बीच सभी कारणों से वैश्विक अतिरिक्त मौतों (एक्सेस डेथ्स) का अनुमान 2.21 करोड़ लगाया गया, जबकि कोविड-19 से आधिकारिक तौर पर 70 लाख मौतें दर्ज की गईं। इसका मतलब है कि कोविड से दर्ज हर एक मौत के मुकाबले महामारी से जुड़ी लगभग दो अतिरिक्त मौतें हुईं।

फिलीपींस की संसद में गोलीबारी से मचा हड़कंप

सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने के लिए चेतावनी दी और फायरिंग की

मनीला। फिलीपींस की संसद के भीतर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वहां कुछ हथियारबंद नकाबपोशों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने के लिए चेतावनी दी और फायरिंग की, जिसके बाद हमलावर हवा में गोलियां चलाते हुए वहां से भाग गए।

यह घटना बुधवार रात तब हुई जब सीनेटर रोनाल्ड डेला रोजा अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए संसद भवन के अंदर छिपे हुए थे। उनपर मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप हैं और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया है। रोजा सोमवार से ही अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए संसद में छिपे हुए थे, लेकिन इस गोलीबारी के बाद वह वहां से गायब हो गए हैं। राष्ट्रपति की प्रवक्ता क्लेयर कास्त्रो के

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने देर रात जारी वीडियो में कहा कि इस घटना में सरकार का कोई हाथ नहीं

मुताबिक, सीनेटर अब संसद परिसर में नहीं हैं। रोजा पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के खास सहयोगी और पूर्व पुलिस प्रमुख रहे हैं और उन पर नशीली दवाओं के खिलाफ खूनी अभियान चलाने का आरोप है, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। इसी मामले में पूर्व राष्ट्रपति पहले से ही नीदरलैंड में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने देर रात जारी वीडियो में कहा कि इस घटना में सरकार का कोई हाथ नहीं है। उन्होंने लोगों से शांत रहने की अपील की और दोषियों को पकड़ने का भरोसा दिया। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। रोजा को 'बाटो' के नाम से जाना जाता है। उन पर आरा. `प है कि जब वे पुलिस प्रमुख थे, तब उन्होंने 'ओप्लान तोखांग' नाम की योजना के तहत कई लोगों की जान ली। हालांकि रोजा ने इन आरोपों को गलत बताया है और कहा है कि आईसीसी को उन्हें गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं है। वे सोमवार से ही संसद भवन के अंदर थे और सुरक्षा एजेंसियों को चकमा दे रहे थे।